THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 312 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) माघ शु.5 2079 गुरुवार, 26 जनवरी 2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पीएम मोदी ने मिस्र के राष्ट्रपति के साथ बैठक की

'भारत-मिस्र विश्व की सबसे पुरानी सभ्यता'

आतंकवाद के मुद्दे पर हम साथ हैं

पीएम मोदी ने हैदराबाद हाउस में मिस्र अरब गणराज्य के राष्ट्रपति अब्देल फतह अह-सीसी से मुलाकात की।

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को दिल्ली के हैदराबाद हाउस में मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतेह अल सिसी से मुलाकात की। यहां दोनों के बीच कई मुद्दों पर चर्चा हुई। बैठक में मिस्र के राष्ट्रपति सिसी के साथ आए एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने भी हिस्सा लिया, जिसमें 5 मंत्री और सीनियर अधिकारी शामिल हैं।

बैठक के बाद दोनों देशों ने साझा बयान जारी किया। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और मिस्र विश्व की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से हैं। हमारे बीच कई हजारों सालों का रिश्ता रहा है। 4 हजार साल से भी पहले गुजरात के लोथल पोर्ट के जरिए भारत-मिस्र के साथ व्यापार होता था। हम आतंकवाद के मुद्दे पर साथ हैं, यह मानवता के लिए बड़ा खतरा है।

मिस्र को G-20 के लिए न्योता दिया

पीएम ने बताया कि भारत ने इस साल अपनी G-20 अध्यक्षता के दौरान मिस्र को गेस्ट देश के रूप आमंत्रित किया है। यह हमारी खास दोस्ती को दिखाता है। बैठक में दोनों देशों ने रक्षा उद्योगों के बीच सहयोग को और मजबूत करने और काउंटर टेररिज्म से जुड़ी सूचना और इंटेलिजेंस का आदान-प्रदान बढ़ाने का भी निर्णय लिया है। बैठक में दोनों देशों के बीच राजनीतिक, सुरक्षा, आर्थिक और वैज्ञानिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी। मिस्र के राष्ट्रपति इस साल भारत के गणतंत्र दिवस समारोह के चीफ गेस्ट हैं।

मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतेह अल सिसी आज सुबह 10 बजे राजभवन पहुंचे। यहां पीएम मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उनका स्वागत किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सामने अल-सिसी को गॉर्ड ऑफ ऑनर दिया गया। बैठक से पहले अब्देल फतेह ने राजघाट जाकर बापू को श्रद्धांजलि दी। अब्देल फतह अल-सिसी ने कहा कि भारत के 74 वें गणतंत्र दिवस पर चीफ गेस्ट बनना मेरे लिए महान सौभाग्य है।

इतिहास की बात और देश हित

आजादी के बाद का इतिहास देखें तो ये पहली बार होगा जब इजिप्ट का कोई लीडर रिपब्लिड डे सेरेमनी में चीफ गेस्ट बन रहा है। अरब देशों में उसकी आबादी सबसे ज्यादा (करीब 10.93 करोड़) है। इस्लामिक देशों के संगठन में इजिप्ट आतंकवाद और कट्टरता के खिलाफ सबसे बड़ी आवाज है। भारत और इजिप्ट के बीच डिप्लोमैटिक रिलेशन एस्टेबिलिश हुए भी 75 साल हो चुके हैं। अरब देशों में भारतीयों की बहुत बड़ी तादाद है। यहां इंडियन डायस्पोरा न सिर्फ मजबूत है, बल्कि उसका काफी सम्मान भी है। सऊदी अरब और यूएई के बाद अब भारत पूरे अरब वर्ल्ड में साख बनाना चाहता है।

'नीतीश जी! बाप-दादा की संपत्ति हड़पने नहीं देंगे'

उपेंद्र कुशवाहा बोले अपना हिस्सा छोड़कर ऐसे कैसे चले जाएं

पटना, 25 जनवरी (एजेंसियां)। क्या टूट के कगार पर पहुंच चुकी है जनता दल यूनाइटेड? क्या उपेंद्र कुशवाहा जनता दल यूनाइटेड को तोड़ कर ही मानेंगे? नीतीश कुमार ने इशारों में क्यों कहा कि उपेंद्र कुशवाहा जल्द ही पार्टी छोड़कर चले जाएं? जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने उपेंद्र कुशवाहा से क्यों पूछा कि पार्टी की सदस्यता अभियान में उनका क्या रोल रहा? दरअसल, इसका जवाब है कि जनता दल यूनाइटेड के बीच जो आग लगी है, अब उसका धुआं लोगों को भी दिखने लगा है। दरअसल, जनता दल यूनाइटेड संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने नीतीश कुमार के बयान के बाद ट्वीट के जरिए अपने दिल की बात कही है। उपेंद्र कुशवाहा ने ट्वीट कर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को संबोधित करते हुए कहा कि बड़ा अच्छा कहा भाई साहब आपने...! ऐसे बड़े भाई के कहने से छोटा भाई घर छोड़कर जाने लगे तब तो हर बड़का भाई अपने छोटका को घर से भगाकर बाप-दादा की पूरी संपत्ति अकेले हड़प ले। ऐसे कैसे चले जाएं अपना हिस्सा छोड़कर....? जेडीयू संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने ट्वीट के माध्यम से जो बातें कही है, क्या इसका अर्थ यह निकाला जाए कि नीतीश कुमार ने जनता दल यूनाइटेड को अकेले नहीं खड़ा किया बल्कि उपेंद्र कुशवाहा ने भी पार्टी को खड़ा करने में अपना योगदान दिया है ? क्या उपेंद्र कुशवाहा के इस ट्वीट का अर्थ यह निकाला जाए कि अगर नीतीश कुमार उन्हें पार्टी से बाहर जाने की नसीहत दे रहे हैं तो उपेंद्र कुशवाहा जनता दल यूनाइटेड में अपना हिस्सा चाहते हैं ? क्या उपेंद्र कुशवाहा जिन्होंने अपने राष्ट्रीय लोक समता पार्टी का विलय जनता दल यूनाइटेड में कर दिया था, अब जेडीयू को तोड़कर जनता दल यूनाइटेड (उपेंद्र) के नाम से नई पार्टी का गठन करना चाहते हैं? >14

अंग्रेजी के अलावा अन्य भाषाओं में भी उपलब्ध होंगे सुप्रीम फैसले, गणतंत्र दिवस से व्यवस्था लागू

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। गणतंत्र दिवस के मौके पर सुप्रीम कोर्ट देशवासियों को बड़ी सौगात देने जा रहा है। भारत के मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने बुधवार को घोषणा की कि गणतंत्र दिवस से इलेक्ट्रॉनिक सुप्रीम कोर्ट रिपोर्ट्स (ई-एससीआर) परियोजना अब विभिन्न भारतीय अनुसूचित भाषाओं में शीर्ष अदालत के फैसले प्रदान करना शुरू कर देगी।

सीजेआई ने वकीलों से कहा कि शीर्ष अदालत गुरुवार को कुछ स्थानीय अनुसूचित भाषाओं में फैसले प्रदान करने के लिए ई-एससीआर परियोजना के हिस्से का संचालन करेगी। ई-एससीआर के अलावा स्थानीय भाषाओं में सुप्रीम कोर्ट के 1091 फैसले भी गणतंत्र दिवस पर उपलब्ध होंगे।

आठवीं अनुसूची में हैं 22 भाषाएं

बता दें, संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाएं हैं। इनमें असमिया, बंगाली, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, नेपाली, उड़िया, पंजाबी, संस्कृत, सिंधी, तमिल, तेलुगु, उर्दू, बोडो, संथाली, मैथिली और डोगरी शामिल हैं।

शीर्ष अदालत के फैसले, उसकी वेबसाइट, उसके मोबाइल ऐप और नेशनल ज्यूडिशियल डेटा ग्रिड पोर्टल पर उपलब्ध होंगे।

चुनाव आयोग ने विधानसभा उपचुनाव की तारीख बदली

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने बुधवार को महाराष्ट्र में विधानसभा की दो सीटों के लिए होने वाले उपचुनाव की तारीख को बदलने का एलान किया। ईसी ने 27 फरवरी को होने वाले मतदान की तारीख को एक दिन पहले यानी 26 फरवरी कर दिया है। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में उपचुनाव पुणे जिले में आने वाली दो सीटों- चिंचवाड़ और कस्बा पेठ में होने हैं। निर्वाचन आयोग को जानकारी मिली थी कि जिले में 27 फरवरी को 12वीं और ग्रैजुएशन की परीक्षाएं हैं।

धीरेंद्र शास्त्री को क्लीन चिट

नागपुर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री को अंधविश्वास फैलाने के मामले में नागपुर पुलिस ने क्लीन चिट दे दी है। नागपुर पुलिस ने कहा है कि महाराष्ट्र अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति की शिकायत की जांच के बाद नागपुर के कार्यक्रम में बागेश्वर धाम के खिलाफ अंधविश्वास फैलाने के कोई प्रमाण नहीं मिले हैं। पुलिस ने जांच के बाद अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति को लिखित जवाब भी भेजा है। नागपुर के पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार ने बुधवार को कहा कि धीरेंद्र शास्त्री के कार्यक्रम के वीडियो की जांच की गई और यह पाया गया कि नागपुर में उनके कार्यक्रम के दौरान कोई अंधविश्वास नहीं फैलाया जा रहा था।

धीरेंद्र शास्त्री ने नागपुर में रामकथा का आयोजन किया था, लेकिन रामकथा दो दिन के लिए घटा दी गई थी। इसके बाद महाराष्ट्र में अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति की ओर से धीरेंद्र शास्त्री को चुनौती दी गई है। धीरेंद्र शास्त्री पर्चे पर लिखकर लोगों की मन की बात बता देने का दावा करते हैं। उन्हें लेकर लोग दो धड़ों में बंट गए हैं। एक धड़ा मानता है कि बाबा के पास चमत्कारी शक्ति है, जबकि दूसरे धड़े का कहना है कि धीरेंद्र शास्त्री अंधविश्वास को फैला रहे हैं।

बता दें, पंडित धीरेंद्र शास्त्री बिना बताए लोगों के मन की बात जानने का दावा करते हैं। बीते दिनों नागपुर में उनका कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें श्रीराम कथा के साथ दिव्य चमत्कारी दरबार लगाया गया था। इसके बाद महाराष्ट्र अंधश्रद्धा निर्मूलन समिति ने धीरेंद्र शास्त्री के दावों को चुनौती दी थी। समिति ने आरोप लगाया था कि पंडित धीरेंद्र शास्त्री अंधविश्वास फैलाते हैं। समिति के अध्यक्ष श्याम मानव ने आरोप लगाया था कि दिव्य दरबार की आड़ में धीरेंद्र शास्त्री जादू-टोना को बढ़ावा देने के साथ धर्म के नाम पर लोगों के साथ धोखाधड़ी कर रहे हैं।

मंत्री नंद गोपाल नंदी को कोर्ट ने सुनाई सजा

प्रयागराज, 25 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी को एससी-एसटी एक्ट में एक साल की सजा सुनाई है। इसकी के साथ 10 हजार रूपये का जुर्माना भी लगाया गया है। मुट्ठीगंज थाने में इस मामले में एफआईआर दर्ज की गई थी।

यह फैसला जिला न्यायालय की विशेष न्यायालय ने सुनाया है। इससे पहले नंद गोपाल गुप्ता नंदी के विरुद्ध दलित पर जानलेवा हमला करने की कोशिश के विचाराधीन मुकदमे में गुरुवार को दोनों पक्षों की बहस पूरी हुई। आरोपित मंत्री नंदी ने अपने बचाव के लिए तीन गवाहों की सूची कोर्ट के समक्ष पेश किया था। एमपी एमएलए की विशेष न्यायाधीश डॉ दिनेश चंद्र शुक्ल के समक्ष सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता सुशील वैश्य ने कोर्ट में हाजिर गवाहों जिरह किया।

जैकलीन ने अदालत में दायर की नई याचिका

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। करीब 200 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीस ने दुबई जाने के लिए बुधवार को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट में एक नई अर्जी दाखिल की। जैकलीन ने दुबई में पेप्सिको इंडिया कॉन्फ्रेंस में शामिल होने के लिए 27 से 30 जनवरी तक यात्रा करने के लिए आवेदन दायर किया है।

इससे पहले जैकलीन फर्नांडीस ने 29 जनवरी को एक दिन के लिए दुबई जाने की इजाजत मांगने वाली अर्जी लगाई थी, जिसे वापस ले लिया गया था। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शैलेंद्र मलिक ने सोमवार को एक्ट्रेस को व्यक्तिगत पेशी से एक दिन की छूट दी। न्यायाधीश को मामले में आरोप तय करने पर दलीलें सुननी थीं, लेकिन सुनवाई 15 फरवरी के लिए स्थगित कर दी। फर्नांडीस ने पिछले साल दिसंबर में भी बहरीन में अपनी बीमार मां से मिलने के लिए विदेश जाने की अनुमति की थी। लेकिन, इसे वापस ले लिया गया, क्योंकि अदालत उसे विदेश यात्रा की अनुमति देने को तैयार नहीं थी।

चंद्रशेखर पर राजनेताओं, मशहूर हस्तियों और व्यापारियों से पैसे वसूलने और कथित रूप से फार्मा कंपनी रैनबैक्सी के पूर्व मालिक शिविंदर मोहन सिंह की पत्नी अदिति सिंह को 200 करोड़ रुपये का चूना लगाने का आरोप है।

आप विधायक कुंवर विजय प्रताप ने

आश्वासन कमेटी के चेयरमैन पद से दिया इस्तीफा, स्पीकर से थे नाराज

चंडीगढ़, 25 जनवरी (एजेंसियां)। अमृतसर नॉर्थ से आम आदमी पार्टी के विधायक और पंजाब विधानसभा की सरकारी आश्वासन कमेटी के चेयरमैन कुंवर विजय प्रताप सिंह ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। अब उनके इस्तीफे पर पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां अंतिम फैसला लेंगे। बताया जा रहा है कि विधायक विजय प्रताप ने स्पीकर के एक फैसले से नाराज होकर आश्वासन कमेटी के चेयरमैन पद से इस्तीफा दिया है।

आरएसएस और मुस्लिम बुद्धिजीवियों के बीच दूसरी बार हुई मुलाकात

दोनों तरफ से मौजूद रहे ये लोग

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पदाधिकारियों और मुस्लिम बुद्धिजीवियों के पांच सदस्यीय दल की दूसरी मुलाकात हुई है. इस बैठक में संघ की तरफ से रामलाल, कृष्ण गोपाल और इंद्रेश कुमार तो वहीं, मुसलमानों की तरफ से

पूर्व एलजी नजीब जंग, शाहिद सिद्दीकी, एस वाई कुरैशी, जमात ए इस्लामी की तरफ से मलिक मोहतसिम और दारुल उलूम से जुड़े लोग शामिल रहे. आरएसएस पदाधिकारी और मुस्लिम बुद्धिजीवी 14 जनवरी को साथ बैठे थे. इन मुस्लिम बुद्धिजीवियों ने कुछ समय पहले संघ प्रमुख मोहन भागवत से भी मुलाकात की थी.

पूर्व मंत्री अनिल देशमुख के निजी सचिव रहे संजीव पलांडे को मिली जमानत

जबरन वसूली का था मामला

मुंबई, 25 जनवरी (एजेंसियां)। 100 करोड़ जबरन वसूली का मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख के निजी सचिव रहे संजीव पलांडे को जमानत दे दी है। इस मामले में सीबीआई ने केस दर्ज किया था। पलांडे को भी उन्हीं शर्तों पर जमानत दी गई, जिन शर्तों पर देशमुख को जमानत मिली थी। पलांडे जून 2021 में ईडी द्वारा गिरफ्तार किए

जाने के बाद से जेल में बंद हैं। बता दें कि महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार में गृह मंत्री रहे देशमुख, पलांडे और अन्य के खिलाफ ईडी का मनी लॉन्ड्रिंग का मामला तब आया, जब सीबीआई ने उन्हें मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परम बीर सिंह द्वारा लगाए गए जबरन वसूली के आरोपों से संबंधित भ्रष्टाचार के मामले में दर्ज किया था।

हमने कैबिनेट विस्तार पर नहीं की चर्चा

अमित शाह से मुलाकात के बाद बोले फडणवीस- ये उचित समय पर होगा

मुंबई, 25 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के एक दिन बाद महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि बहुत कैबिनेट विस्तार पर चर्चा नहीं हुई। अमित शाह के साथ हमारी बैठक सहकारी क्षेत्र और चीनी उद्योग तक ही सीमित थी। फडणवीस ने औरंगाबाद में मीडिया से बात करते हुए कहा, हमने कैबिनेट विस्तार पर चर्चा नहीं की। हालांकि, उन्होंने कहा कि लंबे समय से लंबित कैबिनेट विस्तार किया जाएगा। हम कैबिनेट विस्तार करना चाहते हैं। हम इसे उचित समय पर करेंगे। फडणवीस ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ शाह से मुलाकात की थी। शिंदे और फडणवीस ने 30 जून, 2022 को महाराष्ट्र में गठबंधन सरकार की कमान संभाली, पूर्व में शिवसेना में विद्रोह का नेतृत्व करने के बाद, पार्टी में विभाजन हो गया। शिवसेना के 40 बागी और 10 निर्दलीय सहित 50 विधायक शिंदे में शामिल हो गए। शिंदे और फडणवीस के अलावा, महाराष्ट्र कैबिनेट में नौ भाजपा से और नौ शिंदे गुट से 18 मंत्री हैं। मंत्रियों की संख्या की अनुमेय सीमा 43 है, जिसका अर्थ है कि 23 नए मंत्रियों को समायोजित करने की गुंजाइश है। शिंदे खेमे में कैबिनेट बर्थ की मांग करने वाले उम्मीदवारों की संख्या रिक्तियों की संख्या से अधिक है। कम से कम शिंदे के कुछ वफादारों ने चेतावनी दी है कि अगर उन्हें कैबिनेट मंत्री पद से वंचित किया गया तो वे विकल्प तलाशेंगे। भाजपा के भीतर भी मायूसी पनप रही है बीजेपी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा, 'आदर्श रूप से कैबिनेट में दो-तिहाई मंत्री बीजेपी से और एक-तिहाई शिंदे खेमे से होने चाहिए. भाजपा 106 विधायकों के साथ सबसे बड़ी पार्टी है; जबकि शिंदे गुट के पास सिर्फ 50 हैं। शिंदे गुट से दलबदल और एक राजनीतिक संकट को रोकने के लिए, सीएम शिंदे और डिप्टी सीएम फडणवीस दोनों ही कैबिनेट विस्तार को लेकर बहुत सावधानी बरत रहे हैं, हालांकि उनका कहना है कि यह जल्द ही होगा।

नाबालिग लड़की ने किया सुसाइड

परिजनों ने मोबाइल फोन दिलाने से किया था मना

झज्जर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के झज्जर में मोबाइल फोन एक नाबालिग लड़की की मौत की वजह बन गया। परिजनों ने बेटी को मोबाइल फोन नहीं दिलाया तो उसने घर में फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। तब माता पिता मजदूरी के लिए घर से बाहर गए थे। आस पड़ोस के लोगों ने बेटी की मौत की सूचना परिजनों को दी। पुलिस ने परिजनों के बयान दर्ज कर शव को पोस्टमॉर्टम के बाद वारिसों को सौंप दिया।

प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर लोगों को दी बधाई

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को चुनाव आयोग के प्रयासों की सराहना करते हुए राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर लोगों को बधाई दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ट्वीट कर कहा, राष्ट्रीय मतदाता दिवस की बधाई। इस वर्ष की थीम 'वोटिंग जैसा कुछ नहीं, मैं निश्चित रूप से वोट देता हूं' से प्रेरित होकर, हम सभी चुनाव में सक्रिय भागीदारी को और मजबूत करने और अपने लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए मिलकर काम कर सकते हैं। मैं इस क्षेत्र में चुनाव आयोग के प्रयासों की भी सराहना करता हूं।

एडीजीपी सतवंत अटवाल को राष्ट्रपति पुलिस पदक

इन पुलिस अफसरों को भी मिलेगा सम्मान

शिमला, 25 जनवरी (एजेंसियां)। देश की सुरक्षा में साहस का प्रदर्शन करने वाले पुलिसकर्मियों को गणतंत्र दिवस पर वीरता पुरस्कार से नवाजा जाएगा। स्टेट विजिलेंस शिमला एडीजीपी सतवंत अटवाल त्रिवेदी के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक की घोषणा की गई है। राहुल शर्मा डीएसपी जुन्गा, जितेंद्र सिंह सहायक कमांडेंट जुन्गा, इंद्र दत्त सब इंस्पेक्टर जुन्गा और सुशील कुमार हेड कांसटेबल स्टेट विजिलेंस को सराहनीय सेवाओं के लिए पुलिस पदक दिया जाएगा। डिप्टी कमांडेंट जनरल (होमगार्ड) अनुज तोमर को होमगार्ड एंड सिविल डिफेंस मेडल दिया जाएगा। स्टेशन फायर ऑफिसर नितिन धीमान और सब फायर ऑफिसर प्रेम सिंह को सराहनीय सेवाओं के लिए मेडल दिया जाएगा।

विधानसभा चुनाव में महिलाओं पर दांव खेलेगी कांग्रेस

टिकट आवंटन में 15 फीसदी हो सकती है हिस्सेदारी

बेंगलुरु, 25 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस पार्टी ने तैयारी शुरू कर दी है। पार्टी का जोर महिला केंद्रित राजनीति पर है। ऐसे में उनकी ओर से महिलाओं के लिए जोरदार घोषणाएं भी की हैं। कांग्रेस महासचिव गांधी ने यहां गृहलक्ष्मी योजना के तहत घर की महिला मुखिया के खाते में दो हजार रुपये से लेकर अलग से महिला केंद्रित बजट बनाने तक की घोषणा कर डाली है। इसके अलावा यहां 'ना नायकी' अभियान की भी शुरुआत की गई है। अब खबर है कि टिकट वितरण में भी कांग्रेस महिलाओं को प्राथमिकता देगी और कम से कम 15 फीसदी टिकटों के आवंटन महिलाओं को किया जाएगा।

अन्य महिला नेता ने बताया, महिलाओं के प्रतिनिध मंडल ने कांग्रेस अध्यक्ष से कर्नाटक के 31 जिलों में से कम से कम 35 टिकट या फिर हर जिले की कम से कम एक विधानसभा से महिला उम्मीदवार को खड़ा करने की मांग की गई है।

हर जिले में कम से कम एक टिकट महिला को

कांग्रेस नेता कविता रेड्डी का कहना है कि 'लिंग आधारित राजनीति' आवश्यक है क्योंकि महिलाओं को अपनी ताकत का पहचान करना है। उन्होंने बताया, राज्य के 224 निर्वाचन क्षेत्रों में टिकट के लिए आवेदन करने वाले 1,350 लोगों में से 120 महिलाएं हैं। रेड्डी के अनुसार, 2018 में टिकट मांगने वाली 35 महिलाएं थी। वहीं एक

200 यूनिट मुफ्त बिजली का भी कर चुकी है एलान

कांग्रेस पार्टी कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कोई भी मौका चूकना नहीं चाहती है। ऐसे में पार्टी ने यहां कई घोषणाओं के साथ 200 यूनिट मुफ्त बिजली का भी एलान कर दिया है। उधर, भाजपा ने कांग्रेस द्वारा की गई घोषणाओं पर कई तरह के आरोप भी लगाए हैं।

बीबीसी डॉक्यूमेंट्री विवाद: केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद ने कहा

भारत के जी20 अध्यक्षता संभालने के वक्त ही क्यों इसे लाया गया?

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। 2002 के गुजरात दंगे पर अधारित बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री 'इंडियाः द मोदी क्वेश्चन' को लेकर विवाद बढ़ता ही जा रहा है। केंद्र द्वारा बीबीसी डॉक्यूमेंट्री के पहले एपिसोड को तमाम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ब्लॉक किए जाने को लेकर कांग्रेस ने जहां सरकार को घेरा वहीं केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने यह सवाल पूछा है कि इस डॉक्यूमेंट्री को उस वक्त क्यों लाया गया जब भारत ने जी20 की अध्यक्षता संभाली है। गौरतलब है केरल के पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एके एंटनी के बेटे अनिल एंटनी ने बुधवार को बीबीसी डॉक्यूमेंट्री के विरोध वाले ट्वीट के बाद कांग्रेस पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। अनिल एंटनी ने दावा किया कि कांग्रेस ने उन्हें ट्वीट हटाने के लिए दबाव

बनाया, लेकिन उन्होंने ऐसा करने से इनकार करते हुए पार्टी ही छोड़ दी। मंगलवार केरल में कई जगहों पर इस डॉक्यूमेंट्री को दिखाया गया जिसपर अनिल एंटनी ने नाराजगी जाहिर की थी। बुधवार को केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा, जब भारत ने जी20 की अध्यक्षता संभाली, इस डॉक्यूमेंट्री को लाने के लिए उसी समय को क्यों चुना गया? उन्होंने आगे कहा कि ये डॉक्यूमेंट्री उस सोर्स से आ रहा है जिसने हमारी आजादी के समय कहा था कि भारत अपनी स्वतंत्रता को संरक्षित करने में अभी सक्षम नहीं है। उधर, कांग्रेस नेता शशि थरूर ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि एक (बीबीसी) डॉक्यूमेंट्री हमारे राष्ट्र की संप्रभुता को कैसे प्रभावित कर सकता है? केंद्र द्वारा डॉक्यूमेंट्री को प्रतिबंध करना अनावश्यक कार्य है। हम इसे नजरअंदाज कर सकते हैं। थरूर ने कहा, हमारी संप्रभुता और राष्ट्रीय सुरक्षा ऐसी चीज नहीं है जिसे किसी डॉक्यूमेंट्री से आसानी से प्रभावित किया जा सकता है। गुजरात दंगों पर बने बीबीसी के विवादास्पद डॉक्यूमेंट्री को मंगलवार वाम समर्थक स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) सहित विभिन्न राजनीतिक संगठनों ने पूरे केरल में दिखाया। मालूम हो कि उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के पश्चिमी राज्य के मुख्यमंत्री थे। डॉक्यूमेंट्री को दिखाए जाने के विरोध में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की युवा शाखा ने प्रदर्शन किया। भाजपा को अप्रत्याशित रूप से कई हलकों से समर्थन मिला।

कांग्रेस नेता ए .के एंटनी के बेटे अनिल ने भी इसपर नाराजगी व्यक्त की थी। पलक्कड़ में विक्टोरिया कॉलेज और एर्नाकुलम में गवर्नमेंट लॉ कॉलेज तक युवा मोर्चा द्वारा प्रदर्शन मार्च निकाला गया, जहां एसएफआई ने डॉक्यूमेंट्री के प्रदर्शन की घोषणा की थी। दोनों जगहों पर पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटाने और किसी भी प्रकार के संघर्ष को टालने के लिए हस्तक्षेप किया। इससे पहले हैदराबाद विश्वविद्यालय में भी बीबीसी डॉक्यूमेंट्री को दिखाया गया था। जिसपर एबीवीपी ने इसकी प्रशासन से शिकायत की थी।

प.बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय नेता को गोली मारी गई

मुर्शिदाबाद, 25 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में तृणमूल कांग्रेस के एक स्थानीय नेता अल्ताफ शेख को मंगलवार की शाम घर लौटते समय अज्ञात बदमाशों ने गोली मार दी और बुधवार को उनकी एक अस्पताल में मृत्यु हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतक अल्ताफ शेख नोवादापाड़ा मदरसा के हेडमास्टर थे और उनकी सुबह अस्पताल में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई। उन्हें मंगलवार रात 9.15 बजे के आसपास रानीनगर क्षेत्र में नजदीक से गोली मारी गई थी। जिले के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने फोन पर 'पीटीआई-भाषा' को बताया, "हमने एक जांच शुरू की है और अपराधियों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान चला रहे हैं।" टीएमसी के नेता और सांसद शांतनु सेन ने कहा, "हत्या में विपक्षी दलों की संलिप्तता की आशंका को खारिज नहीं किया जा सकता,

'मैंने नहीं की अनिल एंटनी से कोई बात, वह खुद बोलने में सक्षम', इस्तीफे पर आया शशि थरूर का रिएक्शन

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गुजरात दंगों को लेकर आई बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री पर मचे सियासी घमासान के बीच पूर्व केंद्रीय मंत्री एके एंटनी के बेटे अनिल के एंटनी ने इस्तीफा दे दिया है. उनके पार्टी छोड़ने के बाद अब कांग्रेस नेता शशि थरूर ने बयान जारी किया है. उनका कहना है कि उन्होंने एके एंटनी से कोई बात नहीं की है. इस बारे में मेरी उनसे कोई चर्चा नहीं हुई है लेकिन वह खुद के लिए बोलने में सक्षम हैं. थरूर ने बीबीसी डॉक्यूमेंट्री को बैन किए जाने पर भी सवाल उठाए हैं. उन्होंने पूछा कि आखिर एक डॉक्यूमेंट्री हमारे राष्ट्र की संप्रभुता को कैसे प्रभावित कर सकती है? केंद्र की तरफ से प्रतिबंध अनावश्यक है. हम एक मजबूत देश हैं, हम इसे नजरअंदाज कर सकते थे. हमारी संप्रभुता और राष्ट्रीय सुरक्षा ऐसी चीज नहीं है जिसे किसी डॉक्यूमेंट्री से आसानी से प्रभावित किया जा सकता है.

चीनी सप्लायर सिंडिकेट से मिलीभगत कर ला रहे थे कीटनाशक, 30 मीट्रिक टन पकड़ा गया

मुंबई, 25 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्व खुफिया निदेशालय यानी डीआरआई ने पिछले एक महीने में करीब 16.8 करोड़ रुपये का 30 मीट्रिक टन (एमटी) कीटनाशक पकड़ा है. डीआरआई के मुताबिक ये कीटनाशक चीनी सप्लायर सिंडिकेट से मिलीभगत कर भारतीय तस्कर चोरी-छिपे भारत में लाए हैं. आपको बता दें कि भारत में कीटनाशकों के आयात के लिए केंद्रीय कीटनाशक बोर्ड से अनुमति की आवश्यकता होती है, क्योंकि घटिया कीटनाशकों का उपयोग प्रकृति के साथ-साथ नागरिकों के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है. एजेंसी के मुताबिक, सिंडिकेट के सदस्य कीटनाशकों को गलत तरीके से एक औद्योगिक रसायन, विनाइल एसीटेट-एथिलीन कोपोलिमर के रूप में घोषित करके तस्करी कर रहे थे.

क्या खत्म हो गया कोरोना?

देश में चौथे डोज की जरूरत पर एक्सपर्ट की चौंकाने वाली सलाह

पुणे (महाराष्ट्र), 25 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) में महामारी विज्ञान एवं संक्रामक रोग के पूर्व प्रमुख डॉ. रमन गंगाखेडकर ने कहा कि कोरोना वायरस और उसके स्वरूपों के बारे में मौजूद सबूतों को देखते हुए कोविड-19 रोधी टीके की चौथी खुराक की जरूरत नहीं है. गंगाखेडकर ने मंगलवार को एक कार्यक्रम से इतर कहा कि अगर किसी व्यक्ति ने कोविड-19 रोधी टीके की तीसरी खुराक ली है, तो

इसका मतलब है कि उसकी 'टी-सेल' प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को तीन बार प्रशिक्षित किया गया है. उन्होंने कहा, 'मुख्य वायरस (कोविड-19) इतना नहीं बदला है कि एक नए टीके की आवश्यकता हो, इसलिए हमारे 'टी-सेल' प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया पर भरोसा रखें.' उन्होंने कहा, 'मौजूदा सबूतों (वायरस के स्वरूपों से जुड़े) को देखते हुए यह इतना गंभीर नहीं है कि कोविड-19 रोधी टीके की चौथी खुराक की जरूरत पड़े. ' डॉ. गंगाखेडकर के अनुसार, बुजुर्गों और पहले से किसी बीमारी से पीड़ित लोगों को मास्क पहनने जैसे एहतियाती उपाय करते रहना चाहिए.

चौथी खुराक के बारे में अभी सोचने की जरूरत नहीं

उन्होंने कहा, 'चौथी खुराक के बारे में अभी सोचने की जरूरत नहीं है क्योंकि किसी भी नए स्वरूप का नाता सार्स-सीओवी2 से नहीं होगा. यह पूरी तरह से नया स्वरूप हो सकता है और जब वह आएगा तब हम उसके बारे में सोचेंगे क्योंकि हमारी जीनोमिक निगरानी अब भी जारी है. अभी चिंता करने की जरूरत नहीं है.' डॉ. गंगाखेडकर ने पुणे इंटरनेशनल सेंटर द्वारा 'ब्रेविंग ए वायरल स्टॉर्मः इंडियाज़ कोविड-19 वैक्सीन स्टोरी' पुस्तक पर आयोजित चर्चा से इतर यह बयान दिया.

भारतीय सेना ने अत्याधुनिक ड्रोन खरीदने की प्रक्रिया शुरू की

चीन से सटी सीमाओं पर होगी तैनाती

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय सेना ने 130 अत्याधुनिक ड्रोन खरीदने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। ये ड्रोन निगरानी के साथ ही लड़ाकू भूमिका में भी सक्षम होंगे। इनकी तैनाती से सीमाओं पर भारतीय सेना और बेहतर तरीके से दुश्मन की गतिविधियों की निगरानी कर सकेगी।

सेना को मिल सकेगी अतिरिक्त जानकारी

ये खास तरह के ड्रोन आपातकालीन क्रय प्रक्रिया के तहत खरीदे जा रहे हैं। इस त्वरित गति वाली प्रक्रिया से कुछ हफ्तों में ही ड्रोन सेना को मिल जाएंगे। इन ड्रोन से उन ठिकानों में हो रही गतिविधियों की जानकारी सेना को मिल सकेगी जो दृष्टि से दूर होते हैं अर्थात सीमा पार होते हैं। इनके जरिये सेना को अतिरिक्त जानकारी मिल सकेगी जो पुष्ट खुफिया सूचना होगी।

प्रत्येक ड्रोन सिस्टम में होंगे दो एरियल वेहिकिल

बता दें कि प्रत्येक ड्रोन सिस्टम में दो एरियल वेहिकिल होंगे, उनमें विस्फोटक सामग्री भी होगी। इन ड्रोन से जो सूचनाएं भेजी जाएंगी, वे कंट्रोल रूम को मिलेंगी जहां पर उनका विश्लेषण करके आवश्यक निर्णय लिए जाएंगे।

चीनी सीमाओं पर स्थिति मजबूत कर रहा है भारत

उल्लेखनीय है कि भारतीय सेना चीन से लगने वाली 3,500 किलोमीटर लंबी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर लगातार स्थिति मजबूत करती जा रही है। ऐसा मई 2020 में चीन की सेना द्वारा पूर्वी लद्दाख में एलएसी के अतिक्रमण के बाद हुआ है। शांति और युद्धकाल में ड्रोन की बढ़ती भूमिका के चलते भारतीय सेना भी इनका इस्तेमाल बढ़ाती जा रही है।

बंगाल की खाड़ी में डूबा जहाज, 17 मछुआरों को बचाया गया

काकद्वीप, 25 जनवरी (एजेंसियां)। बंगाल की खाड़ी में मछली पकड़ने वाला जहाज डूब गया. हालांकि, घटना के दौरान चीख पुकार सुनकर 17 मछुआरों को बचा लिया गया. घटना मंगलवार को बंगाल की खाड़ी में स्थित केंडो द्वीप से करीब पांच किलोमीटर दूर हुई. काकद्वीप मछुआरा कल्याण संघ ने बुधवार को बताया कि मछली पकड़ने के बाद वापस लौटने के दौरान किसी ठोस चीज से टकराने के कारण जहाज का निचला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया. इससे एफबी केशव नारायण नामक मछली पकड़ने वाले ट्रेलर में सुरख हो गया. उस वक्त ट्रेलर में 17 मछुआरे सवार थे. डूबते ट्रेलर के मछुआरों की चीखें सुनकर पास के कुछ ट्रेलरों ने 17 मछुआरों की जान बचाई. उन सभी मछुआरों को वापस नामखाना घाट लाया

गया है. सूत्रों के मुताबिक हादसा केंडो द्वीप के पास हुआ. हादसे में किसी को चोट नहीं पहुंची है.

विवादों के बीच बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री का दूसरा एपिसोड जारी

महुआ मोइत्रा ने फिर शेयर की लिंक

मुंबई, 25 जनवरी (एजेंसियां)। बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री 'इंडियाः द मोदी क्वेश्चन' पर विवाद नहीं थम रहा है। खबर है कि इस सीरीज का दूसरा एपिसोड जारी हो चुका है और तृणमूल कांग्रेस नेता महुआ मोइत्रा ने ट्विटर पर एक बार फिर लिंक शेयर की है। खास बात है कि भारत में इस डॉक्यूमेंट्री के प्रसारण पर सरकार ने रोक लगा दी है। हैदराबाद से लेकर दिल्ली तक कई जगहों पर इसके प्रदर्शन के चलते

जमकर तनाव हुआ। बुधवार को उन्होंने ट्वीट किया, 'यह रहा एपिसोड दूसरा (बफरिंग डिलेज के साथ) जब वे इसे हटा देंगे, तो दूसरी लिंक पोस्ट करूंगी।' इससे पहले भी उन्होंने इसकी लिंक शेयर की थी। टीएमसी के एक अन्य नेता डेरेक ओ ब्रायन भी डॉक्यूमेंट्री से जुड़ी लिंक साझा कर चुके हैं। खास बात है कि विपक्षी दलों के कई नेता सरकार की तरफ से डॉक्यूमेंट्री पर रोक का जमकर विरोध कर रहे हैं। दिल्ली स्थित जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय में डॉक्यूमेंट्री स्क्रीनिंग को लेकर विवाद हो गया था। जेएनयू छात्रों ने आरोप लगाया था कि डॉक्यूमेंट्री को देखने से रोकने के लिए पथराव किया गया था। साथ ही उन्होंने आरोप लगाए कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने कथित तौर पर स्क्रीनिंग रोकने के लिए बिजली काट दी थी। जेएनयूएसयू अध्यक्ष कासिम ने एक चैनल से बातचीत में कहा कि डॉक्यूमेंट्री चलने के दौरान पथराव हुआ। उन्होंने कहा, 'जब हम जेएनयू के उत्तरी गेट की ओर जा रहे थे, तो एबीवीपी ने हमें घेर लिया और एक बार फिर पत्थरबाजी हुई। पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। हम शिकायत दर्ज कराने के लिए पुलिस के पास जाएंगे।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

युविचार

जो कर्म उचित और अवसर प्राप्त (युगानुसार) है, उसे तू हेतू रहित होकर कर।

॥ श्री गणेशाय नमः ॥ ॥ जय श्री श्याम ॥ ॥ श्री हनुमते नमः ॥

हारे का सहारा बाबा श्याम हमारा

श्याम दिवाने

मलकपेट, हैदराबाद

हारे का सहारा बाबा श्याम हमारा

भाग्यनगर में बाबा श्याम का नया धाम

पहाड़ी श्याम मन्दिर

महेन्द्रा हिल्स, सिकन्दराबाद

सहयोगी :
श्री पहाड़ी साई बाबा सेवा ट्रस्ट,
महेन्द्रा हिल्स, सिकन्दराबाद

सस्नेह निमंत्रण

21 से 26 जनवरी 2023

LIVE STREAMING
YouTube LIVE
CLICK MAGIK
FOR BOOKING : 9099999903

भव्य प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव

देखो देखो कौन घूमने आया है, पहाड़ों का मौसम, किसको नहीं भाया है।
दिवानों ने भी तो महेन्द्रा हिल्स को खूब सजाया है, खाटु देश से खाटु नरेश आया है।

मुख्य अतिथि
अनन्त श्री विभूषित परिव्राजकाचार्य पूज्य महामण्डलेश्वर
श्री योगी यतीन्द्रानन्द गिरिजी महाराज
श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा

मुख्य अतिथि
श्री टी. राजा सिंह
विधायक, गोशामहल

सम्माननीय अतिथि
श्री सी.वी. आनन्द IPS
Commissioner of Police, Hyd.

सम्माननीय अतिथि
श्री विक्रम सिंह मान IPS
Addl. Commissione r of Police, Crime

सम्माननीय अतिथि
श्री बी. बाला कृष्णजी
Commissioner, Income Tax, Hyderabad

सम्माननीय अतिथि
श्री संजीव मित्तल
श्री श्याम प्रेम मण्डल, दिल्ली

सम्माननीय अतिथि
श्री नरेन्दर कुमार गोयल
सुप्रसिद्ध उद्योगपति

सम्माननीय अतिथि
श्री गोपाल अग्रवाल
शुभलाभ हिन्दी डेली

आज गुरुवार दि. 26 जनवरी 2023

श्री श्याम बाबा की स्थापना
प्रातः 8:28 बजे

पट खुलने का समय पहला दर्शन
प्रातः 11:16 बजे

प्रथम महाआरती
प्रातः 11:21 बजे

भण्डारा प्रसादी
दोपहर 1:00 बजे से

श्री श्याम बाबा महायज्ञ पूर्णाहुति एवं आरती
सायं 4:01 बजे

मुख्य यज्ञाचार्य श्री पुरुषोत्तम शास्त्रीजी पंच दिवसीय 21 कुण्डीय श्री श्याम नाम महायज्ञ प्रातः 9:01 से 10 तथा मध्याह्न 2 से सायं 4 बजे | संत समागम सायं 6 से 7 बजे तक

छप्पन भोग थाल – 1,100/- • यज्ञ कुण्ड – 11,000/- प्रति जोड़ा • सवामणि – 21,000/- (51 कि.)

सभी भक्तगण प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के समस्त कार्यक्रमों सपरिवार सादर आमंत्रित है।

मुख्य यजमान : श्री तुषारजी अग्रवाल (सुपुत्र : श्री कमलकिशोरजी अग्रवाल) फर्म : छंगामल सत्यनारायण भालवाले

मुख्य यजमान – छंगामलजी सत्यनारायणजी भालवाले, हैदराबाद
गर्भ गृह निर्माण सेवा – देवकीनन्दनजी जाजोदिया परिवार, दोमलगुडा
ग्लास सेवा – रामकिशनजी गोविन्दलालजी अग्रवाल, दोमलगुडा
बाबा की तोरण सेवा – विवेक कुमारजी रुंगटा, दुबई
मन्दिर का मुख्य स्तम्भ सेवा – विकास कुमारजी रुंगटा, लकडी का पुल
स्टील सेवा – सुभाषचन्द्रजी विनयकुमारजी गर्ग, कोमपल्ली
मन्दिर मुख्य द्वार सेवा – झाबरमलजी बाबुलालजी डाकोतिया, अत्तापुर

स्वर्ण शिखर सेवा – श्री रौशनलालजी राजेश कुमारजी अग्रवाल, मलकपेट
लक्ष्मीनारायण मन्दिर एवं बोरिंग सेवा–नागरमलजी ओमप्रकाशजी पंच बसईवाले, मलकपेट
राधाकृष्ण मन्दिर – सत्यनारायणजी बासुदेवजी सबलका, महिन्द्रा हिल्स
मुख्य मन्दिर हॉल सेवा – श्री बंसीलालजी बसेश्वरलालजी मोतीवाले (स्व. बी. श्याम कुमार), गुलजार हौज, चारकमान
सत्संग हॉल सेवा – रमेशचन्दजी विजयकुमारजी अग्रवाल, बोइनपल्ली
सी.सी. टीवी कैमरा सेवा (32 चैनल) – भरतजी चाण्डा (नीड्स सेक्युरिटी सोल्यूशंस प्रा. लि.), हैदराबाद

जनरेटर सेवा – चाँदमलजी विजयकुमारजी गुप्ता, एम्बियंस फोर्ट, अत्तापुर
बाबा की रसोई घर सेवा – पवनकुमारजी पंकजकुमारजी सिंगला, गनरॉक इन्क्लेव, सिकन्दराबाद
रेडिमिक्स सिमेन्ट सेवा – चन्द्रभानजी वेदप्रकाशजी लक्ष्मीनारायणजी अग्रवाल जालनावाले, सिकन्दराबाद
मुख्य हॉल सीलिंग कार्विंग सेवा – श्रीकिशनजी अमर जी टिबडेवाल, बंजारा हिल्स
सिमेन्ट सेवा – चाँदमलजी सुरेन्द्रकुमारजी गुप्ता, एम्बियंस फोर्ट, अत्तापुर
वॉटर कूलर सेवा – हरिमोहनजी धनानिया, बोइनपल्ली
हुण्डी सेवा – नवीनकुमारजी अग्रवाल, कवाड़ीगुडा

निवेदक : श्याम दिवाने चैरिटेबल ट्रस्ट, महेन्द्रा हिल्स, सिकन्दराबाद

अरुण डाकोतिया	अशोक सिंघानिया	रमाकांत गोयल	प्रवीण अग्रवाल	अनिल संघी	रुपेश सिंघानिया	अक्षय डाकोतिया	विजय अग्रवाल	राहुल अग्रवाल	ब्रिजेश मोदी
9030033321	9246588443	9391034050	9297000456	9246163055	9000005101	9177609018	9246577468	9849974657	9885343323

शुभकामनाओं सहित

कमल किशोर अग्रवाल

फर्म : छंगामल सत्यनारायण भालवाले

Shiv Narayan
Group of Companies
HYDERABAD | MUMBAI | CHENNAI

व्यापारी वर्ग को सशक्त बनाना सीएम केसीआर का उद्देश्य : तलसानी

अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट आत्मगौरव भवन का भूमि पूजन सम्पन्न

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट को तेलंगाना सरकार द्वारा उप्पल में भवन निर्माण के लिए दी कई तीन एकड़ जमीन पर अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट आत्मगौरव भवन के निर्माण के लिए भूमि पूजन किया गया। सर्वप्रथम 5 ब्राह्मणों द्वारा पवित्र मंत्रोच्चार के मध्य कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंत्री टी. श्रीनिवास यादव ने उक्त भूमि की आधारशिला रखकर पूजा की। इस शुभावसर पर भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपालदास गर्ग ने अग्रोहा धाम से माटी एवं सरोवर के पवित्र जल से शीलाभिषेक कर उक्त मिट्टी को उप्पल मिट्टी में मिलाकर पवित्र किया। साथ ही मुख्य अतिथि मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव एवं सम्माननीय अतिथि गोपालदास गर्ग ने नामपट्टी (आधारशिला) का अनावरण किया। तत्पश्चात सुसज्जित मंचपर भगवान अग्रसेन जी की पूजा अर्चना की। इस शुभावसर पर अग्रवाल सहायता ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी राजेश अग्रवाल ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी का स्वागत करते हुए तत्संबंधित 3 एकड भूमि प्रदान करने पर मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के प्रति आभार व्यक्त किया। उपस्थित सभी अग्रबन्धुओं ने खडे होकर कर्तल ध्वनि से सीएम के. चंद्रशेखर राव को धन्यवाद दिया। इसके उपरांत मुख्य अतिथि टी. श्रीनिवास यादव ने अग्रबंधुओं की प्रशंसा करते हुए सीएम केसीआर की सभी जातियों के गौरव विकास नीति से अवगत कराया। उन्होंने अपने संबोधन में तेलंगाना को पूरे देश में बिजली, पानी, कानून व्यवस्था में उत्तम राज्य बताया। साथ ही उन्होंने कहा कि, राज्य सरकार हमेशा व्यापारी वर्ग के विकसित कार्यनीति पर कार्य करती है। जिसमें सभा के सम्माननीय अतिथि गोपाल शरण गर्ग ने अग्रबंधुओं को राष्ट्रीय एकता पर जोर दिया तथा तेलंगाना सीएम केसीआर की कार्यनीति की भूरि भूरि प्रशंसा कर कहा कि पूरे भारतवर्ष में तेलंगाना को उच्च स्तरीय विकसित राज्य है। सभी व्यापारी बंधुओं से कहा कि, वे तेलंगाना में निवेश कर आह्वान किया कि तेलंगाना को विकसित करें। उन्होने इस बात का आश्वासन दिया कि, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के मंच से तेलंगाना राज्य की विलक्षण सरकारी नीति से अवगत कराएंगे।

इस दौरान अग्रवाल समाज तेलंगाना की एर्रागड्डा, सनतनगर व मोतीनगर शाखा महिलाओं ने श्री गणेश वंदना की एवं महाराज श्री अग्रसेन जी की झांकी प्रस्तुत की। साथ ही अग्रवाल समाज पैराडाइज शाखा की महिलाओं ने देशभक्ति एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम संचालक श्याम सुंदर ने मंच संचालन करते हुए सभा की शोभा बढाई।

अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट के न्यासी एवं भूमि पूजा संयोजक महावीर प्रसाद अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। कार्यक्रम में प्रताप नारायण संघी, सुबोध संघी, शशिकांत अग्रवाल, अशोक बंसल, योगेश जैन, तरुण तुलस्यान, नवीन कुमार अग्रवाल, राजेंद्र जालान, मनीष अग्रवाल, पीडी गुप्ता, कमल चंद अग्रवाल, ओमप्रकाश बंसल, विजय बंसल, दुर्गा प्रसाद नरेठा, प्रमोद केडिया, सी.ए. नवीन अग्रवाल, डॉ. मोहन गुप्ता, अनिल कुमार, सुरेश कुमार दिल्लीवाले, विनोद अग्रवाल, सी.ए. उमेश अग्रवाल, एम. नरेश, राकेश जालान सहित कई संस्थाओं के पदाधिकारियों, सदस्यों एवं अग्रवाल समाज तेलंगाना शाखा के सक्रिय सदस्यगण उपस्थित हुए।

एसीडी शुल्क वापस लेने के लिए रेवंत ने सीएम केसीआर को लिखा पत्र

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी प्रमुख ए. रेवंत रेड्डी ने आज मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को एक खुला पत्र लिखा और मांग की कि वह तेलंगाना के बिजली उपभोक्ताओं पर एसीडी शुल्क लगाने के अपनी सरकार के फैसले को वापस लें।

रेवंत रेड्डी ने अपने पत्र में मुख्यमंत्री से कहा है कि उनके शासन में राज्य की जनता को एसीडी के नाम पर बिजली शुल्क, व्यवसायियों पर पुलिस लाइसेंस का बोझ, अकुशल शासन, कर्ज का बोझ और आर्थिक संकट के अलावा कुछ नहीं मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री अपनी विफलताओं के लिए बिजली उपभोक्ताओं पर एसीडी शुल्क लगा रहे हैं और कहा कि राज्य सरकार ने अतीत में उपभोक्ताओं पर विकास शुल्क, शिक्षा उपकर, हरित उपकर जैसे कई आरोप लगाए हैं। टीपीसीसी प्रमुख ने कहा कि राज्य के लोग पेट्रोल और डीजल की कीमतों और आवश्यक वस्तुओं के बोझ से पीड़ित हैं। उन्होंने कहा कि बेरोजगार युवा रोजगार की कमी और नौकरियों के नुकसान के कारण सड़कों पर थे और कहा कि लोगों पर एसीडी शुल्क लगाना राज्य सरकार की ओर से एक अक्षम्य गलती है।

केसीआर के अक्सर दोहराए जाने वाले बयान का जिक्र करते हुए कि उनकी सरकार तेलंगाना में 24 घंटे बिजली प्रदान कर रही है, उन्होंने सीएम से पूछा कि राज्य के दो डिस्कॉम 60,000 करोड़ रुपये के घाटे में क्यों हैं।

उन्होंने सीएम से पूछा कि क्या यह तथ्य नहीं है कि राज्य सरकार पर कंपनियों का 20 हजार करोड़ रुपये का बिजली बकाया है? उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम ने 1000 मेगावाट की आपूर्ति के लिए पड़ोसी छत्तीसगढ़ सरकार के साथ समझौता किया है, हालांकि विशेषज्ञों ने उन्हें चेतावनी दी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि यदाद्री बिजली संयंत्र के निर्माण में राज्य सरकार पुरानी तकनीक का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने सीएम से कहा कि 2014 में उनकी पार्टी के सत्ता में आने के बाद एक भी बिजली परियोजना चालू नहीं हुई। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सीएम खुले बाजार में अत्यधिक कीमत पर बिजली खरीद कर लोगों पर बोझ डाल रहे हैं।

माओवादी दलम सदस्य ने एसपी के सामने किया सरेंडर

मुलुगु, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रतिबंधित भाकपा माओवादी के एक सदस्य ने बुधवार को एसपी संग्राम सिंह जी पाटिल के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वाला नक्सली मड़वी भीमा उर्फ राकेश उर्फ दशरू है, जो छत्तीसगढ़ राज्य के बीजापुर जिले की उसुरु तहसील के कोमाटपल्ली गांव का मूल निवासी है। दो साल तक 'बाला मिलिशिया' में काम करने के बाद दिसंबर 2012 में वह भूमिगत हो गया। पाटिल ने कहा कि मदावी भीमा भाकपा माओवादी पार्टीकी विचारधारा से चिढ़ गई थी और उसने शांतिपूर्ण जीवन जीने के लिए आत्मसमर्पण कर दिया था और कहा कि वह प्रतिबंधित संगठन की पहली कंपनी की दूसरी पलटन में काम कर रहा था। कहा जाता है कि वह तेलंगाना सरकार की सरेंडर कम रिहैबिलिटेशन पॉलिसी से आकर्षित हुए थे। पाटिल ने कहा कि भीमा पुलिस और सुरक्षाकर्मियों के साथ कई मुठभेड़ों और पुलिस शिविरों पर हमले में शामिल था। उन्होंने महसूस किया कि वर्तमान परिस्थितियों में, सरकार की कल्याणकारी और जनहितैषी नीतियों के साथ-साथ डिजिटल क्रांति के आलोक में क्रांतिकारी आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए सशस्त्र संगठन के लिए कोई आधार नहीं है। उन्होंने यह भी महसूस किया कि माओवादी नेता अपने निहित स्वार्थों के लिए क्षेत्र के निर्दोष आदिवासियों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इन सबसे ऊपर, वह अपने क्षेत्र में हो रही विकास गतिविधियों से अवगत है और जीवन की मुख्यधारा में शामिल होना चाहता है। ओएसडी गौश आलम व एएसपी सुधीर रामनाथ केकन मौजूद रहे।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, GAMAR, R/o.10-1-486, CHINTAL BASTI, KHAIRATABAD, HYD, T.S, Changed My Name As GAMAR KHALED W/o.ABDUL RAHMAN BIN MOHAMMED.

I, ASFIA UNNISA BEGUM, R/o. 19-2-75/6, BASHARATH NAGAR, JAHANUMA, HYD, T.S, Changed My Name As ASIF UNNISA W/o. MOHAMMED AKBAR.

I, ABDUL HAQ, R/o.18-1-350/11/67, Gulshan Iqbal Cly, HYD, T.S, Changed My Name As MOHAMMED ABDUL HAQ SIDDIQUI S/o.MOHAMMED ABDUL LATEEF SIDDIQUI.

I, MOHAMMED ABDUL HAQ SIDDIQUI, R/o.18-1-350/11/67, Gulshan Iqbal Cly, HYD, T.S, Changed My Child Name From ABDUL LATEEF SIDDIQUI to MOHAMMED ABDUL LATEEF SIDDIQUI.

I, Munagala Padma, W/o. Late Madhusudan Rao, R/o. H.No.1-5-858 (Old No.5-28/2) Maruthi Nagar, Kothapet, Hyd-60. Changed My Name as Vala Madhavi.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

सिकंदराबाद स्टेशन के उन्नयन का काम जोरों पर

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के प्रमुख स्टेशन-सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के लिए उन्नयन कार्य जोरों पर चल रहा है ताकि निर्धारित समय के भीतर यानी अक्टूबर 2025 तक कार्यों को पूरा किया जा सके। मृदा जांच कार्य और स्थलाकृतिक सर्वेक्षण पूरा करने के बाद, कार्य हैं योजनाबद्ध तरीके से अगले चरण की ओर बढ़ रहा है। स्थलाकृतिक सर्वेक्षण के आधार पर स्थल अभिन्यास एवं सीमांकन योजना का कार्य प्रगति पर है। उन्नत स्टेशन भवन में नया अत्याधुनिक बुकिंग कार्यालय होगा। इसे समायोजित करने के साथ-साथ मल्टी-लेवल कार पार्किंग जो मौजूदा स्टेशन के उत्तर की ओर आने वाली है, को समायोजित करने के लिए मौजूदा बुकिंग कार्यालय को अस्थायी रूप से स्थानांतरित किया जाना है।

तदनुसार, उत्तर दिशा में मौजूदा दोपहिया पार्किंग को गेट नंबर 3 के पास वैकल्पिक स्थान (केवल उत्तर दिशा में) में स्थानांतरित कर दिया गया है। अस्थायी बुकिंग कार्यालय भी प्रगति पर है। इसी तरह पुराने रेलवे क्वार्टरों की सफाई के बाद नए आरपीएफ कार्यालय की नींव डालने के लिए खुदाई का काम चल रहा है।

लोकतंत्र में हर वोट मूल्यवान : हरिप्रिया

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिला राजस्व अधिकारी हरिप्रिया ने कहा कि लोकतंत्र में हर वोट मूल्यवान है और 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके सभी लोगों को अपना नाम दर्ज कराना चाहिए और अपने मतदान के अधिकार का प्रयोग करना चाहिए। बुधवार को समाहरणालय के सभाकक्ष में 13वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में जिला राजस्व अधिकारी हरिप्रिया की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला राजस्व अधिकारी हरिप्रिया ने संकल्प लिया कि 'हम भारत के नागरिक अपने देश की लोकतान्त्रिक परम्पराओं को लोकतंत्र में विश्वास तथा स्वतंत्र एवं निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण चुनाव के प्रभाव से कायम रखेंगे तथा हर चुनाव में बिना किसी से प्रभावित हुए निर्भय होकर मतदान करेंगे।' जिला राजस्व अधिकारी हरिप्रिया ने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा का दायित्व प्रत्येक नागरिक का है, प्रत्येक व्यक्ति जिसने 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली है वह मतदाता के रूप में पंजीयन कराकर बिना किसी प्रलोभन के नेता का चुनाव करे। उन्होंने कहा कि मतदान का अधिकार होना पहला कर्तव्य है और इसी तरह इसका इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके प्रत्येक व्यक्ति को अपना नाम दर्ज कराने और मतदान के अधिकार का प्रयोग करने के लिए शिक्षित किया जाना चाहिए। बाद में स्वीप नोडल अधिकारी प्रभाकर ने कहा कि आपका वोट आपकी आवाज और आपके भविष्य की शुरुआत है, और हर चुनाव में बिना किसी प्रलोभन के निडर होकर मतदान करने की सलाह दी। कार्यक्रम में जिला कृषि अधिकारी गीता रेड्डी, जिला अनुसूचित कल्याण अधिकारी रामाराव, जिला अनुसूचित जाति निगम अधिकारी प्रवीण कुमार, चुनाव प्रकोष्ठ के अधीक्षक पी. कृष्ण कुमार, विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी और अन्य लोगों ने भाग लिया।

बीआरएस ने किसानों पर प्रस्तावित टैक्स को वापस लेने की मांग की

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति ने मांग की कि केंद्र सरकार किसानों की आय पर कर लगाने के प्रस्ताव को छोड़ दे। बुधवार को यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, बीआरएस एमएलसी और रैतु बंधु समिति के अध्यक्ष पल्ला राजेश्वर रेड्डी ने एमएलसी कासिरेड्डी नारायण रेड्डी और येगे मल्लेशाम के साथ कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद् के अध्यक्ष बिबेक देबरॉय ने एक दैनिक समाचार पत्र में एक लेख लिखा था, सिफारिश की कि किसानों की आय पर कर एकत्र किया जाना चाहिए और तदनुसार, केंद्र कर लगाने के लिए कमर कस रहा है।

पल्ला राजेश्वर रेड्डी ने कहा कि बिबेक देबरॉय ने जो भी सिफारिश की है, उसे नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' माना जाना चाहिए।

पल्ला राजेश्वर रेड्डी ने कहा कि ऐसे बहुत कम उदाहरण थे जब भारत रियासतों के नियंत्रण में था, किसानों से कर वसूला जाता था। लेकिन, आजादी के बाद किसानों की आय पर कभी भी कर नहीं लगाया गया। अब, पहली बार, भाजपा सरकार केंद्र किसानों की आय पर कर लगाने पर विचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों की आय दोगुनी करने का वादा करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कृषि क्षेत्र का विकास करने में विफल रहे हैं।

भारतीय रेल
रेल विद्युतीकरण www.ireps.gov.in

प्रपत्र 10-01
सार्वजनिक अधिसूचना

PUB/0087

एतद्वारा निम्न विवरित खंड के पूर्ण खंड पर स्थित रेलवे लाइनों तथा परिसर के सभी उपयोगकर्ताओं को सूचना दी जाती है कि : तत्संबंधित दक्षिण मध्य रेलवे के उपरोक्त सेक्शन के 25000 वोल्ट्स, 50 एचजेड, ए.सी. ओवरहेड ट्रैक्शन वायर्स को तत्संबंधित निर्दिष्ट तिथि को या इसके बाद उर्जित(एनर्जाइज) किया जायेगा। निर्दिष्ट तिथि या उसी तिथि से ओवर हेड ट्रैक्शन लाइनस् को निरंतर लाइव या सक्रिय माना जायेगा तथा कोई भी अनधिकृत व्यक्ति उक्त ओवर हेड लाइनों के निकट न पहुंच सकेगा न कोई कार्य ही कर सकेगा।

सेक्शन	तिथि	जोन
निजामाबाद-कामारेड्डी एवं जनकमपेट-बासर सेक्शन्स	28-02-2023	दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद

प्रपत्र 10-02
एसी 25 केवी ट्रैक्शन का प्रारंभ
सडक उपयोगकर्ताओं को चेतावनी

25 केवी एसी इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन के प्रारंभ के बारे में आम जनता को अधिसूचित किया जाता है कि,तत्संबंधित दक्षिण मध्य रेलवे के उपरोक्त सेक्शन के निजामाबाद-कामारेड्डी व जनकमपेट-बासर सेक्शंस पर दक्षिण मध्य रेलवे के, सभी लेवल क्रासिंग्स पर सड़क के स्तर से 4.78 एम की स्पष्ट अधिकतम ऊंचाई के साथ हाइट गेजेस लगाए गए हैं ताकि अत्यधिक ऊंचाई के भार के संपर्क में आने या लाइव ट्रैक्शन वायर (संपर्क वायर) के खतरनाक निकटता से रोका जा सके, जो लेवल क्रासिंग्स पर रेल स्तर से न्यूनतम 5.5 एम की ऊंचाई पर हो।

आम जनता को एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि, लदान करने वाले वाहनों के प्रति ऊपर निर्दिष्ट ऊंचाई का पालन करें और इसका पूरा ध्यान रखें कि, किसी भी परिस्थिति में सड़क वाहनों में लदान किए गए भार, हाइट गेज का उल्लंघन कतई नहीं करता हो।

अत्यधिक ऊंचाई के भार के खतरे इस प्रकार हैं-

1. हाइट गेज के लिए खतरा और सड़क के साथ-साथ रेलवे लाइन के लिए रुकावट
2. मटेरियल या उपकरण जो वाहन में लदान करने पर सामग्री व तत्संबंधित वाहन को खतरा।
3. कंडक्टर्स के संपर्क में आने या खतरनाक निकटता के कारण आग का खतरा तथा जिंदगी का जोखिम ।

ए 0134 मुख्य परियोजना निदेशक, रेल विद्युतीकरण, सिकंदराबाद

|| श्रीमते रामानुजाय नमः ||

इंडिया टेम्पल हरिद्वार एवं श्री मधुसूदन सेवा आश्रम श्री अयोध्या के अध्यक्ष
श्री 1008 श्री जगद्गुरु श्याम नारायणा चार्य जी महाराज
26-01-2023 गुरुवार को भाग्यनगर हैदराबाद में पधार रहे हैं।
स्वामी जी का निवास स्थान 5-5-57/15/1, डेक्कन कॉलेज के सामने दरुसलाम, आगापुरा, गोशमाहेल श्री श्याम सुगर्स के निवास स्थान पर रहेंगे।
सभी भक्तों से निवेदन है कि स्वामीजी महाराज जी का दर्शन, कथा प्रवचन, अनेक प्रकार के विविध कार्यक्रम, तीर्थ प्रसाद, घोष्ठी का लाभ लें।
निवेदक शोभा पांडेय
प्रधान सचिव हिंदू सेवा समाज
संपर्क सूत्र: 9247157981, 9849062586, 9490192236
प्रधान यजमान श्री गोपाल बालदवा जी

सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GB GOPAL BALDAWA GROUP

अग्रसेन बैंक
दि अग्रसेन को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लि.

जिम्मेदार नागरिक
मजबूत राष्ट्र बनाते हैं
आइए,
आप और हम मिलकर
भारत को एक विकसित
लोकतांत्रिक राष्ट्र बनाएँ ।
गणतंत्र दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएँ

प्रमोद कुमार केडिया, चेयरमैन
CA नवीन कुमार अग्रवाल, वाईस चेयरमैन

DIRECTORS
विजय कुमार पित्ती, नरसिंगदास, ओमप्रकाश अग्रवाल, सुरेश कुमार अग्रवाल, गोपालचंद अग्रवाल, नारायण दत्त, मोहन अग्रवाल, प्रमोद कुमार अग्रवाल, महेश कुमार अग्रवाल, राजेश कुमार अग्रवाल, अंजू केडिया, अपूर्वा अग्रवाल
पी.वी. शर्मा Advisor, डी.वी. प्रसाद राव General Manager, सी.वी. राव Dy. General Manager

THE AGRASEN CO-OPERATIVE URBAN BANK LTD.
Head Office:
15-2-391/392/1, Siddiamber Bazar,
Hyderabad - 500012. T.S. Ph : 040-24736228 / 229
www.agrasenbank.in info@agrasenbank.in

Siddiamber Bazar : 040 2473 6228
Malakpet : 040 2455 0351
Rikab Gunj : 040 2456 3981
Secunderabad : 040 2789 0309

On the occasion of 74th Republic Day, 26th January 2023
TELANGANA BHAVSAR KSHATRIYA (RANGREZ) SAMAJ
(Regd. No. 436/2005) Affiliated to AIBKM)
TELANGANA
धन-दौलत दान में तो हर कोई देता है, जो दानवीर है वे तो रक्तदान करते है.
If not on the border, do it at your door. Give Blood, Gift Life
MEGA BLOOD DONATION CAMP
Venue : BHAVSAR BHAVAN, Bhavsar Kshatriya Vikas Samithi
Sunder Nagar, Backside of Kachiguda Rly., Stn., Kachiguda Kamela, Hyd.
In Association with
Bhavsar Kshatriya Vikas Samithi, Bhavsar Kshatriya Graduates Assn.,
Sri Raman Ambaji Rao Chutke Manav Seva Educational Trust, Seva Bharathi,
AIBKM Telangana State, AIBKM Yuva Parishad,
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GB GOPAL BALDAWA GROUP

'विधानसभा किया अपवित्र, हम गौमूत्र से धोएंगे'

डीके शिवकुमार का बोम्मई पर हमला, बोले- हमारी सरकार आई तो करेंगे शुद्ध

बेंगलुरु, 25 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (के पीसीसी) के अध्यक्ष डीके शिवकुमार द्वारा दिए गए एक बयान से बवाल मच सकता है. उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर बड़ा आरोप लगाया है. उन्होंने कहा है कि बीजेपी ने विधानसभा को अपवित्र कर दिया है. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो वह विधानसभा को गौमूत्र और डेटॉल से शुद्ध करेंगे. उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, 'आपकी सरकार के लिए केवल 40-45 दिन बचे हैं. यह आपके टेंट को पैक करने का समय है. हम विधानसभा को डेटॉल से साफ करेंगे. मेरे पास शुद्धिकरण के लिए गोमूत्र भी है. इस दुष्ट सरकार को जाना चाहिए, लोग यही चाहते हैं. बोम्मई जी, बेहतर होगा, आप सभी मंत्रियों को जल्दी से पैकअप करने के लिए कहें.'कांग्रेस नेता ने भाजपा सरकार पर ऐसे समय में हमला बोला है जब बीते दिन बीजेपी द्वारा कांग्रेस के कार्यकाल के दौरान 'टेंडरश्योर' परियोजनाओं में अनियमितता का आरोप लगाने की शिकायत दर्ज कराई गई थी. इसके एक दिन बाद से ही बीजेपी कांग्रेस के निशाने पर है. मालूम हो कि राज्य के स्वास्थ्य मंत्री के. सुधाकर ने सीएजी रिपोर्ट का हवाला देते हुए सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है. उन्होंने कहा है कि इस दौरान 35,000 करोड़ रुपये की वित्तीय अनियमितताएं हुई थीं. सुधाकर के आरोप का जवाब देते हुए शिवकुमार ने कहा कि भाजपा पिछले साढ़े तीन साल से क्या कर रही है. वे सत्ता में थे और उन्हें जांच का आदेश देना चाहिए था और इसकी जांच करवानी चाहिए थी. उन्होंने कहा कि भाजपा के पास 40 फीसदी कमीशन का 'ब्रांड' है और वह इसे छिपाना चाहते हैं. इसलिए वह बार-बार कांग्रेस पर निराधार आरोप लगाने की कोशिश में लगे हैं.

सर्राफा कारोबारी के दफ्तरों पर की फर्जी छापेमारी, सोना और लाखों रुपये ले उड़ा गिरोह, तीन गिरफ्तार

मुंबई, 25 जनवरी (एजेंसियां)। मुंबई के झवेरी बाजार में वी.बी.एल. बुलियन नाम के सोने के आभूषण बेचने का व्यवसाय करने वाले व्यापारी के कार्यालय में फर्जी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारी बनकर लूटपाट करने वाले 4 आरोपितों में से 3 को मुंबई पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इन तीनों की पहचान मोहम्मद फजल सिद्दीकी गिलीटवाला (50), मोहम्मद रजी अहमद मोहम्मद रफीक उर्फ समीर (37) और एक महिला विशाखा विश्वास मुधोल के रूप में की गई है।

आईईडी बरामदगी के मामले में तीन लोगों को हिरासत में लिया गया

राजौरी/जम्मू, 25 जनवरी (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने राजौरी जिले के खेओरा इलाके से एक आईईडी की बरामदगी के मामले में तीन लोगों को हिरासत में लिया है. सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी. सुरक्षाकर्मियों ने 18 जनवरी को इलाके में एक आईईडी बरामद कर उसे निष्क्रिय कर दिया था. सूत्रों ने बताया कि हिरासत में लिए गए तीन लोगों में से एक पुंछ जिले के मेंढर इलाके का और दो अन्य राजौरी जिले के निवासी हैं. मामले के तार पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर के आतंकवादियों से जुड़े होने की बात सामने आई है. राजौरी में एक 'टिफिन' में आईईडी बरामद होने के बाद मामला दर्ज कर इसमें शामिल लोगों की तलाश शुरू की गई थी. जांच के दौरान एजेंसियों को इसके तार सीमा पार से जुड़े होने की बात पता चली. आईईडी की आपूर्ति नियंत्रण रेखा के पार से आतंकवादियों ने की थी. उन्होंने बताया कि 18 जनवरी के बाद 22 जनवरी को भी राजौरी के पास दसाल गांव में दो और आईईडी बरामद हुए थे, जिन्हें बाद में निष्क्रिय किया गया. राजौरी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) मोहम्मद असलम ने संपर्क करने पर बताया कि आईईडी बरामदगी के मामले में तफ्तीश काफी हद तक पूरी हो चुकी है, लेकिन अभी विस्तृत जानकारी साझा नहीं की जा सकती. उन्होंने बताया कि अभी तक तीन आईईडी बरामद हुए हैं और मामले में तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है.

अमृतसर में इंसानियत शर्मसार, लिफाफे में डाल गटर में फेंका नवजात, पुलिस को मिला शव

अमृतसर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। अमृतसर में इंसानियत को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। नवजात बच्चे को लिफाफे में डाल कर गटर में फेंक दिया गया। इसके बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार अमृतसर बी ब्लॉक रेलवे कॉलोनी में तीन अज्ञात लोगों ने नवजन्मे बच्चे को लिफाफे में डाल कर गटर में फेंक दिया। इलाके के लोगों ने बताया कि दो महिलाएं और एक पुरुष द्वारा बच्चे को गटर में फेंका गया है। मौके पर जब एक महिला ने उन अज्ञात लोगों से पूछा कि आप इधर क्या कर रहे हो तो उन्होंने बताया कि वह गटर में कूड़ा फेंक कर आए हैं। महिला को शक हुआ तो उसने जाकर देखा। गटर में एक नवजात बच्चे का शव पड़ा था।

संदीप सिंह सेक्सुअल हैरेसमेंट केस

महिला कोच को राहत; जबरन घर खाली नहीं करा पाएगा मकान मालिक, कोर्ट ने लगाई रोक

चंडीगढ़, 25 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा के मंत्री संदीप सिंह सेक्सुअल हैरेसमेंट केस में आरोप लगाने वाली जूनियर महिला कोच को बड़ी राहत मिली है। अब कोच से जबरन मकान मालिक घर खाली नहीं करा पाएगा। पंचकूला जिला अदालत ने रोक लगा दी है। अदालत ने अपने आदेश में कहा है कि प्रथम दृष्टया मामला वादी के पक्ष में है, इसलिए प्रतिवादी को संपत्ति से बेदखल करने से रोका जाता है। अदालत ने प्रतिवादियों की ओर से लिखित बयान दर्ज करने और स्थगन आवेदन का जवाब देने के लिए मामले को 15 मार्च तक के लिए स्थगित कर दिया है। कोर्ट ने यह भी कहा है कि इस आदेश को समाप्त करने से पहले, यह स्पष्ट किया जाता है कि इस आदेश का मामले के गुण-दोष पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। पीड़ित जूनियर महिला कोच ने आरोप लगाया था कि पूर्व खेल मंत्री संदीप सिंह के दबाव में मकान मालिक उसे घर खाली करने के लिए मजबूर कर रहा था। कोच ने बताया कि हाल ही में एक पूर्व हॉकी खिलाड़ी कुछ पुलिसकर्मियों को लेकर मकान मालिक के घर आया था। जिसके बाद से लगातार वह उस पर मकान खाली करने को लेकर दबाव बना रहा था। कोच के वकील दीपांशु बंसल ने बताया कि वादी मकान मालिक (प्रतिवादी) की किराएदार है। प्रतिवादी अवैध रूप से और जबरदस्ती वादी को सूट की संपत्ति से बेदखल करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने बताया जबकि महिला कोच पिछले साल दिसंबर तक नियमित रूप से किराया भी दे रही है।

हत्या के प्रयास मामले में लक्षद्वीप के पूर्व सांसद को केरल एचसी से मिली राहत, सजा को किया निलंबित

कोच्चि, 25 जनवरी (एजेंसियां)। लक्षद्वीप के पूर्व सांसद मोहम्मद फैजल को राहत देते हुए केरल उच्च न्यायालय ने हत्या के प्रयास के मामले में उन्हें दोषी करार दिये जाने और 10 साल कैद की सजा के फैसले को बुधवार को निलंबित कर दिया। अदालत ने मामले में फैजल के भाई समेत तीन अन्य दोषियों को भी यह राहत प्रदान की। उच्च न्यायालय का विस्तृत आदेश अभी उपलब्ध नहीं है। लक्षद्वीप प्रशासन की ओर से पक्ष रख रहे भारत के उप सॉलिसिटर जनरल (डीएसजीआई) मनु एस ने उच्च न्यायालय के आदेश की पुष्टि की। यह आदेश लक्षद्वीप की सत्र अदालत द्वारा सुनाई गयी सजा के खिलाफ फैजल और तीन अन्य की संयुक्त याचिका पर आया है।

दोषियों को सुनाई गयी सजा को किया गया निलंबित

केंद्रशासित प्रदेश लक्षद्वीप ने दोषियों को सुनाई गयी सजा को निलंबित करने का विरोध करते हुए कहा कि उन्हें राहत देने से न्यायिक प्रक्रिया में जनता का विश्वास डिगेगा। उसने यह भी कहा कि फैजल और उनके भाई ने जो अपराध किया है, उसने इस द्वीपीय क्षेत्र के समाज को स्तब्ध कर दिया है जहां बहुत कम अपराध होते हैं। फैजल के भाई एक सरकारी स्कूल में शिक्षक थे।

इनकी रिहाई से समाज में जाएगा गलत संदेश- प्रशासन

लक्षद्वीप प्रशासन ने कहा था कि इनकी रिहाई से समाज में गलत संदेश जाएगा। मामले में 37 आरोपी थे। इनमें से दो की मौत हो गयी और उनके खिलाफ मुकदमा बंद कर दिया गया था। बाकी 35 आरोपियों में से पूर्व सांसद और उनके भाई समेत चार लोगों को दोषी करार दिया गया तथा 10 साल के कारावास की सजा सुनाई गयी, वहीं बाकी को बरी कर दिया गया।

सिसोदिया बोले- जयवर्धन कोई तोप नहीं

पार्टी कहेगी तो राघौगढ़ से चुनाव लड़ूंगा, जयवर्धन बोले- स्वागत है

भोपाल, 25 जनवरी (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के पंचायत मंत्री महेंद्र सिंह सिसोदिया ने नेता प्रतिपक्ष से मिली राघौगढ़ से चुनाव लड़ने की चुनौती को स्वीकार कर लिया है। सिसोदिया ने चैलेंज स्वीकार करते हुए कहा कि अगर पार्टी मुझे राघौगढ़ से टिकट देगी तो मैं वहीं से चुनाव लड़ूंगा। जयवर्धन कोई तोप थोड़ी ना हैं। मंत्री सिसोदिया ने आगे कहा जिस नगर पालिका में एक-दो सीटें आती थी वहां भारतीय जनता पार्टी की आज 8 सीटें आईं हैं। वोटिंग पर्सेंटेज आपको चेक करना चाहिए। आप पाएंगे कि कांग्रेस से ज़्यादा वोट बीजेपी को मिले हैं। अचंभित होने की बात नहीं है। धीरे-धीरे जयवर्धन सिंह की पूरी जमीन खिसक रही है, उनको सोचना चाहिए। सिसोदिया की चुनौती स्वीकारते हुए जयवर्धन सिंह ने कहा, अगर भाजपा उन्हें (सिसोदिया) निपटाना चाहती है, तो आ जाएं राघौगढ़, उनका स्वागत है।

सिसोदिया ने कहा था- कांग्रेसियों मामा का बुलडोजर तैयार है

दरअसल दो दिन पहले ही मध्यप्रदेश की 19 नगरीय निकायों के चुनाव परिणाम आए हैं। इनमें सबसे ज्यादा चर्चित चुनाव पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह के गढ़ राघौगढ़ का रहा। यहां एकबार फिर कांग्रेस ने नगर पालिका में बहुमत हासिल कर लिया। वो भी तब जब बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष से लेकर राज्य सरकार के मंत्रियों ने यहां पूरी ताकत झोंक दी थी।

प्रचार के दौरान पंचायत मंत्री महेन्द्र सिंह सिसोदिया ने राघौगढ़ के कांग्रेसियों को बीजेपी में आने का न्यौता देते हुए कहा था- जितने भी कांग्रेसी हैं, बीजेपी में सरक आओ, नहीं तो 2023 में बीजेपी की सरकार बन रही है। मामा का बुलडोजर तैयार है। मंत्री के इस बयान पर नेता प्रतिपक्ष डॉ गोविन्द सिंह ने राघौगढ़ से चुनाव लड़ने की चुनौती दी थी।

'मुंबई एयरपोर्ट पर नमाज की जगह है तो हिंदुओं के लिए मंदिर...'

अंजनेरी नासिक के पीठाधीश्वर ने सीएम एकनाथ शिंदे को लिखा पत्र

अंजनेरी, 25 जनवरी (एजेंसियां)। नासिक के पीठाधीश्वर अनिकेत शास्त्री देशपांडे ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को पत्र लिखा है. पत्र में उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे परिसर में मंदिर बनाने की मांग की है. अनिकेत शास्त्री देशपांडे का कहना है कि एयरपोर्ट परिसर में हिंदुओं की प्रार्थना के लिए भी जगह होनी चाहिए. उन्होंने पत्र में कहा कि जब छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मुस्लिम समाज के लोगों के लिए नमाज अदा करने के लिए प्रेयर रूम बनाया जा सकता है, तो फिर हिन्दू धर्म के लोगों के लिए भी एयरपोर्ट पर पूजा अर्चना करने की व्यवस्था सरकार करवानी चाहिए. अनिकेत शास्त्री ने ईसाइयों के लिए चर्च बनाने की भी मांग की है.

धीरेंद्र शास्त्री के समर्थन में अनिकेत शास्त्री

अभी एक दिन पहले ही अनिकेत शास्त्री देशपांडे ने बागेश्वर धाम सरकार के धीरेंद्र शास्त्री के समर्थन में भी बयान दिया था. धीरेंद्र शास्त्री का समर्थन करते हुए अनिकेत शास्त्री देशपांडे ने मुस्लिम पादरी को इलाज कर लोगों की बीमारी ठीक करने की चुनौती दी है.

'51 लाख रुपये का इनाम देंगे'

अनिकेत शास्त्री देशपांडे ने कहा कि गैर हिंदू धर्म का कोई शख्स अगर ऐसा चमत्कार सिद्ध कर दे तो उसे महर्षि आध्यात्मिक प्रतिष्ठान और सर्व संत समाज की तरफ से 51 लाख रुपये का इनाम दिया जाएगा. बता दें कि धीरेंद्र शास्त्री पर अंधविश्वास फैलाने का आरोप लगा है. नागपुर की अंध श्रद्धा उन्मूलन समिति ने धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ पुलिस केस भी किया हुआ है.

कश्मीर में राहुल का अब तक का सबसे बड़ा सियासी निशाना!

क्या कांग्रेस में वापस आएंगे नाराज नेता?

जम्मू, 25 जनवरी (एजेंसियां)। राहुल गांधी की सात सितंबर से शुरू हुई भारत जोड़ो यात्रा में अब तक सियासत के लिहाज से बहुत कुछ सहेजा और जोड़ा गया। लेकिन जिस तरीके से राहुल गांधी ने कश्मीर में गुलाम नबी आजाद से माफी मांगी, उससे सियासी गलियारों में चर्चाएं हैं कि क्या राहुल गांधी का यह निशाना सटीक लगा है। हालांकि राहुल के गुलाम नबी आजाद से माफी मांगने के बाद आजाद और कांग्रेस के बीच में बनी बड़ी खाई कम होगी या नहीं यह तो बाद की बात है। लेकिन राहुल गांधी ने ऐसा करके उन सभी नाराज नेताओं को एक सॉफ्ट मैसेज तो दे ही दिया है जो कि राहुल गांधी को किसी न किसी बहाने निशाने पर लेते रहते थे। फिलहाल सियासी जानकार राहुल गांधी की माफी को सटीक सियासी निशाना मान रहे हैं। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा जब कश्मीर में पहुंची, तो चर्चा इसी बात की सबसे ज्यादा हो रही थी क्या गुलाब नबी आजाद भी राहुल गांधी की इस यात्रा से जुड़ेंगे या नहीं। हालांकि सीधे तौर पर गुलाम नबी आजाद राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से कश्मीर में नहीं जुड़े, लेकिन कांग्रेस नेताओं का कहना है उनकी पार्टी से जुड़े तमाम नेता उनके मंच पर कश्मीर में पहुंचे। कश्मीर में गुलाम नबी आजाद का नाम और चेहरा बड़ा महत्वपूर्ण हो जाता है। ऐसे में राहुल गांधी का गुलाम नबी आजाद से माफी मांगना भी सियासी हलकों में बड़ा संदेश देता है। राजनैतिक विश्लेषकों का मानना है कि जिस तरीके से राहुल गांधी ने गुलाम नबी आजाद से माफी मांगी है, वह जम्मू-कश्मीर के विधानसभा चुनावों से लेकर लोकसभा के चुनावों तक बड़ा असर कर सकती है। राजनीतिक विश्लेषक जटाशंकर सिंह कहते हैं कि राहुल गांधी का माफी मांगना सियासत का वह सही निशाना है, जो राजनीतिक लिहाज से न सिर्फ महत्वपूर्ण है, बल्कि उन सभी नेताओं के लिए एक बड़ा संदेश है जो राहुल गांधी को गाहे-बगाहे निशाने पर लेते रहते थे।

एंटी सीएए दिल्ली दंगा-2020

हाईकोर्ट में 2 फरवरी को होगी सुनवाई, नेताओं पर हेट स्पीच को लेकर एफआईआर दर्ज करने की मांग

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने 2020 के उत्तर पूर्वी दिल्ली दंगों से संबंधित याचिकाओं पर दो फरवरी को सुनवाई के लिए लिस्टेड किया है। इसमें कुछ राजनीतिक नेताओं के कथित घृणास्पद भाषणों से संबंधित मामले भी शामिल हैं। मंगलवार को हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार से जवाब मांगा है कि क्या विचाराधीन स्पीच कोर्ट के समक्ष कार्यवाही का विषय हैं?

ये है दिल्ली दंगों से जुड़ा पूरा मामला

शेख मुजतबा फारूक की याचिका पर सुनवाई कर रही अदालत ने केंद्र से जवाब मांगते हुए टिप्पणी की, अगर ये नफरत भरे भाषण हाईकोर्ट के समक्ष सुनवाई के लिए एक विषय हैं, तो हम क्या करने जा रहे हैं? कृपया हमें अगले सप्ताह बताएं। इन मुद्दों को एक साथ नहीं उठाया जा सकता है। इसमें भाजपा के कुछ नेताओं के खिलाफ कथित रूप से नफरत फैलाने वाले भाषण देने पर एफआईआर दर्ज करने को कहा गया है। केंद्र सरकार के वकील ने कहा कि नफरत फैलाने वाले भाषणों से जुड़ी कई याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं और अगले महीने सुनवाई के लिए आ रही हैं। अदालत ने तब दंगों से संबंधित कुछ अन्य याचिकाओं के साथ फारूक की याचिका पर सुनवाई टाल दी और केंद्र के वकील को अपने प्रश्न पर निर्देश प्राप्त करने के लिए समय दिया। सुनवाई करते हुए जस्टिस सिद्धार्थ मृदुल और तलवंत सिंह की बेंच ने कहा, आइए जानें कि सुप्रीम कोर्ट में क्या लंबित है। सीनियर एडवोकेट कॉलिन गोंजाल्विस ने फारूक की ओर से हाईकोर्ट में बात रखी।

'चीन का हमारी जमीन पर कब्जा, फिर भी उससे खरीद रहे सामान'

केजरीवाल का केंद्र पर निशाना, बोले- कड़ा जवाब कब

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। चीन को आड़ बनाते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने एक बार फिर से केंद्र सरकार पर निशाना साधा है. उन्होंने कहा कि हमारी सीमाओं पर चीन पिछले कुछ सालों से आगे दिख रहा है. चीन ने हमारी जमीन पर कब्जा कर लिया है. हमारे सैनिक बहादुर हैं और हमारा भी फर्ज बनता है कि चीन को कड़ा जवाब दिया जाए लेकिन पिछले कुछ सालों से हमने क्या किया है? केजरीवाल ने केंद्र पर निशाना साधते हुए कहा कि हम चीन से अपना व्यापार बढ़ाते जा रहे हैं. चीन को और अमीर बना रहे हैं. चीन हमारे ही पैसों से हथियार खरीद रही है और हमारे ऊपर हमला कर रहा है. हम वो चीजे खरीद रहे हैं जो भारत में भी आसानी से बन सकती है. हम अपने देश के बच्चों का रोजगार चीन को दे रहे हैं.

'चीन के साथ बढ़ाया 50 प्रतिशत व्यापार'

12 लाख लोग पिछले पांच साल में भारत छोड़कर चले गए. हमारे देश के लोगों को बाहर भेजने के लिए मजबूर किया जा रहा है. आज जब हम 74वां गणतंत्र दिवस मना रहे हैं उसमें दो बातें बहुत जरूरी है. हमारी सीमाओं के ऊपर चीन कुछ सालों से आंखें दिखा रहा है. आज भी अखबार में छपा है कि चीन ने हमारे देश का कुछ हिस्सा कब्जा लिया है. हमारे सैनिक पूरी बहादुरी से मुकाबला कर रहे हैं. दूसरी तरफ सभी सरकारों का फर्ज बनता है कि हम उन सैनिकों का साथ दें. हमारा फर्ज बनता है कि हम चीन का बहिष्कार करें उसके साथ व्यापार बंद करें लेकिन भारत सरकार ने 50 प्रतिशत व्यापार बढ़ा दिया है.

'दिल्ली में मंहगाई दर सबसे कम'

केजरीवाल ने कहा कि जो स्थिति है उसे देखकर लगता है कि हमारे जनतंत्र के ऊपर काला साया पड़ता जा रहा है. जनतंत्र का पालन नहीं किया जा रहा है. एक रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली में मंहगाई दर सबसे कम है. सबसे सस्ती चीजें दिल्ली में है. बिजली-पानी मुफ़्त है. शानदार सरकारी स्कूल हैं और स्कूल में शिक्षा मुफ़्त है. अस्पताल में इलाज मुफ़्त है. राशन मुफ़्त है. तीर्थयात्रा और बसों में महिलाओं का सफर मुफ़्त है. इसलिये दिल्ली में मंहगाई दर सबसे कम है.

हरियाणा में गन्ने का 10 रुपए रेट बढ़ा

सीएम मनोहर लाल ने की घोषणा; किसान मांग रहे 450 रुपए प्रति क्विंटल

चंडीगढ़, 25 जनवरी (एजेंसियां)। हरियाणा में गन्ने का रेट सरकार ने बढ़ा दिया है। सरकार ने 10 रुपए प्रति क्विंटल वृद्धि की है। राज्य स्तरीय कमेटी की रिपोर्ट के प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री ने यह बढ़ोतरी की है। सीएम मनोहर लाल ने कहा कि पिछले वर्ष हमारा गन्ने का रेट 362 था। अब 10 रुपए बढ़ोतरी के साथ इस वर्ष का गन्ने का रेट 372 रुपए रहेगा। अगले साल भी सरकार गन्ने का रेट बढ़ाएगी। सीएम ने बताया कि सरकार शुगर मिलों को अपग्रेड कर रही है। करनाल, पानीपत मिल की सरकार ने क्षमता बढ़ाई है। हम कोशिश करेंगे कि चीनी की रिकवरी भी बढ़े। शाहबाद, यमुनानगर में हमने एथेनाल प्लांट, नारायणगढ़ में पावर प्लांट लगाकर मिलों को अपग्रेड कर चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गन्ना किसानों से अपील है कि वह अपना गन्ना लेकर मिलों में जाएं ताकि कल से विधिवत मिलों को शुरू किया जा सके। सरसों की फसल में सर्दी की वजह से नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई के लिए 5 तारीख से रेगुलर गिरदावरी शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि पटवारियों का पे स्केल एक ग्रेड अपग्रेड कर 32100 किया गया है। बता दें कि गन्ने के भाव को तय करने के लिए स्टेट लेवल कमेटी बनाई गई थी। कमेटी में कृषि मंत्री जेपी दलाल के साथ अतिरिक्त मुख्य सचिव सुमिता मिश्रा भी शामिल थी। उन्होंने रिपोर्ट सीएम को सौंपी, जिसके बाद उन्होंने रेट बढ़ाने की घोषणा की। कमेटी में अधिकांश शामिल सदस्यों ने गन्ने का मूल्य बढ़ाकर पंजाब से अधिक करने का प्रस्ताव दिया था।

कर्नाटक सरकार ने कहा- कांग्रेस का आतंकवाद से संबंध रखने का रहा है इतिहास

बेंगलुरु, 25 जनवरी (एजेंसियां)। कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को आरोप लगाए है कि कांग्रेस का आतंकवाद से रिश्ता रखने का इतिहास रहा है। विपक्ष के नेता सिद्दारमैया ने हाल में दावा किया कि कांग्रेस आतंकवाद के सभी रूपों का विरोध करती है। इस पर सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बीजेपी की ओर से यह प्रतिक्रिया आई है।

भाजपा ने आतंकवाद को लेकर क्या कहा जानें?

बीजेपी ने सवाल किया, सिद्दारमैया का दावा है कि पूर्व दिवंगत प्रधानमंत्रियों इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने आतंकवाद से लड़ने के लिए अपने जीवन का बलिदान दिया। हालांकि, आतंकवाद किसने शुरू किया और इसका उद्देश्य क्या था? बीजेपी ने कहा कि इंदिरा गांधी ने राजनीति के लिए भिंडरावाले (जरनैल सिंह भिंडरावाले) का इस्तेमाल किया।

खालिस्तान मुद्दे को लेकर कांग्रेस को लिया आड़े हाथों

यह दुर्भाग्यपूर्ण था कि उन्हें अपने द्वारा तैयार किए गए खालिस्तान विद्रोही को समाप्त करने के लिए अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में सेना भेजनी पड़ी। कांग्रेस भूल गई है कि भद्दी राजनीति से भद्दे हालात पैदा होंगे। बीजेपी ने कांग्रेस से सवाल किया कि सिख समुदाय ने इंदिरा गांधी का विरोध किया, इसलिए कि पहले भिंडरावाले को आगे बढ़ने दिया गया और फिर उसे खत्म कर दिया गया। इसकी कीमत इंदिरा गांधी को अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। लेकिन, इंदिरा गांधी की हत्या के बाद सिखों के नरसंहार के लिए कौन जिम्मेदार है?

कांग्रेस के ऊपर लिट्टे का समर्थन करने के क्या लगाए आरोप?

उन्होंने आरोप लगाया, हमारे एक और प्रधानमंत्री लिट्टे द्वारा मारे गए। हालांकि, जब तथ्यों को सत्यापित किया जाता है कि लिट्टे का समर्थन किसने किया, तो उंगलियां कांग्रेस पार्टी की ओर ही उठेंगी। किसने लिट्टे के प्रभाकरन का समर्थन किया और बढ़ने में मदद की? कांग्रेस को यह सब समझना चाहिए। बीजेपी ने कहा, विद्रोही समूहों को मजबूत करके इंदिरा गांधी पड़ोसी देशों पर नियंत्रण करना चाहती थीं। यह उनकी गणना थी कि यदि लिट्टे श्रीलंका में मजबूत है, तो इससे देश को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। लिट्टे के सदस्यों को भारत के क्षेत्र के अंदर बुलाया गया और उन्हें प्रशिक्षित किया गया।

इतिहास को लेकर क्या कहा

भगवा पार्टी ने कहा, जब भी श्रीलंकाई सेना ने लिट्टे पर हमला किया, तो हथियारों की आपूर्ति की गई और भारत से कैडर को चिकित्सा उपचार दिया गया। कांग्रेस को सारी जानकारी दी गई। सिद्दारमैया, जिस कांग्रेस पार्टी में आप हैं, उसका आतंकवाद के साथ सांठगांठ है। पार्टी ने आगे कहा, कांग्रेस का आतंकवाद से सांठगांठ करने का इतिहास रहा है, जैसे एक जहरीले सांप के साथ शतरंज खेलना। दुर्भाग्य से इसके बाद राजीव गांधी की हत्या कर दी गई। भाजपा ने कहा, सिद्दारमैया, जब यह हुआ, तब आप कांग्रेस पार्टी में नहीं थे। डी.के. शिवकुमार (कर्नाटक राज्य कांग्रेस अध्यक्ष) ने आपको इन सभी घटनाक्रमों के बारे में सूचित नहीं किया होगा। इसलिए हम आपको यह सब बता रहे हैं।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 26 जनवरी, 2023

जमीन का भूखा चीन

देखा जाए तो कोई भी देश अपनी आर्थिक और भू-राजनीतिक स्थिति को मजबूत करने के लिए दिन रात काम करता रहता है। वह अपने दायरे में रह कर किसी नीतिगत कार्यक्रम पर यदि काम करता है तो किसी अन्य देश को एतराज नहीं होना चाहिए। लेकिन अपना पडोसी देश चीन लगता है जमीन का भूखा है। इसके लिए वह भी दिन रात अपनी विस्तारवादी नीति पर काम करने को उतारू है। इसके बाद भी दुनिया के उचित मंचों से वह सफाई देता फिरता है कि उसकी नीतियां केवल अपने देश की सीमा तक ही सीमित रहती हैं। चीन की कहना है कि वह खुद को मजबूत करने के लिए अपने सीमाक्षेत्र में नई नीतियों पर काम कर रहा है। इसके बाद भी यह पूरी दुनिया के सामने है कि वह किस तरह से अपने मकसद के लिए अघोषित रूप से विस्तारवादी रणनीति पर तेजी से काम कर रहा है। उसकी यही नीतियां भारत के लिए विशेष चिंता का कारण बनता जा रहा है। आज विश्व आधुनिक दौर से गुजर रहा है, जहां देशों की सीमा से लेकर आर्थिक या राजनीतिक स्तर पर खड़े होने वाले किसी भी विवाद के संदर्भ में बातचीत या संवाद के जरिए समाधान निकालने पर जोर दिया जाने लगा है।वहीं इसके ठीक विपरीत चीन खुद से संबंधित किसी मसले पर अपनी सुविधा के मुताबिक कदम बढ़ा रहा है। इसके लिए वह अपने किसी भी पड़ोसी देश की सीमाओं का जबर्दस्ती अतिक्रमण तक करने से नहीं चूकता। इस मामले में चीन ने जिस तरह से भारत के साथ बेरुखी दिखाई है उसके कडवे अनुभव किसी से छिपे नहीं हैं। देखा जाए तो चीन अपने किसी विचित्र अहं का शिकार हो गया लगता है। इसी वजह से चीन पड़ोसी देशों की संप्रभुता का भी ध्यान रखने की जरूरत नहीं समझता। आए दिन उसके सैनिक पडोसी देशों की सीमा घेरने के लिए अलग-अलग स्तर पर कुचक्र रचते रहते हैं। भारत उसके लिए शुरू से उसने केंद्रीय निशाने पर रहा है। वह समय-समय पर अपनी साजिश के जरिए भारत की सीमा में नाहक दखलंदाजी करने का मौका तलाशता रहता है। आए दिन उसकी ऐसी हरकतें सामने आने से अब भारत ने भी उसी की भाषा में जवाब देना शुरू कर दिया है। सोमवार को दिल्ली में पुलिस महानिदेशकों और महानिरीक्षकों के अखिल भारतीय सम्मेलन के दौरान प्रस्तुत एक दस्तावेज में यह खुलासा हुआ कि चीन दक्षिण-पूर्व और दक्षिण एशिया में विकास कार्यों के लिए ऋण के नाम पर भारी मात्रा में धन मुहैया करा रहा है।इसके जरिए वह हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के प्रभाव को कम या सीमित करने का कुचक्र रच रहा है। देखा जाए तो किसी देश को उसकी जरूरत के मुताबिक मदद देना एक सामान्य प्रक्रिया हो सकती है। लेकिन अगर चीन आर्थिक सहायता के दम पर भारत के पड़ोसी देशों को उसके खिलाफ भड़काने के एजेंडे पर काम करे तो यह हर तरह से गलत और चिंताजनक है। हालांकि चीन की यह फितरत भी पुरानी हो चली है। इसलिए अब उसकी हरकतें भी कुंद होने लगी है, जिसकी वजह से अब उसकी हरकतें हैरान नहीं करतीं। हालाकि भारत उसके इस तथ्य से अच्छी तरह वाकिफ है कि वह पिछले दो-ढाई दशक के दौरान आर्थिक और सैन्य मामलों में जबर्दस्त मजबूती हासिल की है। लेकिन अपनी इस ताकत का इस्तेमाल वह रचनात्मक कामों में लगाने के बजाय अपनी विस्तारवाद भूख को मिटाने में कर रहा है। यही वजह है कि पिछले कुछ सालों से वह भारत के पड़ोसी देशों में अपनी गतिविधियां पहले के मुकाबले तेजी से बढ़ा रहा है। इसी क्रम में चीन 'बेल्ट ऐंड रोड इनिशिएटिव', चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा, भारत के पड़ोसी देशों में आसान शर्तों पर ऋण, सीमा पर अवांछित गतिविधियों के माध्यम से अपने प्रभाव को मजबूत करने की कोशिश में दिन रात जुटा है। पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश, म्यांमार और श्रीलंका में अगर चीन दोनों हाथों से ऋण या भारी मात्रा में धन का निवेश कर रहा रहा है, तो इसका मकसद समझना मुश्किल नहीं है। दरअसल, अपनी इन हरकतों की वजह से वह भारत के प्रभाव को कम करके एशिया में मनमानी करने और अनैतिक लक्ष्य प्राप्त करने में हर भारत रूपी अड़चन को हटाना चाहता है। अच्छी बात यह है कि समय रहते चीन की मंशा पर भारत की नजर पड गई, जिसकी वजह से वह अपने सीमा क्षेत्र से लेकर बाकी सभी स्तरों पर कूटनीतिक पहलकदमियों के जरिए चीन की मुश्कें बांध कर रखना चाहता है।

लाल चौक में तिरंगा क्यों नहीं फहराएंगे राहुल गांधी?

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी का भाषण चल रहा था, 'ये जो तिरंगा है न, ये श्रीनगर में जाके हम इसको लहराएंगे। कोई नहीं रोक पाएगा। कोई तूफान, कोई आंधी, कुछ नहीं रोक पाएगा। ये झंडा, ये तिरंगा वहां पे जाकर लहराएगा...' राहुल गांधी ने लाल चौक का नाम नहीं लिया था, लेकिन जनवरी 2023 की शुरुआत में पंजाब कांग्रेस के नेता रवनीत सिंह बिट्टू ने दावा किया कि 30 जनवरी को राहुल गांधी लाल चौक पर तिरंगा फहराएंगे।

राहुल गांधी की लाल चौक से दूरी बनाने पर भाजपा भी सवाल खड़े कर रही है। आज जानेंगे श्रीनगर के लौल चौक की कहानी। क्या यहां झंडा फहराना सिर्फ आरएसएस का एजेंडा है? 'भारत जोड़ो यात्रा' के समापन पर राहुल गांधी पार्टी दफ्तर पर तिरंगा फहराएंगे, लेकिन उससे महज 1 किमी दूर लाल चौक पर क्यों नहीं...?

लाल चौक का नाम नेशनल कॉन्फ्रेंस के लड़ाकों ने मॉस्को के रेड स्क्वायर के नाम पर रखा था, क्योंकि वे भी पाकिस्तानी आक्रमण से लड़ रहे थे। कहा जाता है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस पर कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया के मेंबर बीपीएल बेदी और उनकी पत्नी फ्रीडा का काफी प्रभाव था। बीपीएल बेदी ने ही नेशनल कॉन्फ्रेंस के लिए पहला घोषणा पत्र 'नया कश्मीर' लिखा था। यह सोवियत यूनियन से प्रभावित था। बता दें कि बीपीएल बेदी अभिनेता और डायरेक्टर कबीर बेदी के पिता थे। 'द राइज एंड फॉल ऑफ न्यू कश्मीर' के लेखक एंड्रयू व्हाइटहेड अपनी किताब में 8 नवंबर 1947 को छपी टाइम्स ऑफ इंडिया की खबर के हवाले से लिखते हैं कि 'नेशनल कॉन्फ्रेंस का लाल झंडा शहर की हर पब्लिक बिल्डिंग में लगा हुआ है। शहर के मध्य मुख्य चौक में जिसका नाम बदलकर रेड स्क्वायर यानी लाल चौक कर दिया गया है, एक विशाल लाल झंडा फहरा रहा है। इसके नीचे मजदूर और आम लोग बैठकर पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध की ताजा खबर सुन रहे हैं और सियासी गपशप में मशगूल हैं। 1980 में बजाज इलेक्ट्रिकल्स ने चौक पर एक क्लॉक टॉवर का निर्माण कराया। इसके बाद यह चौक राजनीतिक गतिविधियों का केंद्र बन गया है। देखा जाए तो लाल चौक पर तिरंगा फहराना देशभक्ति के साहसिक कार्य के रूप में देखा जाता रहा है। हालांकि, 2019 में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद से यहां पर अब तिरंगा लगातार फहरा रहा है। अक्टूबर 1947 की बात है। पाकिस्तानी सेना आदिवासियों के वेश में जम्मू-कश्मीर पर कब्जे के लिए घुसपैठ कर देती है। इससे तत्कालीन राजा हरि सिंह घबरा जाते हैं और जम्मू-कश्मीर के भारत में विलय वाले घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करते हैं। इसके बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता शेख अब्दुल्ला को राज्य की अंतरिम सरकार का प्रमुख बनाया जाता है। जम्मू-कश्मीर के राजा हरि सिंह ने राजशाही के खिलाफ कश्मीर छोड़ो आंदोलन चलाने पर मई 1946 में शेख अब्दुल्ला को जेल में डाल दिया था। अंतरिम सरकार का प्रमुख बनाने की घोषणा होने के बाद शेख अब्दुल्ला को रिहा कर दिया गया। इसके बाद भारतीय सेना जम्मू-कश्मीर में घुसे पाकिस्तानी सैनिकों को खदेड़ देती है। 1948 में भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और शेख अब्दुल्ला ने लाल चौक पर एक साथ खड़े होकर पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध में जीत की घोषणा की।

जब 1948 में प्रधानमंत्री नेहरू ने इसी लाल चौक पर तिरंगा फहराया तो शेख अब्दुल्ला ने आमिर खुसरो की लिखी पर्शियन कविता पढ़ी..., जिसका हिंदी में अर्थ है...-

'मैं आप बन गया और आप मैं बन गए।
मैं आपका शरीर बन गया और आप मेरी आत्मा बन गए।
अब कोई कह नहीं सकता कि हम अलग-अलग हैं।'

इस दौरान नेहरू ने लाल चौक से कश्मीर में जनमत संग्रह कराने का वादा भी किया था, लेकिन यह हुआ कभी नहीं। कश्मीरियों ने उस वक्त इसे बड़े विश्वासघात के तौर पर देखा। इसके बाद 1949 में नेहरू ने सबसे पहले शेख अब्दुल्ला को बीपीएल बेदी को हटाने के लिए कहा। बेदी के पास उस वक्त जम्मू-कश्मीर प्रशासन में कोई आधिकारिक पद नहीं था, लेकिन वह सलाहकार की भूमिका में थे। चार साल बाद कश्मीर षड्यंत्र मामले में शेख अब्दुल्ला को देशद्रोह के आरोप में जेल जाना पड़ा।

कश्मीर की राजनीति के केंद्र में कई दशकों से लाल चौक का काफी अहम स्थान रहा है। हालांकि 1963 में मुख्यमंत्री गुलाम मोहम्मद बख्शी के समय हजरत बल दरगाह से पवित्र अवशेष की चोरी की अफवाह फैली। यह जगह अफवाह का विरोध करने वाली भीड़ द्वारा हिंसा की जगह बन गई। 1975 में एक बार फिर से शेख अब्दुल्ला ने लाल चौक का इस्तेमाल इंदिरा गांधी के साथ हुए समझौते को भीड़ को समझाने के लिए किया। यह वह दौर था जब पाकिस्तान से अलग होकर बांग्लादेश बना था और इंदिरा गांधी का रुतबा चरम पर था। पैलेडियम सिनेमा लाल चौक पर मेन लैंडमार्क था और यहां पर नेहरू-अब्दुल्ला रैली की तस्वीरें दिखाई देती थीं। हालांकि, 1985 में कश्मीर में आतंकवाद की आहट सुनाई देने लगी थी। इसी बीच युवकों के एक समूह ने लाल चौक पर लगे शेख अब्दुल्ला के एक विशाल पोस्टर को फाड़ दिया। कहा जाता है कि इन युवकों ने 1981 में आई एंथोनी क्विन की फिल्म द लायन ऑफ द डेजर्ट देखी थी। यह फिल्म लीबिया के हीरो उमर मुख्तार पर है जिन्होंने इतालवी शासकों से लड़ाई लड़ी। इसके बाद इस फिल्म को राज्य में बैन कर दिया गया।

आतंकवाद की शुरुआत के बाद लाल चौक पर कब्जा कश्मीर का प्रतीक बन गया। इस वजह से यह आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच एक युद्धक्षेत्र में बदल गया। 2014 में जम्मू-कश्मीर के अखबार अर्ली टाइम्स में एम के मट्टू ने लाल चौक की घटना का जिक्र किया है। इसमें वह बताते हैं कि कैसे 1990 में आतंकवादियों ने चौक पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद लाल चौक पर एक कलर टीवी रख दिया और शर्त लगाई थी कि जो कोई भी यहां पर तिरंगा फहराएगा वह इसे अपने साथ ले जाएगा।

मट्टू के मुताबिक, आतंकियों के मौजूद होने की जानकारी होने के बावजूद एनएसजी कमांडों का एक ग्रुप यहां पर तिरंगा फहराकर यह चुनौती जीत लेता है और कलर टीवी को अपने साथ ले जाता है। एनएसजी ने इस टीवी को कई सालों तक अपनी मेस में रखा। मट्टू लाल चौक को कश्मीर की राजनीतिक आत्मा बताते हैं। 1990 के दौर में बीजेपी भी आतंकियों की इस धमकी को चुनौती के तौर पर स्वीकार करती है। दिसंबर 1991 में बीजेपी नेता मुरली मनोहर जोशी के नेतृत्व में कन्याकुमारी से 'एकता यात्रा' शुरू की जाती है। एकता यात्रा कई राज्यों से होते हुए कश्मीर पहुंचती है। मुरली मनोहर जोशी के साथ उस वक्त नरेंद्र मोदी भी थे। एक बातचीत में जोशी बताते हैं कि हम वहां 26 जनवरी को झंडा फहराना चाहते थे, क्योंकि सर्दी में राजधानी बदल जाती थी। लोगों के पास वहां तिरंगे भी नहीं थे. मैंने लोगों से पूछा कि तिरंगा कैसे फहराते हैं तो उन्होंने बताया कि तिरंगा वहां मिलता ही नहीं है। 15 अगस्त को बाजारों में वहां तिरंगा नहीं मिलता था। जोशी कहते हैं कि जब हम वहां पहुंचे तो सवाल खड़ा हुआ कि कितने लोग लाल चौक जाएंगे, क्योंकि हमारे साथ एक लाख लोगों का समूह था। राज्यपाल ने कहा कि इतने लोगों का जाना संभव नहीं है। दूसरी बात ये थी कि वहां आतंकवाद की घटनाएं बहुत हो रही थीं तो यह खतरनाक हो सकता था। साथ ही आतंकियों ने हमले की धमकी दी हुई थी। लाल चौक जंग का मैदान बना हुआ था।

इसके बाद तय हुआ कि मेरे साथ 20 के करीब लोग जा सकते हैं। फिर एक कार्गो जहाज किराए पर लिया गया और 17 से 18 लोग उसमें बैठ कर गए। इसमें नरेंद्र मोदी भी थे। मोदी इस यात्रा के व्यवस्थापक थे। इसके बाद सभी 26 जनवरी 1992 की सुबह लाल चौक पर पहुंचते हैं। आतंकी रॉकेट से फायर कर रहे थे। पांच से दस फीट की दूरी पर गोलियां चल रही थीं। इनके अलावा वो हमें गालियां भी दे रहे थे, लेकिन हम लोगों ने उन्हें सिर्फ राजनीतिक उत्तर ही दिए। उस दिन यह कहा जा रहा था कि कश्मीर के बिना पाकिस्तान अधूरा है तो हमने अटल बिहारी वाजपेयी की बात दोहराई और कहा कि फिर पाकिस्तान के बिना हिंदुस्तान अधूरा है। इस सब के बीच हम लोग वहां पर 15 मिनट में तिरंगा फहराते हैं। इसके बाद सभी को बुलेटप्रूफ कार में बैठाकर वहां से वापस भेज दिया जाता है। 'भारत जोड़ो यात्रा' के समापन पर राहुल गांधी पार्टी दफ्तर पर तिरंगा फहराएंगे, लेकिन उससे महज 1 किमी दूर लाल चौक पर क्यों नहीं...? राजनीतिक विश्लेषक राशिद किदवई कहते हैं कि मुरली मनोहर जोशी ने 1991 में जब एकता यात्रा निकाली थी तो उस वक्त कश्मीर में आतंकवाद चरम पर था। हालात ऐसे थे कि लाल चौक पर कोई तिरंगा फहराने की हिम्मत नहीं कर सकता था। यानी एक प्रकार से वहां पर आतंकियों का कब्जा था। ऐसे में उन्होंने आतंकियों को चुनौती देते हुए तिरंगा फहराया। किदवई बताते हैं कि श्रीनगर के लाल चौक में अब 24 घंटे तिरंगा फहराया हुआ होता है। देखा जाए तो भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी कई जगहों पर तिरंगा लिए दिखाई देते हैं, लेकिन उन्होंने तिरंगा कहीं पर फहराया नहीं। ऐसे में यदि वे लाल चौक पर झंडा फहराते हैं तो लगेगा कि वह जोशी का अनुसरण कर रहे हैं।

साथ ही कश्मीर में यह संदेश जाएगा कि यहां के लोग भारत के दूसरे राज्यों से अलग हैं और उनमें राष्ट्र के प्रति समर्पण में कमी है। इसकी वजह से झंडा फहराया जा रहा है। इसलिए राहुल ऐसा कोई संदेश नहीं देना चाहते हैं।

-सुरेखा भोसले

क्या रियलिटी शो आपको भावुक करते हैं?

रजनीश कपूर

जब भी कभी आप टीवी पर किसी रियलिटी शो को देखते हैं तो आप उसमें दिखाए गए कुछ विषयों से इतने प्रभावित हो जाते हैं कि आप भावुक हो उठते हैं। ऐसा होना स्वाभाविक है। परंतु यदि आपको पता चले कि टीवी पर दिखाए जाने वाले ऐसे कुछ रियलिटी शो पहले से ही नियोजित किए जाते हैं तो क्या आप तब भी भावुक होंगे?

यह कुछ ऐसा ही है जैसा फ़िल्मों में दिखाया जाता है। सभी जानते हैं कि जैसे फ़िल्मों में चलने वाली बंदूक़ असली नहीं होती और कलाकारों के शरीर से निकालने वाला खून भी असली नहीं होता। उसी तरह फ़िल्मों को लोकप्रिय करने कि दृष्टि से उसमें ऐसी कहानी ली जाती है जो श्रोताओं को भाव-विभोर कर सके।

आजकल टीवी पर भी ऐसा ही कुछ हो रहा है। रियलिटी शो और टैलेंट शो के नाम पर टीवी पर अक्सर ऐसा कुछ दिखाया जाता है जिससे कि श्रोता उसे देख कर भावुक हो उठें और इन चर्चा करने लगें। इन शो पर आने वाले दिनों में क्या होगा इसका अनुमान लगाने लगें। इतना ही नहीं एक घर में रहने वाले परिवार के सदस्य ही ऐसे रियलिटी शो के विरोधी और समर्थक गुट में बंट जाते हैं। ऐसा इसलिए होता है कि वे उस शो को वास्तविक मान लेते हैं।

जबकि वास्तविकता में ऐसा नहीं होता। जो भी लोग ऐसे शो में भाग लेते हैं वो इसकी सच्चाई जानते हैं। आप तक ऐसे रियलिटी शो रिकॉर्ड और एडिट होने के बाद ही पहुँचते हैं। इनका सीधा प्रसारण नहीं होता। इसलिए इन्हें 'रियलिटी शो' कहना ठीक नहीं होगा। बिग बॉस, इण्डियन आइडल, कौन बनेगा करोड़पति, डांस इंडिया डांस जैसे अनेकों रियलिटी शो आपने देखे होंगे। ऐसे सभी शो में भाग लेने वाले प्रतियोगियों को लेकर अक्सर कुछ ऐसा दिखाया जाता है जो उनके निजी जीवन से संबंधित होता है। उसे देख करोड़ों दर्शक भावुक हो उठते हैं और उस प्रतियोगी का समर्थन करने लगते हैं। आजकल के सोशल मीडिया के युग में उस प्रतियोगी को लेकर छोटे-छोटे वीडियो भी वायरल होने लगते हैं। ऐसा होने से कार्यक्रम की लोकप्रियता बढ़ती है, जिसे टीआरपी भी कहते हैं। जैसे ही किसी रियलिटी शो की टीआरपी बढ़ने लगती है टीवी चैनल पर विज्ञापन की आय भी बढ़ने लगती है। ऐसा होने पर टीवी चैनल का उद्देश्य पूरा हो जाता है।

आजकल कुछ ऐसा ही काम कुछ न्यूज़ चैनल भी कर रहे हैं। आपको याद होगा कि जब एक राजनैतिक दल कीराष्ट्रीय प्रवक्ता के बयान पर विवाद खड़ा हुआ था देश में आग सी लग गई थी। उसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने टीवी एंकरों को आड़े हाथों लिया था। सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे टीवी चैनलों को ऐसी अराजकता फैलाने का गुनहगार माना जो अपनी टीआरपी बढ़ाने के लालच में आये दिन इसी तरह के विवाद पैदा करते रहते है। कुछ चुनिंदा चैनल जानबूझ कर ऐसे विषयों को लेते है जो विवादास्पद हों। न्यूज़ चैनल के ऐंकर या पत्रकार पर्दे पर या मौक़े पर कुछ ऐसा करते हैं जिसे देख भोली-भाली जानता विश्वास कर लेती है। जिस किसी ने बीबीसी के टीवी समाचार सुने होगें उन्हें इस बात का खूब अनुभव होगा कि चाहें विषय कितना भी विवादास्पद क्यों न हो, कितना ही गम्भीर क्यों न हो, बीबीसी के ऐंकर या पत्रकार संतुलन नहीं खोते। हर विषय पर गहरा शोध करके आते है और ऐसे प्रवक्ताओं को बुलाते है जो विषय के जानकार होते है। हर बहस शालीनता से होती है। जिन्हें देखकर दर्शकों को उत्तेजना नहीं होती बल्कि विषय को समझने का संतोष मिलता है।

पिछले दिनों एक 'बाबा' विवाद में आए। विवाद का विषय 'चमत्कार' था। उस चमत्कार को एक समाजिक संस्था द्वारा चुनौती दी गई थी। बाबा पर आरोप है की वे उस चुनौती से बच कर भाग लिये। इस विवाद को आस्था का चोला पहना कर पहले एक धार्मिक चैनल ने और फिर कुछ चुनिंदा न्यूज़ चैनलों ने जनता के सामने परोसा। दरअसल एक राष्ट्रीय न्यूज़ चैनल के एक पत्रकार को जब इस 'चमत्कारी' बाबा ने भरे पंडाल में कुछ अप्रिय ढंग से पुकारा तो सभी चौंक गये। बाबा ने पहले उनके चाचा का नाम लिया, फिर उनकी भतीजी का बताया और फिर उनके भाई के बारे में कुछ बताया। ऐसा होने पर वो पत्रकार महोदय जो इस 'चमत्कार' का सच जानने के लिये गये थे, बाबा के प्रति समर्पित हो कर जयकारे लगाने लग गए। परंतु कुछ अन्य न्यूज़ चैनलों ने इसकी पड़ताल की तो पाया कि जो-जो उस बाबा ने उस पत्रकार के प्रति कहा था वो पहले से ही सोशल मीडिया पर पहले से ही उपलब्ध था। तो फिर 'चमत्कार' कैसा? जैसे ही मामले ने तूल पकड़ा तो बाबा का समर्थन करने वाले कुछ अन्य न्यूज़ चैनल भी सतर्क हो गये।

वे न्यूज़ चैनल भी संतुलन बनाने की नीयत से कुछ धार्मिक व्यक्तियों, मनोवैज्ञानिकों, वैज्ञानिकों व अन्य संबंधित लोगों से चर्चा करते दिखाई दिये। मनोविज्ञान के विशेषज्ञों, शंकराचार्य व कुछ संतों ने अपना तर्क देते हुए इस 'चमत्कार' को नहीं स्वीकारा। तो क्या ऐसे बाबा भी टीवी पर दिखाये जाने वाले रियलिटी शो की तरह, लोकप्रियता पाने के लिए, अंधविश्वास को चमत्कार का चोला पहना कर केवल जनता की भावनाओं के साथ खेलने के लिए ही ऐसा करते हैं? वैसे भी पुरानी कहावत है 'पानी पीजे छान के, गुरू कीजे जान के।' इसलिये टीवी पर आपको परोसी जा रही नक़ली भावुकता के प्रभाव से बचें और ऐसे शो को चैनल की मार्केटिंग स्किल मानकर शो की तरह ही देखें हक़ीक़त की तरह नहीं।

लहराना ही चाहिए, हर घर तिरंगा

डॉ. नीरज भारद्वाज

भारतवर्ष की महानता और इसमें रहने वाले महान व्यक्तित्वों के बारे में जितना लिखा जाए उतना ही कम लगता है। भारतवर्ष की स्वतंत्रता और स्वतंत्रता के साथ ही तिरंगे से जुड़ी कितनी ही साहसिक कहानियां उन सभी देशभक्तों, क्रांतिकारियों और स्वतंत्रता सेनानियों की याद दिला देती है, जिन्होंने देश को स्वतंत्र कराने के लिए अपना सर्वस्व निछावर कर दिया और हमें आजादी दिला दी। दो अगस्त 1907 को स्टेटगार्ट, जर्मनी में भीका जी कामा ने अंतर्राष्ट्रीय समाजवादी कांग्रेस के अधिवेशन में देश का प्रतिनिधित्व किया। इस अधिवेशन में भाषण से पहले अपने देश का झंडा फहराना जरुरी था। उस समय भारतवर्ष स्वतंत्र नहीं था, तो देश का कोई अपना झंडा भी नहीं था। लेकिन भीका जी कामा ने तुरंत एक झंडे को बनाया। उन्होंने तीन पट्टी अर्थात धारी का एक झंडा तैयार किया। उसमें हरि धारी पर आठ कमल के फूल आंके, जो देश के प्रांतों के प्रतीक थे। गेरूए रंग की धारी पर वंदे मातरम लिखा, लाल धारी पर दाईं ओर उगता सुनहरा सूर्य तथा बाईं ओर अर्द्ध चंद्र आंक दिया। देखते ही देखते एक सुंदर झंडा बन गया।

अपने भाषण से पहले झंडा फहराया और कहा- यह झंडा स्वतंत्र भारत का प्रतीक है, गौर से देखिए यह झंडा जन्म ले चुका है। आगे चलकर कुछ परिवर्तनों के साथ स्वतंत्र भारत का राष्ट्रीय ध्वज बनाया गया और यह राष्ट्रीय ध्वज हमारा प्यारा तिरंगा ही है।

तिरंगे की इस यात्रा में ऊषा मेहता का नाम भी याद आता है, जिनका बचपन गुजरात के भडोच नगर में बीता। 1942 में गांधीजी का- अंग्रेजों भारत छोड़ो, नारा और आंदोलन दोनों ही चल रहे थे। उसी की प्रेरणा से ऊषा मेहता अपनी सहेलियों के साथ विरोध जुलूस के लिए हाथों में तिरंगा झंडा उठाए निकली और वंदे मातरम का गान किया। पुलिस ने झंडे छीनकर उन्हें भगा दिया। ऊषा कहाँ रुकने वाली थी, उसने और उसकी सहेलियों ने एक दर्जी को ढूंढा और रात में तिरंगे की पोशाके सिलवाई। उसको पहन कर हर लड़की चलता फिरता तिरंगा झंडा नजर आ रही थी। पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया और विरोध जुलूस बंद करवा दिया। तिरंगे और स्वतंत्रता के प्रति यह राष्ट्रभक्ति किसी के अंदर भी नवप्राण भर सकती है।

राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे की कहानी में साइकिलिंग के खिलाड़ी और स्वतंत्रता सेनानी जानकीदास भी याद आते हैं। जानकीदास ने वर्ष 1946 में ज्यूरिक, स्विजरलैंड में होने वाले अंतरराष्ट्रीय खेलों में तिरंगा झंडा लहरा दिया था। जानकीदास अपनी कमीज के नीचे तिरंगे को छुपा कर ले गए, जैसे ही यूनियन जैक नीचे उतरा और उसी जगह तिरंगा हवा में लहराने लगा। विदेशी भूमि पर अपना तिरंगा लहराने वाला यह साहसी खिलाड़ी तिरंगे की इस यात्रा में अपनी अमर गाथा लिख गया है।

स्वतंत्रता से पूर्व जब हमारे स्वतंत्रता सैनानियों और देशभक्तों के बीच तिरंगे के प्रति इतना प्रेम रहा है, तो आज आजादी के बाद हमारे अंदर तिरंगे के प्रति प्रेम और सम्मान कई गुना बढ़ गया है। तिरंगे के प्रति हमारे भीतर सम्मान होना ही चाहिए।

हर हाथ तिरंगा, हर घर तिरंगा, हर दिल तिरंगा होना ही चाहिए। तिरंगा झंडा राष्ट्र का प्रतीक है, हमारे गौरव और स्वतंत्रतात संग्राम की अमर गाथा का प्रतीक है। तिरंगा हमारी आन-बान-शान है। तिरंगे का सम्मान ही राष्ट्र का सच्चा सम्मान है।

गणतंत्र का वसंत

डा. विनोद बब्बर

यह संयोग है कि इस बार प्रभुसत्ता संपन्न राष्ट्र का गणतंत्र दिवस और ऋतु परिवर्तन का प्रतीक पर्व वसंत पंचमी एक ही दिन है। गणतंत्र दिवस राजशाही, तानाशाही से मुक्ति का पर्व हे तो वसंत पंचमी सर्दी के आंतक से मुक्ति का उदघोष है। गणतंत्र दिवस भारत माता के वंदन का अवसर है जब राजपथ पर परेड और झांकियों के माध्यम से शक्ति और सौंदर्य का प्रदर्शन करते हुए स्वतंत्रता की बलि बेदी पर आत्मोसर्ग करने वालों को श्रद्धा से स्मरण किया जाता है। तो वसंत पंचमी राष्ट्र की संस्कृति की रक्षा के लिए तप करने वालों के समक्ष नतमस्तक होने का अवसर हैं। एक शस्त्र पूजन है तो दूसरा शास्त्र पूजन। एक उल्लास का संचार करता है तो दूसरा आत्मविश्वास का। राजपथ पर शस्त्र प्रदर्शन का हमारा उद्देश्य किसी को डराना नहीं बल्कि यह बताना है कि हम किसी ने नहीं डरते। यह हमारे लिए गर्व और गौरव का विषय है कि विश्व को गणतंत्र की अवधारणा हमने दी। कल्याणकारी राज्य की अवधारणा दुनिया के लिए नई हो परंतु इसकी जड़ें हमारी संस्कृति में पहले से ही विद्यमान रही हैं। आदर्श गणतंत्र की जो व्याख्या देवर्षि नारद करते हैं वह किसी भी आधुनिक लोकतांत्रिक व गणतंत्र व्यवस्था के लिए आदर्श है। धर्मराज युधिष्ठिर के सिंहासनरोहण के दौरान उन्होंने पांडव श्रेष्ठ से ऐसे प्रश्न पूछे जो आज आधुनिक युग में भी कल्याणकारी लोकतांत्रिक व्यवस्था के आधार बने हुए हैं। यह सब हमारे यहां इसलिए संभव हो सका क्योंकि हम ज्ञान परम्परा के अनुयायी हैं। ज्ञान की देवी हंसवाहिनी, वीणावदिनी माँ सरस्वती के साधक, उपासक हैं। श्वेत हंस को सत्वगुणी और नीर-क्षीर विवेकी माना जाता है। हंसवाहिनी अपने साधकों को भी यह गुण प्रदान करती है। इसीलिए तो ऐश्वर्य की देवी लक्ष्मी से पूर्व माँ सरस्वती और विघ्नविनाशक गणपति का पूजन होता हैं।

ऋतुराज बसंत, नाम लेते ही रोम-रोम पुलकित हो उठता है। मन को शीतल करतीं मंद-मंद हवा, गर्म रजाई सी धूप, पेड़ों पर नई-नई कोपलें, फूलों पर बैठती तो कभी आसमान में दौड़ लगाती तितलियां, भंवरों का गुंजन और भी न जाने कैसे-कैसे दृश्य जो कामदेव की मादकता को भी नई ऊंचाईयां देते जान पड़ते हैं। मानो प्रकृति सबकुछ लुटा देने को व्याकुल हो, लेकिन बसंत में विस्मृति नहीं होनी चाहिए उन अंधेरियों की जो सबकुछ उड़ा देने व्याकुल थीं, उस चिलचिलाती धूप की जिसने चराचर जगत को झुलसने को मजबूर किया, उन घमंडी बिजलियों की जिसने समय-समय पर वज्राघात कर इसी धरती के सीने को छलनी किया, कफन की बर्फीली चादर की जिसने कभी शिराओं के रक्त को भी जमा दिया था। आज राष्ट्रजीवन में जब हम बसंत का अनुभव कर रहे हैं तो उन आत्माओं का स्मरण करना भी बनता है जिन्होंने इतिहास की षट ऋतुओं के आघात को सहा। बसंत पंचमी केवल उत्सव का ही नहीं बल्कि भक्ति, शक्ति और बलिदान का प्रतीक भी है।

प्रकृति परिवर्तन और देवी सरस्वती का पर्व है बसंत पंचमी!

डॉ श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट

धार्मिक मान्यता है कि सृष्टि के आरम्भ में भगवान विष्णु की आज्ञा से ब्रह्मा जी ने जीवों की रचनाकर सृष्टि को जीवोमय किया । तभी मनुष्य का भी उदभव हुआ।लेकिन अपनी सर्जना से वे संतुष्ट नहीं थे, उन्हें लगा कि कुछ कमी रह गई है, जिसके कारण चारों ओर मौन छाया हुआ है। भगवान विष्णु से अनुमति लेकर ब्रह्मा जी ने अपने कमंडल से पृथ्वी पर जल छिड़का, पृथ्वी पर जलकण बिखरते ही उसमें कम्पंन होने लगा। तभी एक चतुर्भुजी स्त्री के रूप में अदभुत शक्ति का प्राकट्य हुआ, जिसके एक हाथ में वीणा तथा दूसरा हाथ वर मुद्रा में था। अन्य दोनों हाथों में पुस्तक एवं माला प्रतिष्ठित थीं।कहते है ,ब्रह्मा जी ने प्रकट हुई सरस्वती देवी से वीणा बजाने का अनुरोध किया। जैसे ही देवी ने वीणा का मधुर नाद किया, संसार के समस्त जीव-जंतुओं को वाणी प्राप्त हो गई। जलधारा में कोलाहल हो गया व हवा चलने से सरसराहट होने लगी। तब ब्रह्माजी ने उस देवी को वाणी की देवी सरस्वती नाम दिया। मां सरस्वती को बागीश्वरी, भगवती, शारदा, वीणावादिनी और बाग्देवी आदि अनेक नामों से पुकारा जाता है। यह देवी विद्या और बुद्धि की प्रदाता हैं, संगीत की उत्पत्ति करने के कारण यह संगीत की देवी भी कहलाती हैं।वही वसंत पंचमी के दिन भगवान श्रीकृष्ण ने मां सरस्वती को वरदान दिया था कि उनकी प्रत्येक ब्रह्मांड में माघ शुक्ल पंचमी के दिन विद्या आरम्भ के शुभ अवसर पर पूजा होगी। श्रीकृष्ण के वर प्रभाव से प्रलयपर्यन्त तक प्रत्येक कल्प में मनुष्य, मनुगण, देवता, मोक्षकामी, वसु, योगी, सिद्ध, नाग, गन्धर्व और राक्षस आदि सभी बड़ी भक्ति के साथ सरस्वती की पूजा करेंगे। पूजा के अवसर पर विद्वानो द्वारा सम्यक्‌ प्रकार से मां सरस्वती का स्तुति-पाठ होगा। भगवान श्री कृष्ण ने सर्वप्रथम देवी सरस्वती की पूजा की, तत्पश्चात ब्रह्मा, विष्णु , शिव और इंद्र आदि देवताओं ने मां सरस्वती की आराधना की। तबसे मां सरस्वती सम्पूर्ण प्राणियों द्वारा सदा पूजित हो रही है। बसंत पंचमी पर मां सरस्वती को पीले रंग का फूल और फूल अर्पण किए जाते हैं। शुभ मुहूर्त में कई गई पूजा और साधना का भी महत्व है। यह दिन बसंत ऋतु के आगमन का प्रतीक माना जाता है। इसलिए श्रद्धालु गंगा मां के साथ-साथ अन्य पवित्र नदियों में डुबकी लगाने के साथ आराधना भी करते है। वहीं इस समय फूलों पर बाहर आ जाती है, खेतों में सरसों के फूल चमकने लगते हैं, गेहूं की बालियां भी खिलखिला उठती हैं। इस दिन पीले रंग के कपड़े पहनने के साथ पतंग और स्वादिष्ट चावल बनाए जाते हैं।

सरस्वती पूजा आज

बसंत पंचमी के लिए जरूरी हैं ये सामग्रियां

बसंत पंचमी को सरस्वती पूजा भी कहा जाता है। हर साल माघ शुक्लपक्ष की पंचमी तिथि को बसंत पंचमी होती है। इस दिन विद्यालयों और मंदिरों से लेकर घरों में लोग मां सरस्वती की पूजा करते हैं। इस साल सरस्वती पूजा गुरुवार 26 जनवरी 2023 को है।

यदि आप बसंत पंचमी के दिन घर पर ही मां सरस्वती पूजा करने वाले हैं तो पहले से ही इसकी तैयारी कर लें और पूजा में प्रयोग होने वाली जरूरी सामग्रियों की सूची तैयार कर बाजार से इसकी खरीदारी भी कर लें। ऐसे में पूजा वाले दिन किसी सामग्री के न होने के कारण पूजा में विघ्न नहीं होगी और पूजा अच्छे से संपन्न होगी।

सरस्वती पूजा के लिए ये सामग्रियां है जरूरी,पीले रंग के फूल और माला,लकड़ी की चौकी पीले रंग का कपड़ा बिछाने के लिए सफेद तिल के लड्डू सफेद धान के अक्षत पके हुए केले की फली का पिष्टक,आम के पत्ते,बैठने के लिए आसन,धूप या अगरबत्ती,घी, दीपक ,और,बाती,मौसमी फल,गुड़ हल्दी, कुमकुम,जल के लिए कलश या पात्र,माचिस,देवी सरस्वती की मूर्ति या तस्वीर,नारियल,भोग के लिए मिष्ठान, केसर का हलवा या फिर केसरिया भोग,सुपारी

पूजा के लिए थाली घर पर कैसे करें देवी सरस्वती की पूजा बसंत पंचमी के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नानादि से निवृत होकर साफ कपड़े पहनें। संभव हो तो इस दिन पीले रंग के कपड़े पहनें। अब पूजा मंदिर या पूजास्थल की साफ-सफाई करें और गंगाजल छिड़कर इस जगह की शुद्धि कर लें। पूजा की चौकी पर पील रंग का कपड़ा बिछाएं और देवी सरस्वती की प्रतिमा या फोटो स्थापित करें।

बसंत पंचमी 2023

देवी सरस्वती के बगल में भगवान गणेश की मूर्ति भी जरूर रखें। चौकी के पास अपनी किताबें या कला से जुड़ी चीजें भी रखें। एक कलश में जलभरकर रखें और इसमें आम के पांच पत्ते की डली डालें और ऊपर नारियल रख दें। देवी सरस्वती को हल्दी, कुमकुम का तिलक लगाएं। पीले फूलों की माला पहनाएं और वस्त्र अर्पित करें। साथ ही साथ भगवान गणेश की भी पूजा करें।

पूजा में अक्षत, फल, सुपारी और भोग आदि अर्पित करें और फिर धूप-दीप जलाएं। हाथ जोड़कर सरस्वती मंत्र का जाप करें। अब आखिर में आरती करें और आशीर्वाद लें। इस दिन सरस्वती वंदना करना भी शुभ होता है। पूजा समाप्त होने के बाद भोग का वितरण करें।

विष्णुअवतारी बाबा गंगाराम

त्याग, तपस्या और भक्ति का इतिहास:

भक्त शिरोमणि श्री देवकीनंदन एवं शक्ति स्वरूपा देवी गायत्री बाबा की लीलाओं के प्रबल वाहक थे। उन्होंने बाबा की भक्ति में तन-मन-धन न्योछावर करते हुये भक्ति का जो इतिहास लिखा, वो अभूतपूर्व है। झुंझुनूं में पंचदेव मंदिर की स्थापना के पश्चात उन्हें सांसारिक मोह माया से विरक्ति हो गई। उन्होनें अपनी करोड़ों की सम्पदा, चल-अचल संपत्ति का तिनके की भांति त्याग कर दिया और अपने दो पुत्र और चार पुत्रियों सहित मंदिर परिसर को ही अपना संसार समझकर बाबा की सेवा में समर्पित हो गए। राजा हरिश्चंद्र की भांति उनका ये त्याग, आज के भौतिक युग में स्वयं एक उदाहरण बन गया। बाबा की भक्ति करते-करते अंततः 21 अप्रैल 1992, वैशाख कृष्ण चतुर्थी को संसार को सत्य, त्याग एवं भक्ति का मार्ग दिखाने वाले भक्त शिरोमणि देवकीनंदन ने बाबा गंगाराम का नाम लेते- लेते अपने नश्वर शरीर को त्याग दिया।

चिता पर अलौकिक चमत्कार :-

जब उनके पार्थिव शरीर को पंचतत्व में विलीन किया जा रहा था, तब उनकी भक्तिमती धर्मपत्नी देवी गायत्री की करुण पुकार पर जलती हुई चिता से उनका दाहिना हाथ उपर उठकर आशीर्वाद देता हुआ लहराने लगा। मस्तक से जल की धारा बहने लगी और चेहरा बालरुप में परिणित हो गया। परमाराध्य बाबा गंगाराम की कृपा से सब कुछ संभव है। आज के इस घोर कलियुग में इससे बड़ा अलौकिक चमत्कार और क्या हो सकता है। चिता पर हुए चमत्कारों के चित्र आज भी वहां उपलब्ध है। जैसे राम के परमभक्त होने का गौरव भक्त हनुमान को मिला, वही स्थान बाबा गंगाराम के चरणों में भक्त देवकीनंदन को प्राप्त हुआ।

शक्ति स्वरूपा माता गायत्री देवी :-

शक्ति स्वरूपा माता गायत्री देवी आध्यात्मिक शक्तियों से परिपूर्ण परम तपस्विनी थी। भक्त शिरोमणि देवकीनंदन के महाप्रयाण के पश्चात मंदिर परिसर में अनवरत साधना में लीन रहते हुए उन्होंने लाखों भक्तो को उचित मार्गदर्शन व शीर्वचन देकर उनका जीवन बदल दिया। वे करुणा, प्रेम, दया, परोपकार की साकार प्रतिमा एवं परम विदुषी थी। सीता अनुसुईया और सावित्री की भांति वे सत्य और त्याग की प्रतिमूर्ति थी। वे सदा भक्ति के चैतन्य लोक में रहती थी और प्रत्येक के हृदय की बात जानती थी। उनके मुख से जो भी निकला वो भक्तो के लिए मंत्रतुल्य हो गया। तत्पश्चात देवी गायत्री ने भी अपनी भक्ति और तप से बाबा गंगाराम की महिमा को सारे संसार में प्रकाशित करते हुए सन 2017 में महाप्रयाण किया। **(क्रमशः)**

गुप्त नवरात्र में प्रकट हुईं सरस्वती

वसंत राग से है इस पर्व का संबंध

संगीत दामोदर ग्रंथ के अनुसार वसंत राग श्री पंचमी से प्रारंभ होकर हरिशयनी एकादशी तक गाया जाता है। श्री पंचमी से वसंत राग के गायन की शुरुआत होती थी। इस कारण लोक में धीरे-धीरे यह तिथि वसंत पंचमी के नाम से विख्यात हो गई। एक माह बाद आने वाली वसंत ऋतु में फसलें पकने लगती हैं, फूलों का सौंदर्य पृथ्वी की सुंदरता बढ़ाता है इसलिए ऊर्जा के परिचायक पीले रंग की प्रधानता वसंत पंचमी पर्व से शुरू हो जाती है।

माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को देवी मां सरस्वती का प्राकट्य दिवस मनाया जाता है। 26 जनवरी, गुरुवार को ये तिथि पड़ रही है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार माघ मास के गुप्त नवरात्र के दौरान इस दिन देवी सरस्वती प्रकट हुईं। तब देवताओं ने उनकी स्तुति की। स्तुति से वेदों की ऋचाएं बनीं और उनसे वसंत राग बना। फिर सृष्टि में पेड़-पौधे और जीव बनें। इसके बाद उत्सव शुरू हुआ। इसलिए इस दिन को वसंत पंचमी के रूप में मनाया जाता है।

सरस्वती पूजा का महत्व

नवरात्रि में जिस तरह देवी पूजा होती है ठीक उसी तरह इस दिन सभी शिक्षण संस्थानों में सरस्वती पूजा एवं अर्चना की जाती है। सरस्वती माता, कला की भी देवी मानी जाती हैं अतः कला क्षेत्र से जुड़े लोग व विद्यार्थी सरस्वती माता के साथ-साथ पुस्तक, कलम की पूजा करते हैं। संगीतकार इस दिन वाद्य यंत्रों की, चित्रकार अपनी तूलिका और रंगों की पूजा करते हैं।

श्री पंचमी और वागीश्वरी जयंती भी कहते हैं

शास्त्रों में इस पर्व का उल्लेख श्री पंचमी एवं वागीश्वरी जयंती के रूप में भी प्राप्त होता है। जनमानस में धारणा व्याप्त है कि वसंत पंचमी से वसंत ऋतु की शुरुआत होती है, जबकि जब मीन एवं मेष राशि में सूर्य रहते हैं तब वसंत पंचमी के एक माह बाद वसंत ऋतु आती है। वसंत पंचमी पर्व पर पीले रंग के कपड़े पहनने और पीला भोजन करने का महत्व होता है।

पीले फूलों से होती है देवी की पूजा

1. सबसे पहले सरस्वती माता की प्रतिमा अथवा तस्वीर, पूजा घर में रखें। इसके बाद कलश स्थापित करके गणेश जी तथा नवग्रह की विधिवत पूजा कर माता सरस्वती की पूजा करें।

2. पूजा करते समय उन्हें सबसे पहले आचमन एवं स्नान कराएं। सरस्वती पूजन के अवसर पर माता सरस्वती को पीले रंग का फल चढ़ाएं। इस दिन सरस्वती माता को केसरिया भात एवं खीर का भी भोग लगाया जाता है।

3. देवी सरस्वती सफेद कपड़े धारण करती हैं अतः उनकी प्रतिमा को श्वेत वस्त्र पहनाएं।

4. मां शारदा के साथ कन्याओं का पूजन भी इस दिन करें। पीले रंग के वस्त्र आदि जरूरतमंदों को दान करने से परिवार में ज्ञान, कला व सुख -शांति की वृद्धि होती है।

5. इस दिन पीले फूलों से शिवलिंग की पूजा करना भी विशेष शुभ माना जाता है।

पृथ्वी पर ऐसे प्रकट हुई ज्ञान की देवी

मान्यता है कि सृष्टि की रचना के समय ब्रह्माजी ने अपने कमंडल से जल छिड़का, जिससे पृथ्वी पर छह भुजाओं वाली शक्ति रूप स्त्री प्रकट हुई, जिनके हाथों में पुस्तक, पुष्प, कमंडल, वीणा और माला थी। जैसे ही देवी ने वीणा वादन किया, चारों ओर वेद मंत्र गूंज उठे। ऋषि-मुनि आनंदित हो उठे और वसंत पंचमी उत्सव शुरू हुआ। परिचायक पीले रंग की प्रधानता वसंत पंचमी पर्व से शुरू हो जाती है।

700 साल बाद पंच महायोग में मनेगा पर्व

शादी के लिए अबूझ मुहूर्त

ज्ञान, विद्या और कला की देवी सरस्वती की उपासना का पर्व बसंत पंचमी कल है। इस दिन माघ मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी और गुरुवार है। साथ ही बृहस्पति और शनि अपनी-अपनी राशियों में रहेंगे। वहीं, ग्रहों की खास स्थिति से पंच महायोग भी बन रहा है। जिससे इस पर्व की शुभता और बढ़ जाएगी। ज्योतिषियों का कहना है कि वसंत पंचमी पर ऐसा शुभ संयोग पिछले 700 सालों में नहीं बना।

इस पर्व पर ग्रहों के संयोग के बारे में ज्योतिषीय ग्रंथों के हवाले से पुरी के ज्योतिषाचार्य डॉ. गणेश मिश्र बताते हैं कि बसंत पंचमी पर गजकेसरी, वरिष्ठ, हर्ष, शुभकर्तरी और शिव योग बनेंगे। सन 1600 से अब तक के ग्रहों की गणना करने पर भी ऐसा महा संयोग नहीं बना। ये पंच महायोग खरीदारी, नई शुरुआत और विद्यारंभ संस्कार के लिए बेहद शुभ रहेंगे।

लोक परंपराओं के चलते वसंत पंचमी को शादी के लिए अबूझ मुहूर्त भी माना जाता है। वहीं, 22 जनवरी से गुप्त नवरात्र भी शुरू हो चुके हैं। इस तरह बसंत पंचमी पर सरस्वती पूजन भी कई मायनों में शुभ फलदायक होगा।

बृहस्पति नव सृजन का कारक, रंग पीला

काशी विद्वत परिषद के महामंत्री प्रो. रामनारायण द्विवेदी बताते हैं कि ज्योतिष विज्ञान में बृहस्पति को नव सृजन का कारक माना जाता है। जो कि शुभ शुरुआत का ग्रह होता है। जिसका रंग पीला होता है। पीला रंग आशावान और सकारात्मक सोच का प्रतीक माना जाता है। हिंदू धर्म में ये रंग बहुत शुभ माना जाता है। ये सादगी और निर्मलता को भी दर्शाता है।

गुरु ग्रह धनु और मीन राशि के स्वामी है। किसी भी शुभ और मांगलिक कार्य को शुरू करते समय गुरु की मजबूत स्थिति का विचार किया जाता है। इस दिन ये ग्रह खुद की राशि यानी मीन में रहेगा। इस कारण शिक्षा, ज्ञान- विज्ञान, अध्यात्म, धर्म-संस्कृति, जन स्वास्थ्य आदि कार्य क्षेत्रों में सुधार और प्रगति के योग बनेंगे।

आमतौर पर वसंत पंचमी और वसंत ऋतु को जोड़कर देखा जाता है, लेकिन इन दोनों का कोई संबंध नहीं है। इस बारे में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय तिरूपति के ज्योतिषाचार्य डॉ. कृष्ण कुमार भार्गव बताते हैं कि वसंत पंचमी देवी सरस्वती के प्रकट होने का उत्सव है। वहीं, इस साल वसंत ऋतु 15 मार्च से शुरू होगी। इसलिए इस पर्व पर देवी सरस्वती की विशेष पूजा होती है। विद्यार्थियों के साथ संगीत और लेखन से जुड़े लोगों के लिए भी ये दिन ज्यादा खास होता है। इस दिन कोई नई विद्या सीखने की शुरुआत कर सकते हैं। इसे वागीश्वरी जयंती और श्री पंचमी भी कहा जाता है।

सरस्वती का प्राकट्य दिवस ऐसे बना वसंत पंचमी माघ मास की पंचमी पर देवी सरस्वती प्रकट हुई थीं। देवी के प्रकट होने पर सभी देवताओं ने उनकी स्तुति की थी। सभी देवता आनंदित थे। इसी आनंद की वजह से बसंत राग बना। संगीत शास्त्र में बसंत राग आनंद को ही दर्शाता है। इसी आनंद की वजह से देवी सरस्वती के प्रकट उत्सव को वसंत और बसंत पंचमी के नाम से जाना जाने लगा।

स्वामी प्रसाद मौर्य के विवादित बयान पर सपा प्रदेश अध्यक्ष की प्रतिक्रिया

मुरादाबाद, 25 जनवरी (एजेंसियां)। यूपी में स्नातक एमएलसी चुनाव में समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करने सपा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल शाहजहांपुर पहुंचे. यहां उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि इस बार समाजवादी पार्टी बरेली-मुरादाबाद स्नातक एमएलसी चुनाव जरूर जीतेगी, क्योंकि बीजेपी ने शिक्षित बेरोजगारों को निराश किया है, सारे शिक्षित बेरोजगार बीजेपी को हटाने का मन बना चुके हैं. यूपी सपा अध्यक्ष ने कहा, बीजेपी ने 6 वर्ष में वित्तविहीन शिक्षकों को मानदेय नहीं दिया है. बहुत से ऐसे शिक्षक हैं जो वेतन को तरस रहे हैं. इस दौरान मीडिया से बात करते हुए सपा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल स्वामी प्रसाद मौर्य के विवादित बयान पर उनका बचाव करते नजर आए. यूपी सपा अध्यक्ष ने कहा कि आवारा पशुओं के लिए बीजेपी को कोई ठोस नीति बनानी चाहिए ताकि उनका पेट पल सके और किसानों की फसलों को नुकसान न हो. उन्होंने कहा कि, बीजेपी जानबूझकर आवारा पशुओं का कोई प्रबंधन नहीं कर रही है. बीजेपी सिर्फ हवा हवाई बातें कर रही है. आवारा पशुओं के कारण लाखों किसानों की फसलें चौपट हो रही हैं.

तो नीतीश फिर एनडीए के साथ?

सुशील मोदी के बयान से बिहार में नए सियासी समीकरण के संकेत

पटना, 25 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए बड़ा बयान दे दिया. सीएम नीतीश कुमार के कभी काफी करीब रहे सुशील मोदी के इस बयान ने बिहार में नए समीकरण का संकेत दे दिया है. उनके बयान से सवाल उठ रहा है कि तो क्या नीतीश कुमार फिर एनडीए के साथ आएंगे?

'कौन आएगा-जाएगा राजनीति में कोई नहीं जानता'

सीएम नीतीश कुमार के सवाल पर कहा कि उनको लेने नहीं लेने का सवाल नहीं है. देखिए मैं उसके लिए सक्षम नहीं हूं. कोई राज्य इकाई किसी बड़े नेता को शामिल कराने के लिए सक्षम नहीं है. ये मामला केंद्रीय स्तर पर होता है कि कौन आएगा और कौन नहीं आएगा इस राजनीति में कोई नहीं जानता है.

...यह भविष्य बताएगाः सुशील कुमार मोदी

सुशील मोदी ने कहा कि यही नीतीश कुमार हैं तीन बार आ चुके हैं और तीन बार जा चुके हैं. यही लालू यादव 1990 में समर्थन लेने आए थे और हमारे समर्थन से उनकी सरकार बनी. आज देश में टीडीपी से लेकर ममता बनर्जी तक शायद ही कोई होगा जिसने बीजेपी की मदद न ली है. इसलिए कौन आएगा और कौन जाएगा ये तो भविष्य बताएगा.

'छोड़नी पड़ सकती है नीतीश को गद्दी'

सुशील कुमार मोदी ने कहा कि लालू यादव के लौटकर आने का इंताजर कीजिए. जो डील हुई है अगर उस डील के अनुसार नीतीश कुमार ने काम नहीं किया तो उनको मुख्यमंत्री की गद्दी भी छोड़नी पड़ सकती है.

सुशील मोदी के बयान के क्या मायने?

बता दें कि सीएम नीतीश कुमार ने जब से बीजेपी का साथ छोड़ा और महागठबंधन की सरकार बनाई तब से भारतीय जनता पार्टी के नेताओं का यही बयान आया है कि अब वे दोबारा कभी नीतीश कुमार के साथ नहीं जाएंगे. अब सुशील मोदी ने यह कह दिया है कि केंद्रीय नेतृत्व इस पर फैसला करेगा. राज्य इकाई सक्षम नहीं है. अब इस बयान के मायने निकाले जा रहे हैं.

जेडीयू में अंदरूनी कलह जारी

सुशील कुमार मोदी ने इस बीच यह बयान दिया है जब जेडीयू के अंदर अंदरूनी कलह जारी है. मंगलवार को ही जेडीयू संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा ने कह दिया कि आरजेडी और जेडीयू में क्या डील हुई यह ललन सिंह बताएं. वे नीतीश कुमार को कमजोर नहीं होने देंगे. वह भी जानना चाहते हैं कि क्या डील हुई है. इस बयान के बाद नीतीश कुमार भी एक तरह से साइलेंट हैं. कई बार वे कह चुके हैं कि उन्हें उपेंद्र कुशवाहा पर कुछ नहीं कहना है. वो जो कहते हैं छापते रहिए.

मायावती का ये दांव चल गया तो बढ़ेगी सपा की मुश्किल

बीजेपी को होगा कितना नुकसान?

लखनऊ, 25 जनवरी (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में किसी दल से गठबंधन न करने का एलान करने के बाद बसपा अकेले दम पर 2024 के लोकसभा चुनाव और उससे पहले निकाय चुनाव को लेकर पूरी तरह सक्रिय नजर आ रही है. इसके लिए पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती जल्द ही मंडलवार दौरे शुरू करने की तैयारी में है. मायावती के दौरे और बैठक फरवरी के पहले हफ्ते से शुरू हो सकते हैं. इसके साथ ही बसपा गांव गांव तक पहुंचने के लिए भी मिशन मोड में काम कर रही है. पार्टी सूत्रों की मानें तो मायावती खुद बहुत जल्द सभी मंडलों में जाकर बैठक करने की तैयारी में है. इसे लेकर पार्टी की रणनीति लगभग तय हो चुकी है. बसपा अध्यक्ष सभी मंडलों में जाकर वहां पार्टी के पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगी. उनके साथ मंडलवार समीक्षा करने के साथ ही आगे के लिए जीत का मंत्र भी देंगी. इससे पहले मायावती ने लखनऊ में प्रदेश भर के पदाधिकारियों के साथ दो राउंड की बैठक कर चुनावी तैयारी की रणनीति बताई थी. उस पर कितना काम हुआ, किस तरह काम चल रहा है इसकी समीक्षा भी करेंगी. इतना ही नही पार्टी इस समय गांव-गांव में वोटर तक पहुंचने की रणनीति पर भी काम कर रही है. पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने पहले सभी 18 मंडलों में कार्यकर्ता सम्मेलन किये. अब गांव गांव जा रहे हैं. बसपा प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल ने बताया कि लगभग 10 बूथों का सेक्टर है. और हर सेक्टर की मीटिंग लगातार चल रही है. कम से कम एक विधानसभा में दो मीटिंग 1 दिन में. प्रदेश में 403 विधानसभा हैं. अगर एक दिन में दो मीटिंग होती है तो 806 मीटिंग बहुजन समाज पार्टी की डेली चल रही है. इसमें सभी पदाधिकारी, जोनल कोऑर्डिनेटर, जिलाध्यक्ष जा रहे हैं. प्रदेश अध्यक्ष सभी मंडल का दौरा करने के बाद अब तक अयोध्या, सुल्तानपुर, जौनपुर, बनारस, आजमगढ़ और देवरिया पहुंच चुके हैं.

उमाशंकर सिंह ने बताया ये प्लान

बसपा विधायक उमाशंकर सिंह ने बताया कि बहुजन समाज पार्टी की विधानसभावार, लोकसभावार, जिलेवार, मंडलवार रेगुलर बैठक हो रही. पहले बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती खुद बैठक ले रही थी, उन्होंने सभी को काम दिया है. अब प्रदेश अध्यक्ष को मॉनिटरिंग के लिए लगाया है. 25 जनवरी के बाद मायावती खुद आगे की कार्य योजना बतायेंगी कि किस रूप में हम आ रहे. वहीं बसपा की रणनीति पर पर्यटन और संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि अच्छी बात है की बसपा अध्यक्ष मायावती फील्ड में रहें. मजबूत विपक्ष होना भी चाहिए. लेकिन हमें बसपा से कोई फर्क नहीं पड़ता. चिंता समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को करनी चाहिए क्योंकि यह दल बसपा का वोट अपनी तरफ लाने के लिए आतुर रहते हैं. भारतीय जनता पार्टी पूरे समाज की पार्टी है. हमारे पास 60 फ़ीसदी वोट तो है ही. बचे हुए 40 फ़ीसदी में बंटवारा है, और उसमें भी हमारा है. इसलिए हमें कोई चिंता नहीं.

गणतंत्र दिवस से ठीक पहले अवैध गन फैक्ट्री पर छापा

डिमांड पर हथियार सप्लाई करने वाला नेटवर्क कितना बड़ा?

मेरठ, 25 जनवरी (एजेंसियां)। गणतंत्र दिवस से ऐन पहले एसटीएफ की टीम ने एक हथियार फैक्ट्री का पर्दाफाश किया है. मेरठ के थाना लिसाड़ी गेट क्षेत्र में एक बार फिर मौत का सामान तैयार करने के कारखाना का पता चला है. एसटीएफ ने एक आरोपी को गिरफ्तार भी किया जिसकी निशानदेही पर बने हुए अवैध हथियार और उन्हें तैयार करने का सामान बरामद किया गया है. गणतंत्र दिवस के नजदीक आते ही पश्चिमी उत्तर प्रदेश के संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा के लिहाज़ से सरगर्मियां बढ़ गई हैं. दरअसल ये पूरा मामला नूर नगर गार्डन कॉलोनी में एक घर में हथियार फैक्ट्री चलने का है. इस घर के अंदर हथियार बनाने का सारा

सामान रखा था. पुलिस ने जब मुखबिर की सूचना पर घर में छापेमारी की तो वहां से एक पिस्टल, 6 अधबनी पिस्टल, मैगजीन, हैमर, ड्रिल के साथ-साथ काफी औजार मिले. इसके अलावा दो मोबाइल फोन और एक स्कूटी भी बरामद की गई. एसटीएफ की टीम ने असलम नाम के एक शख्स को गिरफ्तार किया जिस पर आरोप है कि यही हथियार फैक्ट्री का मुख्य सरगना है.

सुप्रीम कोर्ट से आशीष मिश्रा को जमानत

अदालत ने लगाई शर्त, यूपी और दिल्ली से दूर रहें

लखीमपुर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। खीरीलखीमपुर खीरी हिंसा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी आशीष मिश्रा को अंतरिम जमानत दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने मिश्रा को सशर्त 8 हफ्तों के लिए जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने आशीष मिश्रा को निर्देश दिया है कि वह अपनी लोकेशन के बारे में संबंधित न्यायालय को जानकारी दे। साथ ही सर्वोच्च अदालत ने कहा कि आशीष मिश्रा या उसके परिवार ने अगर मामले से जुड़े गवाहों को प्रभावित करने या फिर ट्रायल में देरी करने की कोशिश की तो आशीष मिश्रा की जमानत रद्द कर दी जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने आशीष मिश्रा को जमानत देते हुए यह शर्त भी लगाई है कि वह दिल्ली एनसीआर और उत्तर प्रदेश में नहीं रहेगा। जमानत मिलने के बाद एक हफ्ते बाद आशीष

मिश्रा को उत्तर प्रदेश छोड़ना होगा। जस्टिस सूर्याकांत और जस्टिस जेके माहेश्वरी की पीठ ने अपने आदेश में कहा कि आशीष जमानत अवधि के दौरान ना उत्तर प्रदेश में रहेगा और ना ही दिल्ली एनसीआर में। सुप्रीम कोर्ट ने आशीष मिश्रा की जमानत याचिका पर बीती 19 जनवरी को सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुनवाई के दौरान आशीष मिश्रा के वकील मुकुल रोहतगी ने कहा था कि उनका मुवक्किल बीते एक साल से ज्यादा समय से जेल में बंद है और जिस तरह से ट्रायल चल रहा है, उस तरह इसे पूरा होने में 7-8 साल का समय लगेगा। मुकुल रोहतगी ने ये भी कहा कि मामले में जिस जगजीत सिंह ने शिकायत की है, वह घटना का चश्मदीद गवाह नहीं है और उसकी शिकायत सिर्फ अफवाह पर आधारित है। रोहतगी ने ये भी कहा था कि उनका मुवक्किल अपराधी नहीं है और ना ही उसका आपराधिक इतिहास है। बता दें कि तीन अक्टूबर 2021 में उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी के तिकोनिया में किसान डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के दौरे का विरोध करते हुए प्रदर्शन कर रहे थे। आरोप है कि आशीष मिश्रा की कार ने विरोध प्रदर्शन कर रहे किसानों को रौंद दिया, जिसमें चार किसानों की मौत हो गई थी। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने एसयूवी सवार लोगों पर हमला कर दिया था, जिसमें कार के ड्राइवर और दो भाजपा कार्यकर्ताओं की मौत हो गई थी। हिंसा के दौरान एक पत्रकार की मौत समेत इस मामले में कुल आठ लोगों की जान गई थी। आशीष मिश्रा इस मामले में मुख्य आरोपी है। आशीष मिश्रा ने जमानत के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी, जिसे हाईकोर्ट ने मंजूर कर लिया था लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट को निर्देश दिया कि पीड़ित पक्ष को पर्याप्त मौका देकर ही हाईकोर्ट जमानत याचिका पर फैसला सुनाए। इसके बाद हाईकोर्ट ने फिर से मामले पर सुनवाई की और आशीष मिश्रा की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। इस पर आशीष मिश्रा ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। जहां से अब आशीष मिश्रा को आठ हफ्ते की सशर्त जमानत मिल गई है।

माता की मूर्ति के आगे चोरों ने किया प्रणाम

मांगी माफी और आभूषण उतार दानपात्र भी किया साफ

कन्नौज, 25 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कन्नौज जिले में चोरों ने भी भगवान के घर में बड़े ही धार्मिक ढंग से चोरी की घटना को अंजाम दिया है. चोर पहले तो सर्द रात में चुपके से मंदिर का ताला तोड़कर माता के मंदिर में घुसे और फिर मंदिर में घुसते ही चोरों ने माता के आगे पहले सर झुका कर प्रणाम किया और फिर उनके आभूषण उतार कर भगवान को ही लूट लिया. चोरों की यह घटना मंदिर में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई. चोर किस तरह से मंदिर में घुसे और किस तरह से घटना को अंजाम दिया है. फिलहाल चोरों द्वारा की गई यह घटना पुलिस के लिए चुनौती है और आम लोगों के लिए डर और दहशत का कारण बन गई है. घटना तिर्वा कोतवाली क्षेत्र के मां काली मंदिर की है. मां काली मंदिर में देर रात तीन चोर चुपके से चोरी करने के नियत से दाखिल हुए चोरों ने चोरी करने से पहले माता की मूर्ति को निहारा और उनके चरणों में अपना प्रणाम किया. जाहिर सी बात है चोरों ने भी भगवान से अपने इस कृत्य की सर झुका कर माफी मांगी होगी.

सड़क पर लेटे लोग बोले- हमारे ऊपर से गाड़ी ले जाइये सर...

'घर' में ही तेजस्वी यादव को जनता के कोप का होना पड़ा शिकार

पटना, 25 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को अपने चुनावी क्षेत्र राघोपुर में जबरदस्त विरोध का सामना करना पड़ा। कहीं पक्की सड़क की मांग को लेकर लोगों ने तेजस्वी यादव का विरोध किया तो कहीं छात्रों ने डिप्टी सीएम का रास्ता रोका। बता दें कि तेजस्वी यादव राघोपुर में करीब 60 करोड़ की विकास योजनाओं की शुरुआत करने के लिए पहुंचे थे लेकिन मलिकपुर गांव में महादलित समुदाय के लोगों ने तेजस्वी यादव का रास्ता रोक दिया। वे सड़क पर लेट गए और मांग करने लगे कि तेजस्वी यादव पक्की सड़क की घोषणा करें। इसके बाद तेजस्वी का काफिला जैसे ही आगे बढ़ा वैसे ही छात्रों ने उनके काफिले को रोक दिया और विरोध करना शुरू कर दिया। वे डिग्री कॉलेज और स्टेडियम के मुद्दे पर तेजस्वी यादव से बात करना चाहते थे। कारकेड की पुलिस भागती पहुंची और लोगो को खींच-खींचकर सड़क से हटाती दिखी। उसके बाद पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकरियों को तेजस्वी यादव से मिलवाया। विरोध कर रहे हरेंद्र दास ने बताया कि 34 साल से बने महादलित टोले के लिए एक पक्की सड़क का निर्माण नहीं हुआ, जिससे परेशान होकर हम लोगों ने विरोध किया है। उन्होंने कहा कि यहां दबंग जाति के लोग महादलित टोला तक सड़क नहीं बनने दे रहे हैं। मुख्यमंत्री एवं उप मुख्यमंत्री को भी आवेदन दे चुके हैं, आज भी आवेदन दिया लेकिन कोई ठोस आश्वासन नहीं दिया गया। वहीं प्रदर्शन कर रहे एक और युवा ने बताया कि हम लोगों को सड़क चाहिए। हमारे बच्चे कीचड़ में आते-जाते हैं। हम लोगों को मलिकपुर की महादलित बस्ती में सड़क चाहिए। आज तेजस्वी यादव बस घोषणा कर दें सड़क के लिए नहीं तो हमारे शरीर पर गाड़ी चढ़ा कर जाएं। लोगों को समझा बुझाकर तेजस्वी यादव का काफिला कुछ दूर ही बढ़ा कि नगरगांवा गांव मे छात्रों के एक गुट ने तेजस्वी के काफिले को रोक विरोध शुरू कर दिया। काफी जद्दोजहद के बाद तेजस्वी यादव कार्यक्रम स्थल तक पहुंच पाए।

दुल्हन मेहंदी लगा करती रही दूल्हे का इंतजार, दूल्हा हो गया फरार! एफआईआर दर्ज

फतेहपुर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है.यहां दूल्हा शादी के दिन घर से फरार हो गया और दुल्हन हाथों में मेहंदी लगाकर दूल्हे का इंतजार करती रही. बताया जा रहा है कि जब बारात घर नहीं पहुंची तो दुल्हन की मां दूल्हे के घर जा पहुंची. वहां जाकर पता चला कि दूल्हा घर से भाग गया है. इसके बाद पीड़िता की मां ने पुलिस में शिकायत की. पुलिस ने दहेज समेत कई अन्य धाराओं में केस दर्ज करते हुए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है. ये पूरा मामला फतेहपुर जिले के ललौली थाना क्षेत्र से सामने आया है. यहां शादी के दिन दुल्हन हाथों में मेहंदी लगाकर दूल्हे का इंतजार कर रही थी, लेकिन जब शाम तक बारात घर नही पहुंची तो दुल्हन की मां और उसका भाई दूल्हे के घर जा पहुंचे.

बीजेपी विधायक ने अलमारी तोड़कर चुराए कीमती दस्तावेज

पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

पटना, 25 जनवरी (एजेंसियां)। बिहार के पश्चिम चंपारण के नरकटियागंज विधानसभा की बीजेपी विधायक रश्मि वर्मा पर चोरी का आरोप लगा है. पुलिस ने कहा कि बीजेपी की विधायक पर चोरी के आरोप में मामला दर्ज किया गया है. पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि नरकटियागंज की विधायक पर अपने समर्थकों के साथ कॉलेज परिसर में घुसने और महत्वपूर्ण दस्तावेजों को चुराने का आरोप है. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार कॉलेज के प्रिंसिपल अभय कांत तिवारी ने शिकारपुर थाने में बीजेपी विधायक वर्मा समेत 25 लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है, जिसके आधार पर मामला दर्ज किया गया है. शिकायतकर्ता तिवारी ने पुलिस को बताया कि वह 17 जनवरी को एक मुकदमे के वकील से मिलने पटना गए थे. इस दौरान उन्होंने अपना प्रभार दूसरे फैकल्टी विवेक पाठक को दे दिया था. इसी दौरान कॉलेज परिसर में चोरी की वारदात हुई है.

अलमारी तोड़ ले गई कीमती दस्तावेज

पुलिस में दर्ज शिकायत में तिवारी ने कहा, "मुझे सूचित किया गया कि नरकटियागंज विधायक रश्मी वर्मा के नेतृत्व में लोगों का एक समूह कॉलेज परिसर में घुसा, चूंकि वे बड़ी संख्या में थे. विवेक पाठक अपनी जान बचाने के लिए कॉलेज से भाग निकले. विधायक वर्मा के समर्थक हर कमरे में घुस गए. अलमारी तोड़ दी और कीमती दस्तावेज ले गए."

पुलिस ने विधायक समेत अन्य लोगों पर दर्ज की एफआईआर

कॉलेज प्रिंसिपल तिवारी की शिकायत के आधार पर विधायक व अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है. नरकटियागंज शिकारपुर पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने बताया, "हमें शिकायत मिली और विधायक और अन्य लोगों के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर संख्या 53/27) दर्ज की गई है." हालांकि, बीजेपी विधायक रश्मि वर्मा ने आरोपों का खंडन किया है. कहा कि उन्हें अपने खिलाफ किसी शिकायत की जानकारी नहीं है. समाचार एजेंसी से बात करते हुए उन्होंने कहा, "मुझे कोई एफआईआर कॉपी नहीं मिली है. मुझे नहीं पता कि मेरे खिलाफ पुलिस शिकायत क्यों दर्ज की गई. अगर कोई मेरे खिलाफ थाने में शिकायत करता है तो यह पुलिस का कर्तव्य है कि वह मुझसे पहले पूछे और फिर प्राथमिकी दर्ज करे."

बागेश्वर महाराज के समर्थन में मुस्लिम नेत्री

रूबी आसिफा खान ने की हिंदू राष्ट्र की मांग

अलीगढ़, 25 जनवरी (एजेंसियां)। अक्सर विवादों में घिरीं रहने वाली मुस्लिम नेत्री रूबी आसिफा खान ने बागेश्वर महाराज के समर्थन में बड़ा बयान दे दिया है. साथ ही हिंदुस्तान को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की मांग की है. मुस्लिम नेत्री रूबी आसिफ खान ने कहा कि भारत देश को हिन्दू राष्ट्र घोषित किया जाए. दरअसल बागेश्वर महाराज धीरेंद्र शास्त्री जी के चमत्कारी कारनामों की वजह से विवाद में घेरे जाने पर चर्चा में है. इसी विषय पर कुछ लोग बागेश्वर महाराज के समर्थन में है तो कुछ लोग बागेश्वर महाराज के विरोध में है. इन्ही वाद विवाद के चलते अक्सर अपने कारनामे व विवादित बयानों को लेकर सुर्खियों में अलीगढ़ की रहने वाली मुस्लिम नेत्री रूबी आसिफ खान ने बागेश्वर महाराज का समर्थन किया है. तस्वीर महल स्थित प्रेस क्लब में प्रेस वार्ता के दौरान मुस्लिम नेत्री रूबी आसिफ खान ने कहा कि, यह जो बागेश्वर महाराज पर आरोप लगाए जा रहे हैं वो निराधार हैं. उन्होंने कहा कि वह आमजन की बात करते हैं. अपने धर्म की बात करते हैं, इससे लोगों को समस्या क्यों है. साथ ही साथ रूबी आसिफ ने कहा कि अगर वह हिंदू राष्ट्र की बात करते हैं तो भारत को बिल्कुल हिंदू राष्ट्र घोषित कर देना चाहिए. उन्होंने कहा कि अगर भारत हिंदू राष्ट्र घोषित हो जाता है तो यहां सभी लोग मिलकर रहेंगे. इसीलिए हिन्दू राष्ट्र घोषित होना चाहिए.

अपार्टमेंट हादसा मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय कमेटी गठित

पूर्व सपा नेता की मां की मौत

लखनऊ, 25 जनवरी (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ के हजरतगंज इलाके के पांच मंजिला अलाया अपार्टमेंट के ढह जाने की जांच के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर तीन सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है। इस कमेटी में लखनऊ के आयुक्त रोशन जैकब, संयुक्त पुलिस आयुक्त लखनऊ पीयूष मोर्डिया और चीफ इंजीनियर पीडब्ल्यूडी लखनऊ को शामिल किया गया है। यह कमेटी एक सप्ताह में जिम्मेदार लोगों को चिह्नित कर रिपोर्ट देगी। उधर, पूर्व सपा नेता जीशान हैदर की मां की हादसे में मौत हो गई। डॉक्टरों ने उनकी मौत की पुष्टि की है। हजरतगंज में अलाया अपार्टमेंट जिस जमीन पर बना था वह सपा के पूर्व मंत्री शाहिद मंजूर के बेटे व भतीजे की है। हालांकि, उनके परिवार का कोई सदस्य इस हादसे के समय अपार्टमेंट में नहीं था। एलडीए ने पूर्व मंत्री के बेटे नवाजिश और भतीजे तारिक तथा बिल्डर फहद याजदान को अवैध निर्माण के लिए

नोटिस भेज दिया है। अपार्टमेंट का निर्माण करीब 4000 वर्ग फीट पर किया गया था। पांच मंजिला इस इमारत को बनाने के समय न सेटबैक छोड़ा गया और न जरूरी संपर्क रास्ता। एल डीए के एक अधिकारी के मुताबिक अभी तक इमारत का कोई नक्शा सामने नहीं आया है। उधर, हादसे के बाद अभी भी राहत व बचाव कार्य जारी है। घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। मौके पर एसडीआरएफ की टीम व कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद हैं। हादसे के शिकार एक बुजुर्ग रामप्रकाश ने बताया कि हादसे से ऐसा लगा मानो भूचाल आ गया हो। सब जगह अंधेरा सा छा गया। पिछले छह से सात दिनों से ड्रिल मशीन से काम चल रहा था। उन्होंने कई बार पूछा भी बच्चों की पढ़ाई भी हो रही है। ड्रिल मशीन सुबह से चलती है तो कितनी परेशानी होती है। राम प्रकाश ने बताया कि उनकी कार और बाइक मलबे में दब गई।

जवानों ने झोंक दी पूरी ताकत

पुलिस, एसडीआरएफ, सेना और

दमकल के जवानों ने जिंदगियां बचाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी। वह खुद की परवाह किए बगैर मलबे में दबी जिंदगियों को बाहर निकालने में जुटे रहे। मलबे में जैसे ही कोई दिखता, जवान राहत की सांस लेते थे। उसके तत्काल बाहर निकालकर मेडिकल टीम को सुपुर्द कर देते थे। एंबुलेंस उसे अस्पताल ले जाया जाता था। ये सिलसिला रातभर चलता रहा।

मलबा हटाने के लिए तीन जेसीबी लगाई गईं।

एसडीआरएफ की टीम अपने आधुनिक उपकरणों से मलबे को काट-काटकर हटाते रहे। जेसीबी से ऊपरी मलबा हटाया जाता रहा, क्योंकि अगर गहराई से जेसीबी चलाते तो दबे लोगों के उससे घायल होने की संभावना हो जाती। इसलिए हाथों वाली ड्रिलिंग मशीन से एहतियात बरतते हुए मलबा हटाया गया। सेना की मेडिकल टीम भी मौके पर पहुंची। घटना पर ही ये टीम घायलों का प्राथमिक उपचार करने लगीं। जिससे इलाज में किसी तरह की देरी न हो।

पूर्व मंत्री और सांसद के रिश्तेदार ने भाई और भतीजी को मारी गोली, पति-पत्नी और बेटा गिरफ्तार

शिवहर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। शिवहर जिले के तरियानी प्रखंड के हिरम्मा थाना क्षेत्र के माधोपुर छाता गांव बुधवार की अलसुबह भूमि विवाद में शख्स ने अपने ही भाई और भतीजी को गोली मार दी। घटना में गंभीर रूप से जख्मी विमल किशोर सिंह (55 वर्ष) व उसकी पुत्री दिव्या कुमारी (28 वर्ष) को सुबह पांच बजे शिवहर शहर स्थित सरोजा सीताराम सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से दोनों को एसकेएमसीएच मुजफ्फरपुर रेफर कर दिया गया है। दोनों की हालत बेहद गंभीर बताई गई है। एसडीपीओ संजय कुमार पांडेय ने बताया कि भूमि विवाद में घटना को अंजाम दिया गया है।

देशभक्ति जाहिर करने के लिए बेस्ट हैं मेंहदी के ये डिजाइन

पूरे देश में गणतंत्र दिवस मनाने की तैयारियां काफी जोरों-शोरों पर हैं। स्कूलों और ऑफिसों में सजावट शुरू हो गई है। बाजार तिरंगे के रंगों से गुलजार हैं। हर जगह लोग देशभक्ति के रंग में डूबे हुए हैं। इस दिन लोग अपने-अपने तरीके से देशभक्ति जाहिर करते हैं। ऐसे में महिलाएं गणतंत्र

दिवस के कार्यक्रम के लिए अपने हाथों में मेहंदी भी लगाती हैं। देशभक्ति जाहिर करने का ये एक बेहद ही अनोखा तरीका है।

अगर आप भी गणतंत्र दिवस के दिन मेहंदी लगाने का सोच रहीं हैं तो ये खबर खास आपके ही लिए है। इस खबर में हम आपको गणतंत्र दिवस के हिसाब से कुछ ऐसी मेहंदी की डिजाइन्स दिखाएंगे, जो कि सबसे अलग होंगी। अगर आप इन मेहंदी की डिजाइन्स को अपने हाथों पर बनवाएंगी तो हर कोई आपकी तारीफ करेगा। आइए अब देर ना करते हुए आपको गणतंत्र दिवस के हिसाब से मेंहदी की डिजाइन दिखाते हैं।

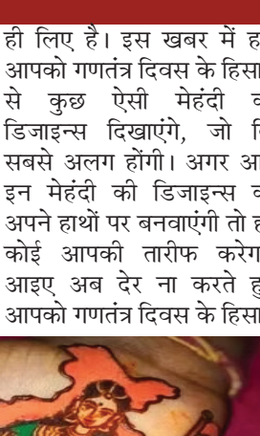

हाथों पर दिखाएं भारत की खूबसूरती

अगर आप गणतंत्र दिवस के दिन मेहंदी लगाने का सोच रही हैं तो इस तरह की डिजाइन

हाथों पर काफी सुंदर दिखेगी। इस डिजाइन में आप लाल किले पर तिरंगा फहरता हुआ दिखा सकती हैं। इसमें तिरंगे को सैल्यूट मारते लोग भी काफी अच्छे लगेंगे।

मेहंदी में दिखाएं स्वतंत्रता

सैनानियों का संघर्ष

बिना किसी स्वार्थ के देश की आजादी के लिए ना जानें कितने स्वतंत्रता सैनानियों ने अपनी जान गंवाई है। ऐसे में उन्हें सम्मान देते हुए आप अपनी मेहंदी स्वतंत्रता सैनानियों के नाम समर्पित कर सकती हैं।

हथेली पर बनाएं भारत माता

अगर आपके हाथ में तिरंगा पकड़े भारत माता की तस्वीर बनी होगी तो ये देशभक्ति दिखाने का सबसे अलग और अनोखा तरीका लगेगा। हालांकि इस डिजाइन पर काम करना थोड़ा मुश्किल रहेगा।

लहराते तिरंगे के साथ दिखाएं भारत की एकता

आपके हाथ की हथेली पर अगर तिरंगा लहराता दिखेगा तो ये काफी यूनिक लगेगा। इसके साथ ही देश की एकता की मिसाल भी आप अपनी मेहंदी में दिखा सकती हैं।

गणतंत्र दिवस पर पहनना है ट्रेडिशनल सारा अली खान से लें टिप्स

26 जनवरी जोकि गणतंत्र दिवस के तौर पर मनाया जाता है। इस दिन की तैयारियां पूरे देश में धूमधाम से हो रही हैं। चारों तरफ लोग अपने घरों-दफ्तरों को सजाने में जुटे हुए हैं। बच्चे अपने स्कूलों के लिए डांस तैयार कर रहे हैं। गणतंत्र दिवस के दिन ट्रेडिशनल कपड़े पहनने का भी काफी चलन है। लोग गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम में एथनिक वियर पहनना ज्यादा

पसंद करते हैं। कई जगहों पर तो एथनिक वियर का ड्रेस कोड जारी कर दिया जाता है।

लड़कियों के पास एथनिक में कई तरह के ऑप्शन होते हैं, जिस वजह से वो संशय में पड़ जाती है। अगर आप भी कपड़ों को चुनाव करते समय सोच में पड़ रहीं हैं, तो आपकी समस्या का समाधान हमारे पास है। दरअसल, गणतंत्र दिवस के लिए आप एक्ट्रेस सारा अली खान से टिप्स लें सकती हैं।

दरअसल, सारा अली खान को अक्सर एथनिक वियर पहने देखा जाता है। वो इसे काफी अच्छे से कैरी भी करती हैं, ऐसे में अगर आप भी गणतंत्र दिवस के दिन सारा की तरह स्टाइलिश दिखना चाहती हैं तो उन्हीं की तरह ट्रेडिशनल आउटफिट कैरी कर सकती हैं।

फ्लोरल प्रिंट के साथ पहनें अनारकली

अगर आपको फ्लोरल प्रिंट पसंद है तो आप सारा के इस लुक को आसानी से कैरी कर

सकती हैं। इस तरह का सूट आपको आसानी से बाजार में मिल जाएगा।

सारा ने फोटोज में लाइट पिंक कलर का फ्लोरल प्रिंट अनारकली सूट पहना है, जिस पर व्हाइट कलर के फ्लावर बने है। इस लुक के साथ मेकअप भी हल्का ही अच्छा लगेगा।

व्हाइट कलर का सूट

गणतंत्र दिवस के हिसाब से ऑल व्हाइट रंग सबसे बेस्ट है। अगर आप व्हाइट कलर ही कैरी करने का सोच रहीं हैं तो इन फोटोज पर नजर डालें। इस लुक के साथ आप बालों में पोनीटेल बना सकती है।

पंजाबी पटियाला सूट

अगर आप पंजाबी लुक क्रिएट करना चाहती हैं तो सारा के इस लुक से टिप्स लें सकती हैं। इस लुक में कैरी करके आप पंजाब को रिप्रेजेंट करती नजर आएंगी जो आपको काफी अलग और खूबसूरत लगने में मदद करेगा।

व्हाइट शॉर्ट कुर्ता और पलाजो

आज कल पलाजो पहनने का काफी चलन है। ऐसे में आप भी गणतंत्र दिवस के अवसर पर व्हाइट कुर्ते के साथ पलाजों कैरी कर सकती है। ये काफी स्टाइलिश लगेगा।

पिंक साड़ी लगेगी गजब

अगर आप गणतंत्र दिवस के दिन साड़ी पहनने का सोच रही हैं, तो सारा के इस लुक से टिप्स लें सकती हैं। पिंक कलर की साड़ी के साथ आपके खुले बाल काफी खूबसूरत लगेंगें।

पं. गंगाराम ऐतिहासिक अध्याय से कम नहीं

एक साधारण से परिवार में जन्म लेकर जैसे स्वाति नक्षत्र की बूंद सीप में पडकर मोती बन जाती है वैसे ही पं. गंगाराम एडवोकेट का जीवन अपने आप में इतिहास का एक अध्याय बन गया है। निर्भीकता और साहस मनुष्य से कहां से कहां पहुंचा देता है इसकी साकार प्रतिमूर्ति है स्व पं.गंगाराम। बासर ग्राम के निकट उफनती गोदावरी नदी में डूबती एक बाल विधवा को प्राण हथेली पर रख कर बचाने कि अदम्य साहसिक घटना से पं. गंगाराम का बाल्य जीवन की सेवा कहानी आरंभ होती है। जब वे केवल सत्रह वर्ष के ही थे। इस साहस भरी वीरता के लिए सरकार ने उनको पुरस्कृत व सम्मानित भी किया था। गंगाराम का जनम सन् 1916 में उस दिन हुवा जब प्रकृति धरती के नव श्रृंगार के परिधान से परिवेष्ठित करती है। बसन्त पंचमी आठ फरवरी मंगलवार के दिन हैदराबाद के हुसेनी आलम (चंद्रिकापुर) में यह चांद ऊपर से शान्त चन्द्रमा किन्तु भीतर से अग्नि की चिनगारी के रूप में उत्पन्न हुआ। 18 वर्ष की आयु में सरकारी नौकरी में लग गए। जब देखा कि निजामी शासन नादिर शाह के अत्याचार के पद चिन्हों पर चल रहा है तो पं. गंगाराम के ह्रदय में क्रांतिकारी भव जाग उठा । तत्कालीन कान्तिकारी नेता पं. दत्तात्रेय प्रसाद एडवोकेट के सहयोगी के रूप में आप में क्रान्ति कारी जीवन जाग उठा। आपने दत्तात्रेय प्रसाद के नेतृत्व में आर्यन डिफेंस लीग की स्थापना की। मोजमजाही मार्केट के निकट पहले बम विस्फोट से तत्कालीन शासक मीर उस्मान अली निजाम के विरुद्ध सशस्त्र विद्रोह का स्वर गूंज उठा। तभी चिकोनिया वाले काण्ड में आपको निज़ाम ने जेल की सीखचों में भेज दिया। अपराध मुक्त से छूटे ही थे कि फिर प्रतापसिंह बम केस में गिरफ्तार कर लिए गए। इन परिस्थितियों में सरकारी प्रशासनिक सेवा में रहना कठिन हो गया तो नौकरी को लात मार कर भूमिगत हो गए। तभी सन 1940 में सत्याग्रह विजय के उपरांत चारों ओर आर्य समाज का प्रभाव जंगल में आग की तरह फैल रहा था तब निश्चय हुआ कि हैदराबाद में हिन्दी माध्यम से एक हाई स्कूल खोला जाए। निज़ाम शासन राजकीय मान्यता देने को तैयार न था। सत्याग्रह में बची लगभग चालीस हजार रूपए की सहायता सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा देहली ने देना स्वीकार किया तब केशव स्मारक आर्य विद्यालय की स्थापना में पं. गंगाराम जीने सक्रिय योगदान दिया और इसी विद्यालय में एक अध्यापक के रूप में जुट गए। कुछ समय बाद आपने विद्यालय की सेवा का परित्याग कर दिया और अमृतसर, पंजाब में विरजानंद ब्रह्मचर्य आश्रम के संचालन में योगदान किया। इस संस्था के संरक्षक के रूप में भारतीय स्वतन्त्रता तक कार्य करते रहे।

इससे पूर्व सन् 1942 में आप उस्मानिया विश्वविद्यालय की ओर से भारतीय वायु सेना में चुन लिये गए किन्तु जनता के सैनिक को विदेशी शासन का सैनिक बनना जचां नहीं । अंग्रेजों के विरुद्ध भारत छोड़ो आन्दोलन देश में पूरे यौवन पर था। तब आप पर जबान बन्दी का प्रतिबन्ध लगा दिया गया और दूसरी ओर केशव स्मारक विद्यालय की सेवा से प्रशासन ने ही आपको निकालने के आदेश जारी कर दिए। वरंगल पंचम आर्य महा सम्मेलन के आप संयुक्तमंत्री तथा आर्य प्रतिनिधि सभा के उपमंत्री चुने गए। सभा के संगठन के सुदृढ़ करने में आपकी भूमिका महत्त्वपूर्ण सिद्ध हुई। सन् 1946 में निज़ाम सरकार ने आपके निवास स्थान की तलाशी ली और आपके नाम वारंट जारी कर दिए। परिणामतः आपको फिर भूमिगत होना पड़ा।इन्ही दिनों नोवाखाली का हत्याकांड हुआ और आप बंगाल असम रिलीफ सोसायटी के महामंत्री नियुक्त हुए। महात्मा गांधी के साथ रहने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। कई दिन महात्मा गांधी के साथ रहे और फिर उनके आदेश से पटना (बिहार) व असाम का दौरा किया। वहां से लौटकर आप आर्य महासम्मेलन जालना के स्वागताध्यक्ष मनोनीत हुए।

1947 में आर्य प्रतिनिधि सभा हैदराबाद के मंत्री निर्वाचित हुए। 29 जुलाई 47 को रजाकारी आन्दोलन के समय आपको निजाम शासन ने नजरबन्द कर दिया। 25 दिसम्बर को अनेक साथियों के साथ जेल से फरार हो गए। पुलिस एक्शन के बाद लातूर में आर्य महा सम्मेलन का अभूतपूर्व सफल आयोजन किया। इतना ही नहीं सन् 1954 में सार्वदेशिक आर्य महा सम्मेलन के आप स्वागतध्यक्ष निर्वाचित हुए और श्री कोतुरी सीतय्या गुप्त ने इस समारोह को सफल बनाने में दिन रात एक कर दिया परिणामतः सारे देश में सम्मेलन की सफलता की चर्चाएं होती रहीं। आपने कुछ राजनीति में भी कांग्रेस में कार्य किया। हैदराबाद नगर निगम के आप सदस्य निर्वाचित हुए। जिस किसी पद पर आप रहे, अत्यन्त प्रामाणिकता और निष्ठा से अपने दायित्व और कर्तव्यों को पूरा करते रहे। जैसे हिन्दी साहित्य के महाकवि बिहारी के बारे में कहा जाता है कि

सतसइया के दोहरा जो नावक के तीर। *देखन में छोटे लगे, घाव करे गंभीर।।*

यही बात पं.गंगाराम जी के व्यक्तिव और कार्य के संदर्भ में भी सटीक कही जा सकती है। जीवन की एक इस मौन साधना करते पं. गंगाराम का अध्यात्मिक जीवन, जीवन की उस ऊंचाई तक पहुंच गया था कि वे अब भीतर से आत्मिक उन्नति में अग्रसर हो उठे थे।

सर्दियों में फटी एडियों के लिए अपनाएं केले के छिलके का ये उपाय

सर्दियों का मौसम शुरू होने वाला है. सर्दियां आते ही हाछ और पैर की एडियां फटने लगती हैं. ऐसे में कुछ घरेलू उपाय को अपनाकर आप इस समस्या से बच सकते हैं. ऐसे में आज हम आपको पैरों को मुलायम रखने का एक ऐसा आसान तरीका बता रहे हैं, जिसकी मदद से आप आसानी से अपने पैरों की खूबसूरती बरकरार रख सकती हैं. पैरों की खूबसूरती बरकरार रखने के लिए आप केले के छिलकों का इस्तेमाल कर सकती हैं.

केले के छिलके के फायदे

केले में आयरन भरपूर मात्रा में पाया जाता है और इसीलिए यह एनीमिया की समस्या में भी रामबाण माना जाता है. केले के छिलके को आप अपने पैरों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए इस्तेमाल कर सकती हैं.

केले के छिलके से इस तरह पाएं कोमल पैर

फटी एडियों की समस्या से छुटकारा पाने के लिए और पैरों को सॉफ्ट बनाने के लिए आप केले के छिलकों का इस्तेमाल कर सकते हैं. इसके लिए सबसे पहले पैरों को अच्छी तरह से साफ कर लें ताकि केले के छिलके में पाए जाने वाले तत्वों को एब्जॉर्ब किया जा सके. इसके बाद केले के छिलके को पैर के तलवे पर मलें. दरारों वाले हिस्से पर केले का छिलका विशेष रूप से मलें. 5 मिनट तक मसाज करने के बाद पैरों को गुनगुने पानी से धो लें.

छाती में हो रही जलन तो हो सकता है फैटी लिवर का संकेत

आज के समय में फैटी लिवर की बीमारी बेहद ही आम हो गई है। डब्ल्यूएचओ की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में हर साल 10 लाख लोग फैटी लिवर की बीमारी से जूझते हैं। आज के समय में खराब खानपान, शराब का अधिक सेवन, धूम्रपान, अव्यवस्थित जीवनशैली और कोई फिजिकल एक्टीविटी ना करने के कारण लोग फैटी लिवर की बीमारी की चपेट में आ जाते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक फैटी लिवर डिजीज से ग्रस्त लोगों के लिवर में सूजन या सिकुड़न आ सकती है।

फैटी लिवर के मरीजों को कई तरह की अन्य स्वास्थ्य समस्याएं होने लगती हैं। कई बार तो स्थिति इतनी गंभीर हो जाती है कि लिवर का ट्रांसप्लांट तक करवाना पड़ जाता है। लिवर शरीर के प्रमुख अंगों में से एक है, जो खाने को पचाने, पोषक तत्वों को प्रोसेस करने और विषाक्त पदार्थों को दूर करने में मदद करता है।

फैटी लिवर की बीमारी को साइलेंट किलर भी कहा जाता है। क्योंकि इसके लक्षण आसानी से सामने नहीं आते। इस कारण

अक्सर लोग छाती के दर्द को सामान्य समझ लेते हैं लेकिन कई बार यह फैटी लिवर का भी संकेत हो सकता है। ऐसे में अगर आपको छाती में दर्द की परेशानी हो रही है तो तुरंत अपने डॉक्टर से परामर्श लें।

फैटी लिवर के लक्षणः फैटी लिवर की बीमारी से ग्रसित मरीजों को पेट के दाहिने हिस्से में दर्द और सूजन की परेशानी होती है। इसके अलावा वजन कम होना, थकान, कमजोरी, छाती में दर्द, पैरों में सूजन, भूख की कमी आंखों का रंग हल्का होना, त्वचा पर पीले धब्बे या फिर ब्लड क्लॉट, भ्रम की स्थिति और पेशाब का रंग गहरा होने की समस्या हो सकती हैं।

फैटी लिवर के मरीज इन चीजों का सेवन करने से बचें: फैटी लिवर के मरीजों को शराब, सोडा, सॉफ्ट ड्रिंक और धूम्रपान आदि का सेवन करने से परहेज करना चाहिए। हेल्थ एक्सप्रट्र्स फैटी लिवर के मरीजों को फलों के रस का सेवन करने से भी बचने की सलाह देते हैं। क्योंकि फलों में फ्रुक्टोज की अधिक मात्रा होती है, जो लिवर के लिए हानिकारक साबित होते हैं।

दूध के साथ जलेबी खाना सेहत के लिए काफी फायदेमंद

सर्दियों के मौसम में गर्मागर्म जलेबी का मजा ही कुछ और होता है. दशहरे के दिन भी जलेबी खाने की परंपरा होती है. बहुत सी जगहों पर दूध के साथ जलेबी खाई जाती है. दूध के साथ जलेबी खाना सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है. आज हम आपको बताते हैं दूध व जलेबी को एक साथ खाने के बेमिसाल फायदे बताने जा रहे हैं ।

दूध-जलेबी खाने के फायदे

स्ट्रेस होता है कम- जलेबी का दूध के साथ सेवन करने से स्ट्रेस दूर होने में भी मदद मिलती है. एक्सपर्ट अनुसार, इससे खाने से एकाग्रता शक्ति तेज होती है. ये स्ट्रेस हार्मोन कम करने में मदद करते हैं.

सांस संबंधी बीमारी होती है दूर- दूध में जलेबी डालकर खाने से सांस संबंधी बीमारी से राहत मिलती है. अस्थमा के मरीजों को इसका सेवन करना चाहिए.

वजन बढ़ाए- जलेबी में कैलोरी की मात्रा काफी अध्क होती है. ऐसे में जो लोग मोटा होना चाहते हैं उन्हें दूध और जलेबी का सेवन करना चाहिए.

माइग्रेन में लाभदायक- दूध के साथ जलेबी खाने से सिरदर्द की समस्या से आराम मिलता है. एक्सपर्ट के मुताबिक यह माइग्रेन के दर्द को कम करने में भी मदद करता है. ऐसे में अगर सिरदर्द की समस्या से परेशान है तो इसे अपनी डेली डाइट में शामिल कर सकती है.

भारतीय रेलवे में कंफर्म टिकट की उम्मीदें होंगी ज्यादा!

रेलवे ने डेवलप किया नया सॉफ्टवेयर, सफल रहा ट्रॉयल

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय रेलवे ने प्रतीक्षा सूची को ठीक करने के लिए बनाए गए एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रोग्राम के बड़े पैमाने पर परीक्षण को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। एक नए युग की शुरुआत करते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस संचालित मॉड्यूल से रेलवे अपनी वेटिंग लिस्ट को पांच से छह प्रतिशत तक कम करने में सक्षम है।

परीक्षण के समय ज्यादातर यात्रियों के पास कन्फर्म टिकट थे

परीक्षण के अंत में बुकिंग के समय ज्यादातर यात्रियों के पास केवल कन्फर्म टिकट थे। रेलवे की इन-हाउस सॉफ्टवेयर शाखा सेंटर फॉर रेलवे इंफॉर्मेशन सिस्टम (सीआरआईएस) द्वारा विकसित, 'आइडियल ट्रेन प्रोफाइल' को राजधानी सहित लंबी दूरी की लगभग 200 ट्रेनों की जानकारी के साथ फीड किया गया था। रेलवे

बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर द इंडियन एक्सप्रेस को बताया, "अगर लंबी दूरी की ट्रेन में 60 पड़ाव हैं, तो AI ने 1800 संभावित टिकट संयोजनों के बारे में सीखा है। अगर 10 पड़ाव हैं, तो आम तौर पर लगभग 45 टिकट संयोजन होते हैं और इसी तरह आगे भी होते हैं।"

परीक्षण में शामिल अधिकारियों के अनुसार 'आदर्श ट्रेन प्रोफाइल' को एडवांस्ड रिजर्वेशन अवधि की शुरुआत में या ट्रेनों के प्रस्थान से 120 दिन पहले की अवधि में इस मामले में जनवरी के अंत में लाइव किया गया था। परीक्षण में सात क्षेत्रीय रेलवे में यात्री आरक्षण प्रणाली शामिल थी। अधिकारियों ने कहा कि रेलवे मई-जून की छुट्टियों की अवधि से पहले गड़बड़ी का पर्याप्त परीक्षण करने के लिए उत्सुक था, जब कन्फर्म टिकटों की मांग सबसे अधिक होती है। रेल भवन के प्रबंधकों ने आम तौर पर स्वीकार किया है कि बड़ी संख्या में उपयोगकर्ता रेलवे से केवल इसलिए दूर हो जाते हैं क्योंकि उन्हें कन्फर्म टिकट नहीं मिलता। रेलवे बोर्ड के अतिरिक्त सदस्य सुनील कुमार गर्ग ने एआई ट्रायल की शुरुआत में जोनल रेलवे के महाप्रबंधकों को लिखे पत्र में इसकी जानकारी दी।

अतिरिक्त यात्री ट्रेनों को शुरू करना एक चुनौती-सुनील गर्ग

सुनील गर्ग ने एक पत्र में लिखा, "लंबी दूरी की उच्च श्रेणी की एयरलाइनों और कम दूरी की यात्रा में बसों से बढ़ती प्रतिस्पर्धा चिंता का कारण रही है। आगे कुछ भीड़भाड़ वाले वर्गों में वृद्धि को पूरा करने के लिए अतिरिक्त यात्री ट्रेनों को शुरू करना एक चुनौती रही है। मौजूदा आरक्षित ट्रेनों के राजस्व को बढ़ाने के लिए एक मजबूत यात्री प्रोफ़ाइल प्रबंधन आधारित सीट-कोटा पुनर्वितरण की आवश्यकता काफी समय से महसूस की जा रही थी।"

रोटी हुई महंगी : आटा 1 साल में 40% महंगा

गेहूं का सरकारी स्टॉक जारी न होने पर और बढ़ सकते हैं भाव

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। आटा खुले में 38-40 रुपए और ब्रांडेड पैक में 45-55 रुपए प्रति किलो बिक रहा है। जनवरी 2022 में जो भाव थे, उसके मुकाबले ये 40% से भी ज्यादा है। कमोडिटी विश्लेषकों का कहना है कि सरकार यदि स्टॉक का गेहूं खुले बाजार में जारी नहीं करती है तो आटे के भाव में और तेजी आ सकती है।

निर्यात पर पाबंदी के बावजूद जनवरी में गेहूं के भाव 7-10% बढ़े

दरअसल देश में बीते कुछ समय से गेहूं के भाव लगातार बढ़ रहे हैं। निर्यात पर पाबंदी के बावजूद जनवरी में गेहूं के भाव 7-10% बढ़े हैं। चालू सीजन के लिए सरकार का न्यूनतम खरीद मूल्य (एमएसपी) 2,125 रुपए प्रति क्विंटल है। लेकिन मंगलवार को इंदौर में गेहूं के भाव 31,00 रुपए प्रति क्विंटल के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए।

दिल्ली में गेहूं 3,150 रुपए बिका, जबकि देश के कई हिस्सों में ये 3200 रुपए से ऊपर निकल गया। इसका असर न सिर्फ आटे पर, बल्कि इससे तैयार होने वाले सभी प्रोडक्ट्स के दाम पर देखा जा रहा है।

एक माह में 20% तक तेजी

गेहूं महंगा होने से आटा, मैदा, सूजी के भाव भी महीने भर में 15-20% तक बढ़ चुके हैं। सरकार से ओपन मार्केट में गेहूं बेचने की उम्मीद कर रहे मिल मालिकों ने भी अब महंगे दाम पर ही गेहूं खरीदना शुरू कर दिया है। इससे आटा महंगा हो रहा है।

बफर स्टॉक से सरप्लस गेहूं, फिर भी खुले मार्केट में बिक्री नहीं

ओरिगो कमोडिटी के सीनियर मैनेजर इंद्रजीत पॉल ने बताया कि सरकारी गोदामों में करीब 115 लाख टन गेहूं है। ये बफर स्टॉक की सीमा 74 लाख टन से 41 लाख टन ज्यादा है। सरकार ने यदि 15 दिन में ओपन मार्केट सेल स्कीम के तहत गेहूं बाजार में नहीं बेचा तो आटे के भाव 5-6% और बढ़ सकते हैं।

अप्रैल से राहत की संभावना

पॉल ने बताया कि गेहूं का नया स्टॉक मार्च-अप्रैल में बाजार में आएगा। उसके बाद ही भाव में कमी आने की संभावना है। हालांकि इस बीच यदि सरकार अपना स्टॉक बेचती है तो भाव गिरने शुरू हो सकते हैं।

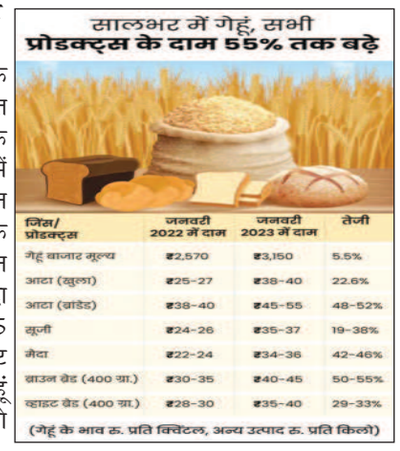

जिंस/प्रोडक्ट्स	जनवरी 2022 में दाम	जनवरी 2023 में दाम	तेजी
गेहूं बाजार मूल्य	₹2,570	₹3,150	5.5%
आटा (खुला)	₹25-27	₹38-40	22.6%
आटा (ब्रांडेड)	₹38-40	₹45-55	48-52%
सूजी	₹24-26	₹35-37	19-38%
मैदा	₹22-24	₹34-36	42-46%
ब्राउन ब्रेड (400 ग्रा.)	₹30-35	₹40-45	50-55%
व्हाइट ब्रेड (400 ग्रा.)	₹28-30	₹35-40	29-33%

(गेहूं के भाव रु. प्रति क्विंटल, अन्य उत्पाद रु. प्रति किलो)

जेम्स-ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमो. काउंसिल के चेयरमैन बोले-गोल्ड-सिल्वर प्लेटिनम पर आयात शुल्क कम हो

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। जेम्स-ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमो. काउंसिल (जीजेईपीसी) के चेयरमैन विपुल शाह का मानना है कि बजट-2023 में जेम्स एंड ज्वेलरी सेक्टर के हित में कई घोषणाएं की जा सकती हैं। गोल्ड, सिल्वर और प्लेटिनम पर अभी आयात शुल्क की दर ऊंची है। इसके चलते तस्करी बढ़ रही है। निर्यातकों की 500 करोड़ रुपए से ज्यादा की वर्किंग कैपिटल भी फंस जाती है।

विपुल के मुताबिक, सरकार अगर आयात शुल्क घटाकर 4% कर देती है तो काफी फायदा होगा। निर्यातक आधी से ज्यादा कार्यशील पूंजी इस्तेमाल कर पाएंगे। इसके अलावा हमें उम्मीद है कि सरकार स्पेशल नोटिफाइड जोन (एसएनजेड) के माध्यम से रफ डायमंड बेचने की अनुमति देगी। इससे भारतीय एसएमई सीधे इंटरनेशनल माइनिंग कंपनियों के साथ डील कर सकेंगे। बिचौलियों की भूमिका नहीं रह जाएगी और दुनियाभर में सप्लाई होने वाले रफ डायमंड का कम से कम 20% भारत के एसएनजेड पर शिफ्ट हो सकता है। इससे सरकार को सालाना 28-30 करोड़ रुपए की अतिरिक्त आय भी हो सकती है। जीजेईपीसी को उम्मीद है कि सरकार डायमंड इम्प्रेस्ट लाइसेंस फिर शुरू करेगी। इससे डायमंड निर्यातकों को अफ्रीकी माइनिंग कंपनियों की लाभकारी नीतियों का फायदा मिलेगा। 2025 तक ग्लोबल जेम्स-ज्वेलरी निर्यात में लैब ग्रोन डायमंड की हिस्सेदारी 10% से ज्यादा होने का अनुमान है। भारत को इसका फायदा मिल सकता है। हमने सरकार से अपील की है कि लैब ग्रोन डायमंड (एलजीडी) में इस्तेमाल होने वाली सीड पर आयात शुल्क शून्य किया जाए।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मकर	में	मकर-	06-07 बजे
चंद्र-	मीन	में	कुंभ -	07-57 बजे
मंगल	वृष	में	मीन...	09-36 बजे
बुध-	धनु	में	मेष--	11-11 बजे
गुरु-	मीन	में	वृष--	12-56 बजे
शुक्र-	कुंभ	में	मिथुन.	14-58 बजे
शनि-	कुंभ	में	कर्क...	17-09 बजे
राहु-	मेष	में	सिंह...	19-21 बजे
केतु-	तुला	में	कन्या..	20-28 बजे
			तुला	23-33 बजे
			वृश्चिक.	01-44 बजे
			धनु.....	04-01 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत -**1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् -**5123** वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् -**1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् -**2549,**हिजरी सन् -**1443**
ऋतु-शिशिरदिशाशूल- दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- पंचमी- **10 -28** तक उपरान्त षष्ठी
मास - माघ शुक्ल पक्ष , गुरूवार **Jan 26**
नक्षत्र -उत्तराभाद्रपद - **18 -56** तक उपरान्त रेवती
योग - शिव - **15 - 28** - तक उप सिद्ध
करण- बालव -**10 - 28** - तक उप- कौलव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - गणतंत्र दिवस ७४ वाँ

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल
13:53 से
15:18 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	06:53 - 08:15 शुभ	अमृत.	18:04 - 19:42 शुभ
रोग	08:15 - 09:40 अशुभ	चंचल.	19:42 - 21:18 शुभ
उत्पात	09:40 - 11:04 अशुभ	रोग.	21:18 - 22:53 अशुभ
चंचल	11:04 - 12:29 शुभ	काल.	22:53 - 00:29 अशुभ
लाभ.	12:29 - 13:53 शुभ	लाभ	00:29 - 02:04 शुभ
अमृत	13:53 - 15:18 शुभ	उत्पात	02:04 - 03:39 अशुभ
काल.	15:18 - 16:42 अशुभ	शुभ	03:39 - 05:15 शुभ
शुभ.	16:42 - 18:04 शुभ	अमृत	05:15 - 06:53 शुभ

आपका राशिफल

मेष धू धे धो ला ली लू ले लो आ

आज के दिन की खासियत आपकी किसी प्रभावी व्यक्ति से मुलाकात रहेगी जिसका प्रभाव आपके जीवन पर पर काफी लम्बे समय तक रहेगा आप किसी ऐसीस्थिति या व्यक्ति के संपर्क में भी आ सकते हैं जहाँ आपको विपरीत दृष्टिकोणों का सामना करना पड़ सकता है आपको रचनात्मक आलोचना को सही तरीके से ही लें।

वृष ई उ ए जो वा वी वू वे वो

आप सकारात्मक तरंगों से भरपूर हैं लेकिन इसे औरों के साथ ना बाँटें ,लोग आपकी सलाह का सम्मान नही करेंगे रचनात्मक उर्जा से भरे होने के बावजूद भी चुपचाप बैठा रहना आपके लिए तनाव का कारण बन सकता है,लेकिन इससे परेशान न हों आपकी पहचान को कोई नुकसान नही होगा,केवल इसमें देरी हो सकती है ।

मिथुन का की कू घ ङ झ के को हा

आज आप किसी भी ,अच्छे-बुरे तरीके से अपना लक्ष्य पा लेने के मूड में हैं काफी समय तक हाशिये पर रहने के बाद आपको आज अपने ग्रहों की बदौलत काफी आत्मविश्वास का अनुभव होगा आप अपनी मानसिक प्रवृति के आधार पर फैसले ले सकते हैं,यकीन मानिए वे सही ही साबित होंगे।

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

आज आप किसी के अहसान का बदला उतारने की दिशा में पहला कदम उठाएंगे यह कदम मानसिक ,वित्तीय या आध्यात्मिक हो सकता है लेकिन इसका अर्थ यह नही है कि आप आज अपने सारे अहसान उतार पायेंगे लेकिन आपको कम से कम यह संतुष्टि जरूर होगी कि आप ऐसा करने की दिशा में कदम तो उठा रहे हैं ।

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

आज आप खुद को अधिक समर्पित अनुभव करेंगे और सारा लंबित काम निपटा लेंगे ये सारा काम ख़त्म करके आपको एक तरह की संतुष्टि मिलेगी जिसे आपके अन्य करीबी भी नोट करेंगे इसका नतीजा यह होगा की आपको घर और कार्यस्थल ,दोनों ही जगह अधिक सराहना मिलेगी आज का दिन परिवार के साथ बिताने के लिए विशेष रूप से अच्छा है।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आज का दिन आपके लिए बहुत व्यस्त रहेगा ,या तो आपके पास मेहमान आयेंगे या आप किसी यात्रा पर जा सकते हैं इसी समय आप अपने घर का नवीकरण ,नया घर खरीदने या दूसरी जगह शिफ्ट होने के बारे में भी सोच सकते हैं हालाँकि आप पूरा दिन बहुत व्यस्त रहेंगे,फिर भी आप दिन का हरेक पल आनंद लेंगे।

तुला स री रु रे से ता तू ते

आपकी जीभ तेज है और मस्तिष्क तार्किक है लेकिन आपकी यह योग्यता आज आपकी असुरक्षित प्रवृति के कारण प्रभावित होगी हमेशा की तरह बहाव का विरोध करने के स्थान पर उसके साथ चलें आपको अनुभव से काफी कुछ सीखने को मिल सकता है जबकि अभिमान से आपको कुछ नही मिलेगा।

वृश्चिक तो मा मी मू मे मो य यी यू

आपके सामने इन दिनों कुछ नई चीजें आई हैं अपने सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहें पूछे गये प्रश्नों का जवाब दें आपको अभी और भी प्रयास करने हैं और इससे आपकी तरक्की की मजबूत नींव पड़ेगी इन सबके बीच खुद को तरोताजा करना और खुश रखना न भूलें ।

धनु ये यो भा भी मू धा फा ढा भे

आज हर कोई आपकी तरफ आकर्षित होगा सब आपकी समझ और शिष्टता से प्रभावित होंगे खूब प्रशंसा मिलेगी इस बेहतरीन समय का प्रयोग नए दोस्त बनाने और नए लोगों से मिलने जुलने में करें इससे आपके सामने नए अवसर खुलेंगे अपने आपको धरती से जुड़े कार्यकलाप जैसे बागवानी और प्राकृतिक दृश्यों के बीच सैर करने के लिए प्रेरित करें ।

मकर भे जे जी खी खू खो मा मी

आपको आज बहुत सारी चीजों से जुड़े अपने वादों को निभाना है अपनी सामजिक,वित्तीय तथा निजी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए तैयार रहें आपके परिजनों ,दोस्तों और सहकर्मियों ,सभी को आपसे मदद की अपेक्षा रहेगी और आप इस दबाव को सह पाने में बिलकुल समर्थ हैं आज अपने शब्दों और कामों,दोनों ही तरीको से लोगों की मदद करेंगे ।

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

आज अप्रत्याशित रूप से काफी खर्च हो सकता है आप कोई ऐसी चीज खरीद सकते हैं जिसकी आपको जरुरत नही है लेकिन आपको अच्छी लगती है,इससे आपकी वित्तीय स्थिति काफी प्रभावित भी होगी अपनी इस खर्च करने की प्रवृति पर नियंत्रण रखें तो दिन शांति से गुजर जाएगा आपको आज कुछ नयी वित्तीय योजनायें भी पता चलेंगी ।

मीन ढी ढू ध ज्ञ ञ दे दो घ घी

आज आप विशेषकर हलके फुल्के मूड में रहेंगे सब समस्याओं का सामना चेहरे पर मुस्कराहट के साथ करेंगे आज किसी विवाद में मैत्रीपूर्ण मध्यस्थ की भूमिका भी अदा कर सकते हैंआपकी मौजूदगी से ख़ुशी और रोनक रहेगी और शाम को पार्टी की जान बने रहेंगे आज आप काफी उर्जावान महसूस करेंगे ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

सेंसेक्स 773 अंक गिरकर 60,205 पर बंद

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन, यानी बुधवार (25 जनवरी) को भारी गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 773 अंक गिरकर 60,205 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 226 अंकों की गिरावट के साथ 17,891 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 22 में गिरावट देखने मिली।

वहीं सिर्फ 8 शेयरों में तेजी रही। अडाणी पोर्ट्स (6.13%), एसबीआई (4.35%), इंडसइंड बैंक, एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी, सिप्ला, एक्सिस बैंक और टेक महिंद्रा समेत निफ्टी-50 के 35 शेयरों में गिरावट रही। वहीं बजाज ऑटो, हिंदुस्तान यूनिलीवर, हिंडाल्को, ब्रिटानिया, मारुति और जेएसडब्ल्यू स्टील समेत निफ्टी के 15 शेयरों में तेजी देखने को मिली। एनएसई के सभी 11 सेक्टोरल इंडेक्स में गिरावट देखने को मिली। पीएसयू बैंक सेक्टर में सबसे ज्यादा 3.58% की गिरावट आई। बैंक और फाइनेंशियल सर्विसेज और प्राइवेट बैंक सेक्टर में 2% से ज्यादा की गिरावट रही। मीडिया, फार्मा, और रियल्टी सेक्टर 1% से ज्यादा गिरा। ऑटो, एफएमसीजी, आईटी और मेटल सेक्टर में भी गिरावट देखने को मिली।

इलेक्ट्रॉनिक चिप्स की कमी से छात्रों को मुफ्त लैपटॉप वितरण में देरी हुई : तमिलनाडु मंत्री

चेन्नई, 25 जनवरी (एजेंसियां)। तमिलनाडु के स्कूल शिक्षा मंत्री अनबिल महेश पोय्यामोझी ने कहा है कि राज्य सरकार द्वारा स्कूली छात्रों को लैपटॉप के मुफ्त वितरण में इलेक्ट्रॉनिक चिप्स की कमी के कारण रोड़ा अटक गया है। उन्होंने कहा कि बाजार में इलेक्ट्रॉनिक चिप्स की कमी के कारण लैपटॉप का उत्पादन प्रभावित हुआ है, जो लैपटॉप बनाने के लिए आवश्यक है।

उल्लेखनीय है कि एम.के. स्टालिन ने तमिलनाडु के 11 लाख सरकारी स्कूली छात्रों को मुफ्त में लैपटॉप बांटने की घोषणा की है। मंत्री ने बुधवार को यहां मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा कि सरकार इस पर काम कर रही है और इसका तुरंत समाधान निकाला जाएगा। छात्रों को लैपटॉप वितरण में देरी को लेकर सरकार की मीडिया और विपक्ष ने आलोचना की है और मंत्री के बयान को इसका जवाब माना जा सकता है।

सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के शिक्षकों और कर्मचारियों का वेतन लंबित था और मंत्री ने कहा कि यह सरकारी सहायता प्राप्त स्कूल कर्मचारियों के वेतन विवरण डाउनलोड करने में राजस्व विभाग की वेबसाइट के साथ कुछ मुद्दों के कारण था। मंत्री पोय्यामोझी ने कहा कि इस मुद्दे को सुलझा लिया गया है और वेतन वितरण सुचारू रूप से शुरू हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि अगर निजी स्कूलों द्वारा छात्रों से अधिक फीस वसूलने का कोई मामला सामने आता है तो सरकार को सतर्क होना चाहिए और कहा कि दोषी स्कूल प्रबंधन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

परेशानी : आउटलुक समेत माइक्रोसॉफ्ट की कई सेवाएं ठप

सोशल मीडिया ने कहा-छंटनी का असर है

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। माइक्रोसॉफ्ट की कई सेवाएं भारत में ठप हो गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक माइक्रोसॉफ्ट टीम्स और आउटलुक के ठप होने की खबर है।

कई यूजर्स लगातार इसे लेकर शिकायत कर रहे हैं। Downdetector.com ने भी इस आउटेज की पुष्टि की है। डाउनडिटेक्टर पर अभी तक 3,700 से अधिक यूजर्स ने शिकायत की है। आउटलुक के भी करीब 3,000 यूजर्स ने सेवा ठप होने की शिकायत की है।

इस आउटेज पर माइक्रोसॉफ्ट ने ट्वीट करके कहा है कि हम इस आउटेज की जांच कर रहे हैं। इससे माइक्रोसॉफ्ट 365 की कई सेवाएं बाधित हुई हैं। इस आउटेज का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि ट्विटर पर #MicrosoftTeams ट्रेंड करने लगा है। माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस 365 की सेवाएं बाधित होने के बाद ट्विटर यूजर्स मजे ले रहे हैं। कई यूजर्स का कहना है कि यह सब छंटनी का असर है। इसके अलावा कई मीम्स भी शेयर हो रहे हैं।

छंटनी के बाद ट्विटर भी हुआ था डाउन

इसे महज संयोग ही कहा जा सकता है कि माइक्रोसॉफ्ट ने हाल ही में छंटनी की है और सेवाएं तुरंत ठप हो गईं। इससे पहले पिछले साल नवंबर में ट्विटर की भी यही हालत हुई थी।

छंटनी के अगले दिन ही ट्विटर ठप हो गया था। 04 नवंबर 2022 की सुबह 3 बजे से यूजर्स को दिक्कत आ रही थी। ट्विटर डाउन होने पर भी सोशल मीडिया पर खूब मीम्स वायरल हुए थे।

बजट में वस्तुओं पर बढ़ सकता है सीमा शुल्क

एनबीएफसी सेक्टर को भी कर राहत की उम्मीद

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। भारत सरकार वित्त वर्ष 2023-2024 के आगामी बजट में निस्संदेह देश की आर्थिक नीतियों में कई बदलाव लाएगी। मीडिया रिपोर्ट्स में एक सरकारी अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि सरकार संभावित कस्टम ड्यूटी बढ़ोतरी के लिए 35 आइटम्स की लिस्ट पर मंथन कर रही है।

इस लिस्ट में निजी जेट, हेलीकॉप्टर, उच्च अंत इलेक्ट्रॉनिक आइटम, प्लास्टिक के सामान, आभूषण, उच्च चमक वाले कागज और विटामिन जैसी चीजें है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस कदम का उद्देश्य आयात को कम करना और इनमें से कुछ उत्पादों के स्थानीय विनिर्माण को प्रोत्साहित करना है। दिसंबर 2022 में, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने विभिन्न मंत्रालयों को टैरिफ वृद्धि के माध्यम से अपने आयात को नियंत्रित करने के लिए गैर-आवश्यक वस्तुओं की एक सूची बनाने के लिए कहा था। आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, भारत के चालू खाते के बैलेंस ने 2022-23 की दूसरी तिमाही में 36.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर (जीडीपी का 4.4 प्रतिशत) का घाटा दर्ज किया। 2022-23 की पहली तिमाही में 18.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर (जीडीपी का 2.2 प्रतिशत) और एक साल पहले 9.7 बिलियन अमेरिकी डॉलर (जीडीपी का 1.3 प्रतिशत) का घाटा हुआ था।

आरबीआई की रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 2022-23 की दूसरी तिमाही में बड़े पैमाने पर चालू खाता घाटे के पीछे अंतर्निहित कारक वस्तु व्यापार घाटे को 2022-23 की पहली तिमाही में 63.0 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 83.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई। करों में वृद्धि और आयात को कम करने के लिए सरकार की ओर से उठाया गया यह कदम स्थानीय उत्पादन बढ़ाने के लिए दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा हो सकता है जो घरेलू अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा।

पारंपरिक बैंकों की तुलना में ऋण देने या वितरित करने में तेजी से वृद्धि हुई है। एनबीएफसी सेक्टर को केंद्रीय बजट 2023 के दौरान वित्त मंत्री से बहुत सारी उम्मीदें हैं। फिन-टेक खिलाड़ियों की सबसे बड़ी अपेक्षा कर व्यवस्था का उदारीकरण है। स्टार्टअप्स को करों में राहत की उम्मीद है। सालाना 10 करोड़ रुपये के टर्नओवर तक जीएसटी नहीं लगने से छोटे और मध्यम उद्यमों (एसएमई) को एक मजबूत अर्थव्यवस्था बनाने और अधिक नौकरियों में सहायता करने में मदद मिलेगी। हम वित्तपोषण के मौजूदा मॉडल को मजबूत करने के लिए बैंकों के साथ बेहतर साझेदारी के लिए सरकार से समर्थन बढ़ाने की भी उम्मीद करते हैं।

कृषि क्षेत्र को बजट से बड़े बदलाव की उम्मीद

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण संसद में 1 फरवरी को बजट पेश करेंगी। दूसरे क्षेत्रों की तरह कृषि क्षेत्र को भी इस बजट से बहुत उम्मीदें हैं। फिलहाल तो एक फरवरी को ही पता चल पाएगा कि देश के अन्नदाता को बजट में क्या मिलेगा? पर बाजार के जानकारों के मुताबिक वैश्विक खाद्य संकट के दौर में भारत की कृषि क्षेत्र की आर्थिक स्थिति बहुत महत्वपूर्ण हो गई है। एसएएमसीओ सिक्योरिटीज की रिसर्च एनालिस्ट उर्वी शाह ने मीडिया से बातचीत में कहा कि कृषि सेक्टर वित्त मंत्री की ओर से बजट में होने वाली घोषणाओं के केंद्र में होगा।

वित्त मंत्री सिंचाई, बीजों की क्वालिटी और कृषि तकनीक से जुड़ी बड़ी घोषणाएं कर सकती हैं। द इनवेस्टमेंट इन्फॉर्मेशन एंड क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ऑफ इंडिया को उम्मीद है कि भारत सरकार वित्तीय वर्ष 2023-24 के बजट में कृषि उत्पादों की बढ़ोतरी पर फोकस कर सकती है। संस्था को उम्मीद है कि इस बार के बजट में सरकार महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत आवंटन को बढ़ाने का फैसला भी कर सकती है। इसके अलावे सरकार गैर कृषि आमदनी जैसे लाइवस्टॉक फार्मिंग और फूड प्रोसेसिंग को भी तरजीह देगी। कृषि क्षेत्र में सप्लाई चेन को मजबूती देने के लिए सरकार को इस क्षेत्र से जुड़े फर्मों को टैक्स में राहत देने पर भी विचार करना चाहिए। सोहन लाल कॉमाडिटी मैनेजमेंट ग्रुप के के अनुसार सरकार को इससे जुड़ा एलान करना चाहिए। इससे सप्लाई चेन और बेहतर होगी। एससीएम ग्रुप के सीईओ संदीप सबरमाल का मत है कि सरकार को कृषि क्षेत्र के उत्पादों पर लगने वाली जीएसटी में छूट देने पर विचार करना चाहिए।

क्यों पहले राष्ट्रपति को 6 लोगों ने ही दी थी बधाई?

24 जनवरी को 3 बातों से पूर्ण हुई आजादी, मिला पहला राष्ट्रपति, राष्ट्रगान और संविधान

(एक्सक्लूसिव डेस्क), 25 जनवरी। आज, यानी 26 जनवरी को हम सभी पूरे गर्व के साथ गणतंत्र दिवस मना रहे होंगे।

भारत के संप्रभु, लोकतांत्रिक गणतंत्र बनने के 73 साल

26 जनवरी की तारीख तो हम सभी के दिमाग में बसी है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि 24 जनवरी को क्या हुआ था?

जी हां, 24 जनवरी। कैलेंडर की किसी आम तारीख की तरह बीत जाने वाले इस दिन 73 साल पहले भारतीय गणतंत्र की नींव का आखिरी पत्थर रखा गया था।

24 जनवरी, 1950 वो दिन था जब संविधान को बनाने वाली कॉन्स्टिट्युएंट असेंबली आखिरी बार इकट्ठा हुई थी। उस दिन तीन बड़े काम हुए थे।

पहला, कॉन्स्टिट्युएंट असेंबली के सभी सदस्यों ने संविधान पर हस्ताक्षर किए थे। ये हस्ताक्षर ही हमारे संविधान पर फाइनल मुहर थी।

दूसरा, भारत के पहले राष्ट्रपति के तौर पर डॉ. राजेंद्र प्रसाद का निर्वाचन हुआ था, वो भी सर्वसम्मति से।

और तीसरा, राष्ट्रगान और राष्ट्रीय गीत पर सहमति बनी थी।

उस दिन की घटनाएं भी कम रोचक नहीं थीं। संविधान की जिस कॉपी पर हस्ताक्षर किए गए वो पूरी तरह हाथ से लिखी गई थी। इसे लिखने वाले ने इसके एवज में कोई फीस भी नहीं ली थी।

कैसे इस एक दिन ने 26 जनवरी के विराट उत्सव की तैयारियों का रास्ता तैयार किया? उस दिन जो हुआ उससे जुड़े कुछ रोचक तथ्यों और कहानियों पर हमारी रिपोर्ट।

24 जनवरी, 1950,2 साल, 11 महीने और 18 दिन की संविधान-निर्माण यात्रा का आखिरी दिन।

संविधान बनाने के लिए गठित की गई कॉन्स्टिट्युएंट असेंबली का पहला सत्र 9 दिसंबर, 1946 को शुरू हुआ था। संविधान का ड्राफ्ट तैयार होकर 26 नवंबर, 1949 को पारित किया गया था।

पूरे 2 साल, 11 महीने और 18 दिन की इस प्रक्रिया के बावजूद संविधान को सत्यापित करने के लिए कॉन्स्टिट्युएंट असेंबली के सभी सदस्यों के हस्ताक्षर होना जरूरी था।

इसके लिए 24 जनवरी, 1950 का दिन तय किया गया था। इस बैठक में तीन बड़े काम होने थे।

पहला काम, राष्ट्रगान तय करना

आधिकारिक रिजोल्यूशन नहीं, डॉ. राजेंद्र प्रसाद के स्टेटमेंट से राष्ट्रगान बना था 'जन-गण-मन', 'वंदे मातरम' को दिया गया था बराबर का दर्जा।

24 जनवरी, 1950 को जब कॉन्स्टिट्युएंट असेंबली की बैठक शुरू हुई तो सबसे पहला काम था भारत का राष्ट्रगान तय करना।

कॉन्स्टिट्युएंट असेंबली के चेयरमैन डॉ. राजेंद्र प्रसाद के उस दिन दिए गए बयान के मुताबिक पहले इस पर विचार किया जा रहा था कि राष्ट्रगान के मुद्दे पर आधिकारिक रूप से एक प्रस्ताव लाया जाए, लेकिन अंततः ये तय किया गया कि राष्ट्रगान पर रिजोल्यूशन लाने के बजाय डॉ. राजेंद्र प्रसाद असेंबली में एक स्टेटमेंट देंगे।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने जो स्टेटमेंट असेंबली में पढ़ा उसके मुताबिक 'जन गण मन' को राष्ट्रगान बनाया गया और साथ ही कहा गया कि 'वंदे मातरम' को बराबर का दर्जा और सम्मान दिया जाएगा।

दूसरा काम, पहले राष्ट्रपति का चुनाव

सर्वसम्मति से राष्ट्रपति निर्वाचित हुए थे डॉ. राजेंद्र प्रसाद, सदस्यों ने बधाई देना शुरू किया तो खुद ही रोक दिया।

कॉन्स्टिट्युएंट असेंबली ने ही ये तय किया था कि देश का सर्वोच्च संवैधानिक पद राष्ट्रपति का होगा। देश के पहले राष्ट्रपति के चुनाव के लिए भी प्रक्रिया शुरू कर दी गई।

24 जनवरी, 1950 को राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिटर्निंग ऑफिसर बनाए गए कॉन्स्टिट्युएंट असेंबली के सचिव एच.वी.आर. अयंगर ने सदस्यों को बताया कि राष्ट्रपति पद के लिए सिर्फ एक ही नॉमिनेशन फाइल हुआ है।

ये नॉमिनेशन डॉ. राजेंद्र प्रसाद का था। किसी और का नॉमिनेशन न होने की वजह से डॉ. राजेंद्र प्रसाद को सर्वसम्मति से राष्ट्रपति निर्वाचित किए जाने की घोषणा कर दी गई।

इस घोषणा का पूरे सदन ने तालियों से स्वागत किया। सबसे पहले पंडित जवाहर लाल नेहरू और उसके बाद सरदार वल्लभ भाई पटेल ने डॉ. राजेंद्र प्रसाद को बधाई देते हुए सदन को संबोधित किया।

तीसरे सदस्य बी. दास बधाई संबोधन के लिए आगे बढ़े तो डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने बीच में कहा कि इन बधाइयों से वो असहज महसूस कर रहे हैं। सदस्य अपनी बात कम से कम शब्दों में कहें।

बी. दास के संबोधन के बाद एच.सी. मुखर्जी और हुसैन इमाम ने सदन के सामने डॉ. राजेंद्र प्रसाद को बधाई दी। उनके संबोधन के बाद ही डॉ. प्रसाद ने सदन से कहा- मुझे उम्मीद है कि सदन पिछले 3 वर्षों की तरह एक बार फिर मुझे ये अधिकार देगा कि

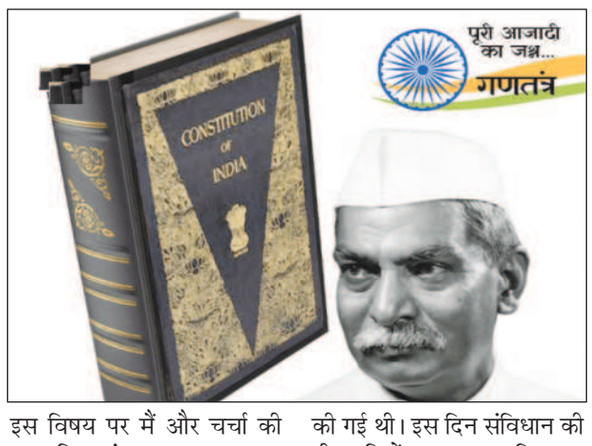

इस विषय पर मैं और चर्चा की अनुमति न दूं।

इसके बाद भी वी.आई. मुनिस्वामी पिल्लई माइक पर आ गए और सदन के सामने डॉ. प्रसाद को बधाई दी। इसके बाद सेठ गोविंद दास माइक की ओर बढ़े, लेकिन डॉ. प्रसाद ने उन्हें रोक दिया।

देश के पहले राष्ट्रपति को उनके निर्वाचन पर सदन में बधाई देने वाले सिर्फ 6 ही सदस्य थे।

तीसरा काम, संविधान पर हस्ताक्षर

संविधान की जिस कॉपी सदस्यों ने हस्ताक्षर किए वो हाथ से लिखी गई थी, शांति निकेतन के आर्टिस्ट्स ने सजाया था।

संविधान के ड्राफ्ट को कॉन्स्टिट्युएंट असेंबली ने 26 नवंबर, 1949 को ही पारित कर दिया था। उसी समय ये तय हुआ था कि इस पर जनवरी, 1950 की किसी तारीख को हस्ताक्षर किए जाएंगे।

संविधान का ये ड्राफ्ट अंग्रेजी में था। ये तय किया गया था कि 26 जनवरी, 1950 से पहले इसका हिंदी अनुवाद भी कर लिया जाएगा।

हस्ताक्षर के लिए ही 24 जनवरी, 1950 की तारीख तय की गई थी। इस दिन संविधान की तीन प्रतियों पर हस्ताक्षर किए गए थे। एक कॉपी अंग्रेजी में प्रिंटेड थी। बाकी दोनों प्रतियां हैंडरिटन यानी हस्तलिखित थीं, एक अंग्रेजी और दूसरी हिंदी में।

संविधान की इन हैंडरिटन प्रतियों को ही कॉन्स्टिट्यूशन की ओरिजिनल कॉपी के तौर पर जाना जाता है।

इन हैंडरिटन प्रतियों में क्या था खास

प्रेम बिहारी नारायण रायजादा थे संविधान लिखने वाले कैलिगाफ्री आर्टिस्ट फ्री में काम किया था।

संविधान की हस्तलिखित प्रति को लिखने वाले व्यक्ति थे- प्रेम बिहारी नारायण रायजादा। वे उस समय के प्रसिद्ध कैलिग्राफी आर्टिस्ट थे।

उन्हें इस काम के लिए पंडित जवाहर लाल नेहरू ने चुना था। इस बारे में एक किस्सा मशहूर है कि जब नेहरू ने उन्हें ये काम सौंपा तो साथ ही ये भी पूछा कि इसके लिए वो कितनी फीस लेंगे।

रायजादा ने तुरंत जवाब दिया- 'मैं एक पैसा भी नहीं लूंगा। भगवान की कृपा से मेरे पास सब कुछ है और मैं अपने जीवन से बहुत खुश हूं। मगर मेरी एक इच्छा है- मैं संविधान के हर पन्ने पर अपना नाम लिखूंगा और आखिरी पन्ने पर अपने नाम के साथ अपने दादाजी का नाम भी लिखूंगा।'

संविधान के हर पन्ने पर तो प्रेम बिहारी नारायण रायजादा का नाम नहीं दिखता, लेकिन आखिरी पन्ने पर उन्हें कैलिगाफ्री का क्रेडिट जरूर दिया गया है।

शांति निकेतन के ख्यात आर्टिस्ट नंदलाल बोस और उनकी टीम ने संविधान को सजाया।

संविधान की हस्तलिखित कॉपी के हर पेज पर बेहद खूबसूरत बॉर्डर दिखता है। साथ ही हर सेक्शन में मोहनजोदाड़ो के इतिहास से लेकर हिमालय की ऊंचाइयों के अलग-अलग इलस्ट्रेशन्स भी बनाए गए हैं।

ये सारा काम उस वक्त के ख्यात आर्टिस्ट नंदलाल बोस और शांति निकेतन के उनके छात्रों ने किया था। इसमें नंदलाल बोस के तीन बच्चे भी शामिल थे।

संविधान के 22 पार्ट हैं। हर पार्ट के के पहले पन्ने पर एक इलस्ट्रेशन बनाया गया है। पार्ट-1 के पहले पेज पर मोहनजोदाड़ो की सील बनी है। पार्ट-2 के पहले पेज पर वैदिक गुरुकुल का दृश्य बनाया गया है।

संविधान की प्रस्तावना का पेज बनाने वाले ने पेज के नीचे कलाकृतियों में दिया अपना नाम

संविधान की प्रस्तावना के पेज पर सुंदर लिखावट तो प्रेम बिहारी नारायण रायजादा की है, लेकिन इस पेज को सजाने का क्रेडिट ब्योहर राममनोहर सिन्हा को दिया जाता है।

नंदलाल बोस के छात्रों में से एक, सिन्हा मध्य प्रदेश के जबलपुर के रहने वाले थे। उन्होंने प्रस्तावना के पेज का डिजाइन तैयार करने से पहले अंजता-एलोरा की गुफाओं, सांची, सारनाथ और महाबलीपुरम में जाकर स्मारकों को बारीकी से देखा और समझा।

उन्होंने प्रस्तावना के पेज का बॉर्डर बनाने और उसे सजाने के लिए पारंपरिक भारतीय चिन्हों का इस्तेमाल किया है।

खास बात ये है कि पेज के बॉर्डर में सबसे नीचे दाहिने कोने में उन्होंने अपना संक्षिप्त नाम 'राम' लिखा भी है।

संविधान की हस्तलिखित प्रतियां आज दिल्ली में संसद भवन की लाइब्रेरी में सुरक्षित रखी हैं।

इन्हें सुरक्षित रखने के लिए हीलियम गैस से भरे कांच के केस में रखा जाता है, जिसका तापमान 20 डिग्री और नमी 30% लगातार बनाए रखना जरूरी है।

संविधान के अंतिम 10 पन्नों पर कॉन्स्टिट्युएंट असेंबली के सभी सदस्यों के हस्ताक्षर हैं। इन हस्ताक्षरों के किस्से भी कम रोचक नहीं हैं।

संविधान पर हुए हस्ताक्षरों में डॉ. राजेंद्र प्रसाद का सबसे ऊपर, मगर उन्होंने सबसे आखिरी में किया था।

24 जनवरी, 1950 को जब संविधान पर हस्ताक्षर किए जाने थे तो तीनों प्रतियों को सदन की टेबल पर रखा गया था।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा था कि सभी सदस्य बारी-बारी से आकर उस पर हस्ताक्षर कर दें। मगर उन्होंने सबसे पहले पंडित जवाहर लाल नेहरू को आमंत्रित किया था। नेहरू के बाद बारी-बारी से सदन में मौजूद सभी सदस्यों ने हस्ताक्षर किए।

वहां मौजूद सदस्यों में सबसे आखिरी हस्ताक्षर फिरोज गांधी के थे। सदस्यों के हस्ताक्षर के बाद बतौर कॉन्स्टिट्युएंट असेंबली के चेयरमैन डॉ. राजेंद्र प्रसाद को हस्ताक्षर करने थे।

क्रम में चेयरमैन के हस्ताक्षर सबसे ऊपर आने चाहिए थे, लेकिन हस्ताक्षर करने के नियत स्थान पर ऊपर जगह नहीं बची थी। ऐसे में डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने इस नियत स्थान के ऊपर तिरछे हस्ताक्षर किए।

डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा के हस्ताक्षर के लिए पटना ले जाई गई थी संविधान की प्रति

संविधान की प्रति पर हस्ताक्षर के समय कॉन्स्टिट्युएंट असेंबली के सदस्य डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा सदन में मौजूद नहीं थे।

9 दिसंबर, 1946 को कॉन्स्टिट्युएंट असेंबली की पहली बैठक के दौरान डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा को कार्यकारी चेयरमैन चुना गया था। 73 साल के डॉ. सिन्हा असेंबली के सबसे उम्रदराज सदस्य थे।

इसके 3 दिन बाद डॉ. राजेंद्र प्रसाद को असेंबली का स्थायी चेयरमैन नियुक्त कर दिया गया था। डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा ज्यादा उम्र और खराब स्वास्थ्य के कारण असेंबली की ज्यादातर कार्यवाही में हिस्सा नहीं ले पाए थे।

26 नवंबर, 1949 को जब संविधान का ड्राफ्ट पारित किया जाना था तो डॉ. सिन्हा बीमार थे, मगर उन्होंने अपना संदेश भिजवाया था जो डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने सदन के सामने पढ़ा था।

24 जनवरी, 1950 को जब संविधान पर हस्ताक्षर हो रहे थे तो उनके हस्ताक्षर के लिए जगह छोड़ी गई थी। बाद में संविधान की ये प्रति पटना में उनके पास ले जाई गई थी, जिस पर उन्होंने हस्ताक्षर किए। इसके कुछ ही दिन बाद 6 मार्च, 1950 को डॉ. सिन्हा का निधन हो गया था।

हिंगलाजिन मंदिर में सीएम भूपेश ने टेका माथा

जगदलपुर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बस्तर पहुंचे अपने दो दिवसीय दौरे पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने 133 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी।

इस दौरान उन्होंने जिला केंद्रीय सहकारी बैंक द्वारा संचालित एटीएम वैन को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साथ ही माटी कला बोर्ड द्वारा संचालित योजना के तहत 25 कुम्हारों को इलेक्ट्रिक चॉक प्रदान की। इससे पहले मुख्यमंत्री बकावंड विकासखंड के ग्राम गिरौला स्थित मां हिंगलाजिन मंदिर पहुंचे और पूजा-अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली व सुख-समृद्धि की कामना की।

मुख्यमंत्री ने मंदिर प्रांगण में बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास विकास प्राधिकरण की ओर से निर्मित कराई गई 9 गुमटियों की चाबी हितग्राहियों को सौंपी। प्राधिकरण द्वारा 1-1 लाख रुपये की राशि स्वरोजगार के लिए प्रत्येक हितग्राहियों को स्वीकृत की गई है। इसमें से 90 हजार रुपये से गुमटी बनाई गई है। पूजन सामग्री दुकान के संचालन के लिए 10 हजार रुपये की राशि हितग्राहियों को प्रदान की गई है। इससे पहले बस्तर पहुंचने पर सांसद फूलोदेवी नेताम, सांसद दीपक बैज सहित अन्य नेताओं और अफसरों ने उनकी आगवानी की। छत्तीसगढ़ में अब गोबर से बिजली बनेगी। इसके लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल देर शाम बस्तर के डोंगाघाट में गोबर से विद्युत उत्पादन करने वाले संयंत्र का उद्घाटन करेंगे। उसके पहले दोपहर 2.45 बजे पीजी कॉलेज स्पोर्ट्स ग्राउंड धरमपुरा में संभाग स्तरीय छात्रावासी छात्रों के सम्मेलन में शामिल होंगे। वहां से ग्राम लामनी में पक्षी विहार का अवलोकन करने जाएंगे। इंद्रावती विकास प्राधिकरण की बैठक में शामिल होंगे। अगले दिन गणतंत्र दिवस पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल लालबाग में ध्वजारोहण कर परेड की सलामी लेंगे।

माओवादियों ने किया आईईडी विस्फोट

चपेट में आया नाबालिग, अस्पताल में भर्ती

रांची, 25 जनवरी (एजेंसियां)। पश्चिमी सिंहभूम जिले में मंगलवार को प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) द्वारा लगाए गए आईईडी विस्फोट में एक नाबालिग घायल हो गया। एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के मुताबिक, यह घटना उस समय हुई जब अराहटा गांव के पास भाकपा (माओवादियों) ने विस्फोट किया। इसकी चपेट में एक तेरह वर्षीय लड़का आ गया। गोइलकेरा पुलिस थाने के प्रभारी राहुल सिंह ने बताया कि घायल को प्राथमिक उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया है। इससे पहले पिछले साल नवंबर और दिसंबर में जिले में भाकपा (माओवादी) के सदस्यों ने दो अलग-अलग आईईडी विस्फोट किए थे, जिनमें दो ग्रामीणों की मौत हो गई थी। आज की घटना ऐसे समय में हुई, जब झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन घटनास्थल से करीब 30 से 35 किलोमीटर दूर चाईबासा जिला मुख्यालय में हैं। मुख्यमंत्री 'खतियान जौहर' यात्रा में हिस्सा लेने से पहले जिले के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विकास कार्यों की समीक्षा बैठक कर रहे हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय कार्यालय में तिरंगा फहराएंगे रमन सिंह

सीजी के किसी नेता को पहली बार जिम्मेदारी

रायपुर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह भाजपा के दिल्ली स्थित राष्ट्रीय कार्यालय में तिरंगा फहराएंगे। पार्टी नेतृत्व की ओर से गणतंत्र दिवस पर उनको ध्वजारोहण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके लिए पूर्व सीएम डॉ. सिंह बुधवार शाम को रायपुर से दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे। पार्टी की ओर से ध्वजारोहण हमेशा राष्ट्रीय अध्यक्ष ही करते रहे हैं। दूसरी ओर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इसे लेकर रमन सिंह पर कटाक्ष किया है।

अध्यक्ष की अनुपस्थिति में वरिष्ठ उपाध्यक्ष को मिलती है जिम्मेदारी

दरअसल, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा पारिवारिक कारण के चलते 26 जनवरी को दिल्ली में नहीं रहेंगे। उनकी अनुपस्थिति में वरिष्ठ उपाध्यक्ष को ध्वजारोहण की जिम्मेदारी मिलती है।

रमन सिंह पार्टी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष होने के साथ ही वरिष्ठ नेता भी हैं। ऐसे में रमन सिंह भाजपा के राष्ट्रीय कार्यालय में तिरंगा फहराएंगे। ऐसा पहली बार है, जब छत्तीसगढ़ के किसी नेता को इतनी बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सीएम बोले- रमन सिंह को पहली बार कोई जिम्मेदारी

रमन सिंह पारिवारिक शादी समारोह में भी शामिल होंगे। इसके बाद अगले दिन रायपुर लौटेंगे। इससे पहले भी पार्टी ने विश्वास जताते हुए अन्य राज्यों के लिए भी रमन सिंह को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है।

रमन सिंह कई राज्यों में राजनीतिक विवादों को हल करने के लिए भी जाने जाते हैं। वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा है कि, रमन सिह को पहली बार कोई जिम्मेदारी सौंपी गई है। वो भी इसलिए कि पार्टी अध्यक्ष दिल्ली से बाहर हैं।

छत्तीसगढ़ में 'पठान' का विरोध

रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर में हिंदू संगठनों का प्रदर्शन, बैनर-पोस्टर फाड़कर जलाए

दुर्ग/बिलासपुर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। बॉलीवुड एक्टर शाहरूख खान की मूवी 'पठान' को लेकर विरोध की आग छत्तीसगढ़ तक भी पहुंची। हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग में बुधवार को जमकर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने सिनेमा हॉल के बाहर लगे बैनर उतार दिए और पोस्टर फाड़कर आग लगा दी। संगठन के नेताओं ने शाहरूख खान और दीपिका पादुकोण को देश विरोधी बताया। उनके प्रदर्शन को देखते हुए सिनेमा हॉल के आसपास भारी संख्या में पुलिस फोर्स को तैनात किया गया है। पठान मूवी बुधवार को रिलीज हुई है। इसके बाद प्रदेश में सबसे पहले दुर्ग से इसके विरोध की आग शुरू हुई। दुर्ग के स्वरूप व तरुण और भिलाई के वेंकटेश्वरा, पीवीआर, मिराज, मुक्ता में मूवी को रिलीज किया गया है। हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता सुबह से ही हाथों में भगवा झंडा लिए मुक्ता सिनेमा के बाहर पहुंच गए। उन्होंने बैनर उतार दिए और वहां लगे पोस्टर को फाड़ दिया। इसके बाद उनमें आग लगा दी। कार्यकर्ताओं के हंगामे के चलते कुछ देर के लिए मूवी का प्रदर्शन रोकना पड़ा।

भाजपा को 'चुभा' राज्यपाल पर सवाल

रमन सिंह बोले-महिला राज्यपाल पर आरोप मढ़ रहें दाऊ सीएम ने कहा- बिल पर साइन करने में तकलीफ क्यों

रायपुर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। पिछले डेढ़ महीने से राजभवन में अटके आरक्षण विधेयकों पर सरकार की ओर से हो रहे सवाल राज्यपाल और भाजपा दोनों को चुभ रहे हैं। राजभवन की ओर से मंगलवार को कहा गया, कुछ लोगों द्वारा संवैधानिक प्रमुख के लिए अमर्यादित भाषा का प्रयोग उचित नहीं है। अब पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने मुख्यमंत्री पर आरोप लगाया कि वे एक आदिवासी महिला राज्यपाल पर आरोप मढ़ रहे हैं। वहीं मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने फिर अपने आरोप दोहराये हैं। उन्होंने पूछा कि बिल पर हस्ताक्षर करने में राज्यपाल को तकलीफ क्यों हो रही है।

भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने बुधवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डाली। लिखा, दशकों की सत्ता के बाद कांग्रेस ने संवैधानिक पदों को अपनी विरासत समझ लिया है। एक समय था जब राहुल गांधी ने देश के सामने अपनी सरकार का अध्यादेश फाड़कर प्रधानमंत्री पद का अपमान किया था। एक आज का छत्तीसगढ़ है जहां दाऊ भूपेश बघेल आदिवासी महिला राज्यपाल पर आए दिन आरोप मढ़ रहे हैं।

मुख्यमंत्री के जगदलपुर रवाना होने से पहले रायपुर हेलीपैड पर प्रेस ने इस बयान को लेकर सवाल किया तो मुख्यमंत्री ने तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा, इनको (रमन सिंह को) हर बात तोड़-मरोड़कर बोलने की आदत है। वह कुछ और बिल था (जिसकी कॉपी राहुल गांधी ने फाड़ी थी)। यह कुछ और बिल है। यह विधानसभा से पारित बिल है। यह आरक्षण है, यह देश में लागू है इनको हस्ताक्षर करने में क्यों तकलीफ हो रही है। जब आप कर्नाटक में कर सकते हैं तो यहां क्यों नहीं कर सकते। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने पूछा, कर्नाटक के राज्यपाल के अलग दायित्व हैं और यहां के राज्यपाल के अलग दायित्व हैं? क्योंकि वहां भाजपा की सरकार है, आप बढ़े हुए आरक्षण बिल पर वहां हस्ताक्षर कर सकते हैं, लेकिन यहां आप हस्ताक्षर नहीं करेंगे। यह दोहरा चरित्र कैसे चलेगा।

राजभवन की ओर से मंगलवार शाम मीडिया को भेजी गई एक सफाई में कहा गया कि सरकार से उन्होंने क्वांटिफायबल डाटा आयोग की रिपोर्ट मांगी थी, वह अब तक नहीं मिली है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, क्वांटिफायबल डाटा देना कोई जरूरी नहीं है। जो बिल विधानसभा का है। उसमें आर्टिकल 200 हिसाब से फैसले होंगे। राज्यपाल या तो उनपर हस्ताक्षर करें या तो वापस करें। मतलब उसमें (अनुच्छेद 200 में) यह भी लिखा है कि जितना जल्दी हो सके उसमें हस्ताक्षर करें। 2 दिसंबर का यह विधानसभा का फैसला है। आज 25 जनवरी हो गया, कितने दिनों तक लटका कर रखेंगे? अधिकारों का दुरुपयोग नहीं होना चाहिए।

गाय की आंखों में मिर्च डालकर होती है तस्करी

जामताड़ा, 25 जनवरी (एजेंसियां)। राज्यभर के कई जिलों से मवेशियों की तस्करी की खबरें आती रहती है। ताजा मामला जामताड़ा का है। कंटेनर में भरकर 90 मवेशियों की तस्करी की जा रही थी। कार और दूसरे सामान ले जाने वाले बड़े बड़ी कंटेनर वाले ट्रक का इस्तेमाल किया जा रहा है। बुधवार की सुबह 90 मवेशियों से लदी दो बड़े कंटेनर को बजरंग दल की सहायता से पुलिस ने झारखंड बंगाल सीमा पर पकड़ा है। कंटेनर के अंदर गाय इस हालात में डाले जाते हैं कि कई बार गाय की मौत हो जाती है। इस मामले में भी एक गाय की मौत हो गयी जबकि कई गाय की हालत चिंताजनक है। बजरंग दल लंबे समय से इस तरह की तस्करी को रोने की कोशिश कर रहा है। कई सामाजिक संगठन भी साथ आकर तस्करी पर लगाम लगाने की कोशिश कर रहे हैं।

देवघर जिला संयोजक सोनू सिंह ने बताया कि हमे गुप्त सूचना मिली थी कि बगदाहा से दो कंटेनर गौ लाद कर तस्करी की जा रही है। रात के दो बजे हम कंटेनर को रोकने पहुंच गए। कंटेनर के आगे एक स्विफ्ट कार सकॉट कर रही थी। 34 किलोमीटर दूर मिहिजाम थाना क्षेत्र के बेवा के पास एक दूसरे वाहन की सहायता से कंटेनर को रोका गया, कंटेनर रोकने के बाद चालक फरार हो गए।

चीन में कोरोना

लाशों को दफनाने के लिए कम पड़ गए ताबूत अंतिम संस्कार का खर्च दो से तीन गुना बढ़ा

बीजिंग, 25 जनवरी (एजेंसियां)। चीन में कोरोना का तांडव लगातार जारी है। यहां की करीब 80 प्रतिशत आबादी संक्रमण की चपेट में आ चुकी है और मृतकों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। चीन ने भले ही दिसंबर से अब तक कोरोना से होने वाली मौतों की संख्या 60 हजार बताई हो, लेकिन हकीकत यह है कि यहां गली-कूचों और अस्पतालों में लाशों की भरमार है।

एक मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीन में लाश दफनाने के लिए ताबूत तक कम पड़ गए हैं और मांग ज्यादा होने की वजह से उनके दाम भी बढ़ गए हैं। आलम यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों में हर दिन किसी न किसी की मौत हो रही है, जिससे श्मशानों के बाहर लंबी लाइन है।

एक सप्ताह में 13 हजार से ज्यादा मौतें

चीन के प्रमुख महामारी विज्ञानी वू ज़ुन्यो के अनुसार, दिसंबर में चीन द्वारा प्रतिबंध हटाए जाने के बाद से लगभग एक अरब से ज्यादा लोग संक्रमित हो चुके हैं, जो कुल आबादी का 80 प्रतिशत है। वहीं, पिछले सप्ताह के अंत में चीन ने एक सप्ताह से भी कम समय में 13,000 कोरोना मौतों को दर्ज किया, लेकिन ये मौतें अस्पतालों में हुई हैं। चीन के ग्रामीण क्षेत्रों की हालत इससे बहुत बुरी है।

मौत के आंकड़ों में ग्रामीण क्षेत्रों की गिनती ही नहीं

मीडिया रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा यह हुआ है कि चीन ने जिन मौत के आंकड़ों को साझा किया है, वह सिर्फ शहरी इलाकों के हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी के कारण कोरोना से होने वाली मौतों की कोई गिनती ही नहीं की गई है। कई रिपोर्ट्स में ग्रामीण क्षेत्रों में मौतों की संख्या में बढ़ोत्तरी की बात कही गई है।

तीन से चार गुना बढ़ गईं मौतें

चीन के शांक्सी प्रांत के ग्रामीण क्षेत्रों में तीन से चार गुना मौतें बढ़ गई हैं। श्मशानों पर अंतिम संस्कार के लिए लंबी कतार है। ऐसे में ताबूत बनाने वालों और अंतिम संस्कार उद्योग से जुड़े लोगों का काम भी बढ़ गया है। बढ़ी हुई मांग का असर दामों पर हुआ है। एक स्थानीय निवासी का कहना है कि कोरोना से होने वाली मौतों की संख्या के कारण अंतिम संस्कार की व्यवस्था की लागत आसमान छू गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बीते एक महीने से यहां लगातार मौतें हो रही हैं।

झूठ बोलता है चीन

ड्रैगन से बचने के लिए किम जोंग को है अमेरिकी सेना की जरूरत! पूर्व विदेश मंत्री का दावा

वाशिंगटन, 25 जनवरी (एजेंसियां)। अमेरका के पूर्व विदेश सचिव माइक पोम्पिओ ने उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग-उन और चीन के बारे में चौंकाने वाला दावा किया है। अपने नए संस्मरण में पोम्पिओ ने कहा है कि किम जोंग ने उसने एक बार कहा था कि चीन के प्रभुत्व से बचाव के लिए उन्हें दक्षिण कोरिया में अमेरिकी सेना की जरूरत है।

'नेवर गिव एन इंच, फाइटिंग फॉर द अमेरिका आई लव' शीर्षक वाले अपने नए संस्मरण में, पूर्व अमेरिकी विदेश सचिव ने कहा है कि उत्तर कोरियाई नेता दक्षिण कोरिया में अमेरिकी सेना की मौजूदगी से बिल्कुल भी चिंतित नहीं हैं। उन्होंने यह दावा 30 मार्च, 2018 को अमेरिका-उत्तर कोरिया शिखर सम्मेलन से पहले प्योंगयांग में किम जोंग के साथ अपनी पहली मुलाकात और उस दौरान हुई बातचीत के आधार पर किया है।

उत्तर कोरिया पर दुनिया से झूठ बोल रहा चीन!

पोम्पेओ ने दावा किया कि जब उन्होंने किम जोंग से कहा कि चीन बार-बार अमेरिका से यह कहता है कि उत्तर कोरियाई नेता चाहते हैं कि अमेरिकी सेना दक्षिण कोरिया से हट जाए, तो किम जोंग ने कहा कि चीन इस बारे में झूठ बोल रहा है और उन्हें चीन से बचने के लिए दक्षिण कोरिया अमेरिकी सेना की जरूरत है, जिससे तिब्बत और शिनजियांग जैसे मुद्दों का निस्तारण हो सके। माइक पोम्पिओ ने दावा किया है कि तत्कालीन भारतीय विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने उन्हें बताया था कि पाकिस्तान फरवरी 2019 में बालाकोट सर्जिकल स्ट्राइक के बाद परमाणु हमले की तैयारी कर रहा है। यह सुनकर वह दंग रह गए थे। पोम्पिओ के मुताबिक, सुषमा स्वराज ने कहा था कि इसको देखते हुए भारत भी आक्रामक प्रतिक्रिया की तैयारी कर रहा है। पोम्पियो ने कहा कि यह घटना तब हुई, जब वह 27-28 फरवरी को अमेरिका-उत्तर कोरिया शिखर सम्मेलन के लिए हनोई में थे। इसके बाद उनकी टीम ने इस संकट को टालने के लिए भारत और पाकिस्तान के साथ रात भर काम किया था।

इमरान खान के करीबी नेता फवाद चौधरी गिरफ्तार

चुनाव आयोग को धमकाने का आरोप

इस्लामाबाद, 25 जनवरी (एजेंसियां)। पाकिस्तान आर्थिक संकट से उबर नहीं पा रहा है और अब वहां राजनैतिक अस्थिरता भी बढ़ती जा रही है। बता दें कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के करीबी नेता फवाद चौधरी को गिरफ्तार कर लिया गया है। बता दें कि फवाद चौधरी ने पाकिस्तान के चुनाव आयोग को खुलेआम धमकी दी थी। फवाद चौधरी ने सार्वजनिक तौर पर पाकिस्तान के चुनाव आयोग को धमकाया और मौजूदा सरकार पर पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ पार्टी के मुखिया इमरान खान की गिरफ्तारी की साजिश रचने का आरोप भी लगाया। इस्लामाबाद पुलिस ने भी फवाद चौधरी की गिरफ्तारी की पुष्टि की है।

पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट्स के अनुसार, फवाद चौधरी के खिलाफ बीती रात इस्लामाबाद के कोहसर पुलिस स्टेशन में पाकिस्तानी चुनाव आयोग के सचिव उमर हमीद की शिकायत पर एफआईआर दर्ज की गई। शिकायत में कहा गया कि फवाद चौधरी ने चुनाव आयोग और इसके सदस्यों को धमकाने वाली भाषा का इस्तेमाल किया। आरोप है कि लाहौर में इमरान खान के घर के बाहर एक जनसभा को संबोधित करते हुए फवाद चौधरी ने चुनाव आयोग के सदस्यों के परिजनों को भी धमकी दी।

आरोप है कि फवाद चौधरी ने पाकिस्तानी चुनाव आयोग की तुलना एक मुंशी से की। रिपोर्ट्स के अनुसार, पीटीआई नेता फवाद चौधरी को लाहौर में ठोकर नियाज बेग इलाके में स्थित उनके घर से गिरफ्तार किया गया।

इसके बाद उन्हें इस्लामाबाद लाया गया। पीटीआई और इसके नेताओं ने फवाद चौधरी की गिरफ्तारी की आलोचना की है और सरकार को निशाने पर लिया है।

पाकिस्तान में इस तरह की चर्चाएं हैं कि पीटीआई नेता इमरान खान को जल्द गिरफ्तार किया जा सकता है। इसके बाद बड़ी संख्या में इमरान खान के समर्थक लाहौर के जमान पार्क स्थित इमरान खान के घर पर इकट्ठा हो गए। फवाद चौधरी ने इमरान खान की संभावित गिरफ्तारी को लेकर सरकार को निशाने पर लिया और देश को अस्थिर करने का आरोप लगाया। इमरान खान की गिरफ्तारी की साजिश रचने वालों को फवाद चौधरी ने गद्दार तक कह दिया।

अफगानिस्तान में ठंड से 157 मौतें

काबुल, 25 जनवरी (एजेंसियां)। अफगानिस्तान में 15 दिन के भीतर भीषण ठंड से 157 लोगों की जान चली गई। 77 हजार मवेशी भी मारे गए हैं। यहां तापमान माइनस 28 डिग्री पहुंच चुका है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार के मुताबिक, देश के 2 करोड़ 83 लाख लोग, यानी करीब दो तिहाई आबादी को जिंदा रहने के लिए तुरंत मदद की जरूरत है। ठंड के चलते 10 जनवरी से 19 जनवरी तक 78 मौतें हुई थीं। पिछले एक हफ्ते में ये आंकड़ा दोगुना हो गया।

न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अफगानिस्तान में पिछले 15 सालों में इतनी भीषण ठंड नहीं पड़ी। यहां बर्फीले तूफान के चलते हालात नाजुक हो गए हैं। देश के 34 प्रांतों में से 8 प्रांतों में हालात गंभीर हैं। ठंड से मरने वालों का आंकड़ा इन्हीं 8 प्रांतों में सबसे ज्यादा है। तालिबान के सत्ता में आते ही अफगानिस्तान में आर्थिक और मानवाधिकार संकट बढ़ता जा रहा है। हाल ही में एनजीओ में महिलाओं के काम करने पर बैन लगा दिया गया है।

न्यूजीलैंड के नए प्रधानमंत्री बने क्रिस हिपकिंस

गवर्नर जनरल ने शपथ दिलाई, 2008 में पहली बार सांसद चुने गए थे

वेलिंगटन, 25 जनवरी (एजेंसियां)। क्रिस हिपकिंस न्यूजीलैंड के नए प्रधानमंत्री बन गए हैं। गवर्नर जनरल सिंडी किरो ने आज राजधानी वेलिंगटन में आयोजित एक ऑफिशियल सेरेमनी में उन्हें शपथ दिलाई। क्रिस को लेबर कॉकस का औपचारिक रूप से समर्थन मिला। जिसके बाद अब वो प्रधानमंत्री होने के साथ लेबर पार्टी के लीडर भी बन गए हैं। वो नए पीएम की रेस में एकमात्र कैंडिडेट थे, जिसके बाद ये फैसला लिया गया। न्यूजीलैंड में लेबर पार्टी 2017 से सत्ता में है, ऐसे में एंटी इनकंबेंसी काफी ज्यादा है। बीबीसी के मुताबिक न्यूजीलैंड फिलहाल महंगाई और सामाजिक समानता से जूझ रहा है। जिसके चलते वहां लेबर पार्टी की लोकप्रियता में काफी कमी आई है। क्रिस के सामने यही सभी बड़ी चुनौती होगी।

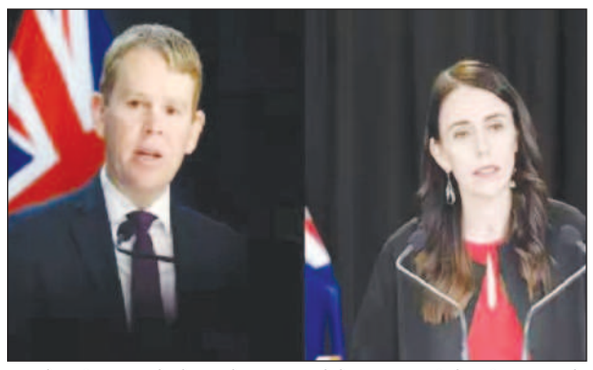

कोरोना में अच्छा काम कर पहचान बनाई

44 साल के क्रिस हिपकिंस 2008 में पहली बार सांसद चुने गए थे। पीएम बनने से पहले तक वो पुलिस, एजुकेशन एंड पब्लिक सर्विस मिनिस्टर थे। जैसिंडा अर्डर्न के इस्तीफा के बाद क्रिस पीएम बने हैं। हालांकि वो कब तक इस पद पर बने रहेंगे, इसकी जानकारी नहीं है। ऐसा इसलिए क्योंकि न्यूजीलैंड में अक्टूबर 2023 में आम चुनाव होंगे।

क्रिस हिपकिंस को साल 2020 में महामारी से निपटने के लिए कोविड मिनिस्टर बनाया गया था। उस दौरान क्रिस के काम की दुनिया भर में सराहना हुई थी। कोरोना महामारी के तीन साल में न्यूजीलैंड में केवल 2,437 मौतें दर्ज की गई हैं।

प्रधानमंत्री के तौर पर जैसिंडा का आखरी दिन

आज प्रधानमंत्री के तौर पर जैसिंडा अर्डर्न का आखरी दिन था। इस दौरान वे काफी भावुक नजर आईं। उन्हें संसद भवन में सभी लॉ-मेकर्स को गले लगाया। इसके बाद वो गवर्नमेंट हाउस पहुचीं, जहां उन्होंने औपचारिक रूप से किंग चार्ल्स के नाम अपना इस्तीफा सौंपा। जैसिंडा ने 19 जनवरी को इस्तीफे का ऐलान करते हुए कहा था- अब वक्त आ गया है। मेरे पास अब इतनी हिम्मत नहीं है कि 4 साल और नेतृत्व करूं।

किंग चार्ल्स के नाम इस्तीफा क्यों?

किंग चार्ल्स 14 कॉमनवेल्थ देशों के राजा हैं। इनमें से एक देश न्यूजीलैंड भी है। इन देशों में राजा की शक्तियां काफी हद तक प्रतीकात्मक होती हैं। ज्यादातर देशों में राजनीतिक फैसले एक चुनी हुई संसद द्वारा लिए जाते हैं और प्रधानमंत्री इन्हें लागू करता है। यानी राजा देश की मुखिया तो होते हैं, लेकिन सरकार के मुखिया नहीं।

राजा के पास कुछ संवैधानिक कर्तव्य हैं, जिनमें सबसे जरूरी नई सरकारों का अप्रूवल है। अलग-अलग देशों में ये कर्तव्य बदलते रहते हैं। जैसे- कानून की औपचारिक मंजूरी देना, कुछ अधिकारियों की नियुक्ति करना और राष्ट्रीय सम्मान प्रदान करना।

बालाकोट हमले पर यूएस के पूर्व विदेश मंत्री का दावा

पोम्पियो बोले- भारत पर एटमी हमले के लिए तैयार था पाक, सुषमा स्वराज ने बताई थी ये बात

वॉशिंगटन, 25 जनवरी (एजेंसियां)। 14 फरवरी 2019 को बालाकोट में भारतीय सेना की सर्जिकल स्ट्राइक के बाद पाकिस्तान, भारत पर परमाणु हमले की तैयारी कर रहा था। इस बात का दावा अमेरिका के पूर्व विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने अपनी एक किताब में किया है। इसमें उन्होंने तत्कालीन भारतीय समकक्ष सुषमा स्वराज का हवाला दिया है।

माइक पोम्पियो ने अपनी किताब में बताया कि 27-28 फरवरी 2019 को अमेरिका-उत्तर कोरिया शिखर सम्मेलन के दौरान उनकी बात भारत की तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज से हुई थी। तब सुषमा स्वराज ने उन्हें बताया था कि पाकिस्तानियों ने हमले के लिए अपने परमाणु हथियार तैयार करना शुरू कर दिया है। भारत भी तैयारी कर रहा था।

भारत-पाक की लड़ाई परमाणु हमले के काफी करीब थी

माइक ने अपनी किताब 'नेवर गिव एन इंच: फाइटिंग फॉर द अमेरिका आई लव' में लिखा- मुझे नहीं लगता कि दुनिया जानती भी है कि नहीं कि फरवरी 2019 में भारत-पाकिस्तान की लड़ाई परमाणु हमले के कितनी करीब आ गई थी। सच तो यह है कि मुझे भी इसका सही जवाब नहीं पता, लेकिन मैं बस इतना जानता हूं कि दोनों देश न्यूक्लियर अटैक के काफी करीब थे। इंडियन एयरफोर्स ने 26 फरवरी को बालाकोट एयरस्ट्राइक की थी। पोम्पियो ने किताब में बताया है कि 27-28 फरवरी को वे अमेरिका-उत्तर

कोरिया शिखर सम्मेलन के लिए वियतनाम के हनोई में थे। इस मुद्दे को लेकर उनकी टीम ने भारत और पाकिस्तान के साथ बात की थी। भारत के लड़ाकू विमानों ने पुलवामा आतंकी हमले में मारे गए सीआरपीएफ के 40 जवानों का बदला लेने के लिए बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी प्रशिक्षण शिविर को तबाह कर दिया था।

पोम्पियो बोले- उस रात को कभी नहीं भूलूंगा

पोम्पियो ने लिखा- मैं उस रात को कभी नहीं भूलूंगा। मैं हनोई में था। एक तरफ उत्तर कोरियाई के परमाणु हथियारों पर चर्चा हो रही थी। दूसरी तरफ भारत और पाकिस्तान ने सालों से जारी कश्मीर मुद्दे पर एटमी हमले की धमकी देना शुरू कर दिया। जब भारतीय समकक्ष ने बताया कि पाकिस्तान परमाणु हमले के लिए तैयार है और वो भी जवाब देंगे, तब मैंने उनसे कुछ नहीं करने और सब कुछ ठीक करने थोड़ा वक्त देने के लिए कहा।

मैंने पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा के साथ बातचीत की। उन्हें बताया कि भारतीय समकक्ष ने मुझे परमाणु हमले के बारे में जानकारी दी है, लेकिन बाजवा ने कहा कि यह सच नहीं है। पोम्पेओ के दावों पर अमेरिकी विदेश मंत्रालय की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई। 14 फरवरी 2019 को पुलवामा में सीआरपीएफ जवानों के काफिले पर आतंकी हमला हुआ था। इसमें 40 जवान शहीद हुए थे। इसी का जवाब देते हुए ईंडियन एयरफोर्स ने 26 फरवरी को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के बालाकोट में एयरस्ट्राइक की थी। इसमें जैश के ठिकानों पर बम बरसाए गए, जिसमें करीब 300 आतंकी मारे गए थे। इस दौरान पाकिस्तानियों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए हवाई हमले में एक भारतीय विमान को मार गिराया था और एक भारतीय पायलट को बंदी बना लिया था।

चीनी एलईडी लाइट्स के जरिए जासूसी

लैपटॉप, फ्रिज जैसे घरेलू सामान से भी जानकारी हासिल कर रहा चीन, इनमें माइक्रोचिप लगी हैं

लंदन, 25 जनवरी (एजेंसियां)। चीन का जासूसी नेटवर्क दुनिया में इतना फैल चुका है कि वह ब्रिटेन जैसे देशों के करोड़ों लोगों की निजी जानकारियां चुटकी में हासिल कर सकता है। इसके लिए उसने जासूस नहीं रखे हैं, बल्कि फ्रिज, लैपटॉप, मोबाइल फोन या मिक्सर-ग्राइंडर जैसा घरेलू सामान ही काफी हैं।

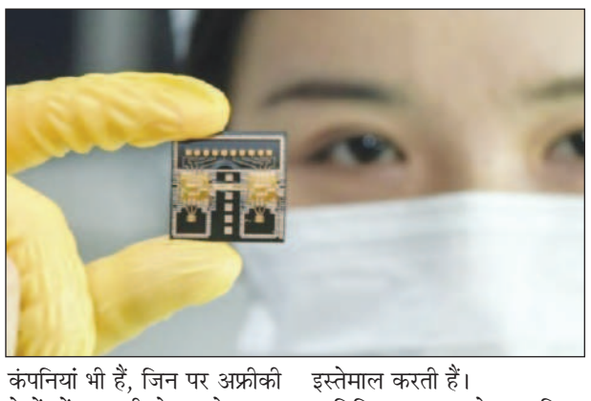

ब्रिटिश सरकार ने एक लंबी जांच के बाद बताया है कि घर-घर में इस्तेमाल हो रहे चीनी सामान में माइक्रोचिप लगी हैं, जिनके जरिए चीन निजी जानकारियां हासिल करता रहता है। यही नहीं, कारों में इस्तेमाल होने वाले पार्ट्स, जो चीन से बनकर आते हैं, उनमें भी जासूसी चिप लगी हैं।

ब्रिटिश सरकार ने अपने नागरिकों को चेतावनी दी

ब्रिटिश सरकार ने अपने मंत्रियों और नागरिकों को सतर्क किया है कि आपके घर में लगा एलईडी बल्ब भी चीन का जासूसी उपकरण हो सकता है। इसलिए यह मामला सिर्फ निजता का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का है।

ब्रिटेन की कई यूनिवर्सिटीज ने चीन की कंपनियों के साथ टेक्नोलॉजी से संबंधित समझौते किए हैं। ब्रिटिश सरकार को अब लगने लगा है कि ये चीनी कंपनियां ब्रिटिश यूनिवर्सिटीज से रिसर्च से जुड़ी जानकारियां चोरी कर रही हैं। इनमें ज्यादातर वे कंपनियां भी हैं, जिन पर अफ्रीकी देशों में जासूसी के आरोप लग चुके हैं। कुछ कंपनियां जो बैन हो चुकी थीं, नए नामों से चल रही हैं। टेक्नोलॉजी डिवाइस को जासूसी के लिए इस्तेमाल करने के खुलासे ने पूरी दुनिया को चिंता में डाल दिया है। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि चीन की सिर्फ 3 कंपनियां 'क्वेक्टेल' 'फाइवोकॉम' और 'चाइना मोबाइल' इलेक्ट्रॉनिक्स डिवाइस के ग्लोबल बाजार में 54% हिस्सेदारी हासिल कर चुकी हैं। दुनिया में 10 बड़ी लैपटॉप कंपनियां इन्हीं तीन कंपनियों के पार्ट्स इस्तेमाल करती हैं। कनेक्टिविटी से जुड़े बिजनेस में इन तीन कंपनियों ने दुनिया के बाजार में 75% हिस्सेदारी हासिल कर ली है। अहम बात यह है कि तीनों ही कंपनियां चीनी सरकार के नियंत्रण में हैं। टेस्ला जैसी बड़ी कार कंपनियां कनेक्टिविटी के लिए इन्हीं तीन कंपनियों का नेटवर्क इस्तेमाल करती हैं।

ब्रिटिश सरकार के मुताबिक, चीनी सामान में लगे जासूसी चिप 5जी नेटवर्क से ऑपरेट हो रहे हैं। ये चीन में अलग-अलग सर्वर से जुड़े हैं। इनमें ब्रिटेन के प्रमुख लोगों, संस्थानों और सैन्य गतिविधियों का डेटा पहुंच रहा है। चीन की ज्यादातर बड़ी कंपनियां सरकारी हैं। खासकर टेलीकॉम के प्रोडक्ट सरकारी कंपनियां ही बना रही हैं। ये प्रोडक्ट ब्रिटेन ही नहीं, दुनिया के हर देश में बिकते हैं।

ब्रिटेन की इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि चीन ने अमेरिकी हथियारों की छोटी सी छोटी मूवमेंट की जानकारी बड़ी आसानी से जुटाई थी। अमेरिका कब, कितने और कैसे हथियार ताइवान को दे रहा है, इसकी पूरी जानकारी चीन ने पहले ही जुटा ली थी। हथियारों की सप्लाई आने से पहले ही चीनी लड़ाकू विमानों ने ताइवान के चारों तरफ उड़ना शुरू कर दिया था।

गुजरात की जेल में बंद तृणमूल नेता साकेत गोखले पर ईडी का शिकंजा

नई दिल्ली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने क्राउडफंडिंग मामले में तृणमूल कांग्रेस के नेता साकेत गोखले को बुधवार (25 जनवरी, 2023) को गिरफ्तार किया है। वह इस समय धोखाधड़ी के एक मामले में गुजरात की जेल में हैं। एजेंसी के सूत्रों ने कहा कि गोखले पर भीड़-वित्त पोषण के माध्यम से एकत्र किए गए 1.07 करोड़ रुपये का दुरुपयोग करने का आरोप है।

गोखले को अहमदाबाद साइबर क्राइम ब्रांच ने 30 दिसंबर, 2022 को दिल्ली से क्राउडफंडिंग के माध्यम से एकत्र किए गए धन के कथित दुरुपयोग के मामले में गिरफ्तार किया था। उन पर आईपीसी की धारा 420 (धोखाधड़ी), 406 (आपराधिक विश्वासघात) और 467 (जालसाजी) के तहत आरोप लगाए गए हैं। यह तीसरी बार था, जब गोखले को गुजरात पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

उन्हें पहली बार 6 दिसंबर को गुजरात के मोरबी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा से जुड़ी फर्जी खबरें साझा करने के आरोप में साकेत गोखले को गिरफ्तार किया गया था, जब वहां एक पुराना सस्पेंशन ब्रिज गिर गया था, जिसमें 135 लोग की मौत हो गई थी। साकेत गोखले ने 1 दिसंबर को दावा किया था कि मोरबी पुल ढहने के बाद गुजरात में पीएम मोदी के मोरबी दौरे की व्यवस्था पर 30 करोड़ रुपये खर्च किए गए। इसके लिए साकेत गोखले ने एक गुजराती अखबार का कटआउट ट्विटर पर पोस्ट किया था, जिसमें आरटीआई के हवाले से दावा किया गया था कि पीएम की मोरबी यात्रा के लिए सिर्फ कुछ घंटों के लिए 30 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे। इसी को लेकर साकेत गोखले पर फेक न्यूज फैलाने का आरोप लगा था। उसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया था।

साकेत गोखले को 23 जनवरी को गुजरात हाई कोर्ट से बड़ा झटका लगा था, जब हाई कोर्ट ने चंदा के जरिए एकत्रित धन के कथित दुरुपयोग से जुड़े मामले में गोखले को नियमित जमानत देने से मना कर दिया था। हाई कोर्ट के जस्टिस समीर दवे ने आरोपपत्र दाखिल होने के बाद ही गोखले को अदालत का रुख करने को कहा था। जस्टिस दवे ने कहा, 'हम आरोपपत्र दाखिल होने के बाद ही याचिका पर विचार करेंगे।' अहमदाबाद में एक सत्र अदालत और मजिस्ट्रेट की अदालत ने गोखले की गिरफ्तारी और हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद उन्हें जमानत देने से मना कर दिया था। उसके बाद साकेत गोखले ने गुजरात हाई कोर्ट की तरफ रुख किया था। गोखले 5 जनवरी से न्यायिक हिरासत में हैं।

पांच लाख रुपये लेकर परमबीर सिंह के दफ्तर में बदली गई थी साइबर रिपोर्ट

मुंबई, 25 जनवरी (एजेंसियां)। मुकेश अंबानी के घर एंटीलिया के बाहर बम प्लांट करने के मामले में बांबे हाईकोर्ट एनआईए की रिपोर्ट से इत्तेफाक नहीं रखता। एनआईए का मानना है कि मुंबई के तत्कालीन पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह का इस मामले से कोई ज्यादा लेना देना नहीं है। लेकिन एनआईए की रिपोर्ट बांबे हाईकोर्ट के गले के नीचे नहीं उतर रही। अदालत को लगता है कि केंद्रीय एजेंसी ने मामले की जांच बेहद बचकाने तरीके से की।

जस्टिस रेवती मोहिते जस्टिस आरएन लड्ढा की बेंच ने एनआईए को फटकार लगाते हुए एंटीलिया मामले में आरोपी बनाए गए एनकाउंटर स्पेशटलिस्ट प्रदीप शर्मा को बेल पर रिहा करने से मना कर दिया। कोर्ट का कहना था कि एंटीलिया के साथ मनसुख हिरेन की हत्या के मामले में एनआईए ने तह में जाकर जांच नहीं की। एजेंसी ने कई ऐसे पहलुओं को नजरंदाज किया जो केस को अंजाम तक पहुंचा सकते थे। बांबे हाईकोर्ट ने नाराजगी जताते हुए कहा कि एंटीलिया मामले में एनआईए ने उन लोगों को पूरी तरह से अनदेखा किया जो मुख्य साजिशकर्ताओं के साथ मिले हुए थे। हाईकोर्ट इस बात से बेहद नाराज दिखा कि स्कार्पियो में जिलेटिन की रॉड रखने के मामले में एजेंसी ने प्रदीप शर्मा की भूमिका को अनदेखा किया। जब हमने बार बार पूछा तब एजेंसी को सचिन वाजे और प्रदीप शर्मा के बीच का कनेक्शन दिखा। कोर्ट का कहना था कि एजेंसी के पास इस बात का कोई जवाब नहीं है कि साइबर एक्सपर्ट इशान सिन्हा को परमबीर सिंह ने पांच लाख रुपये क्यों दिए। इस रिपोर्ट को लेकर परमबीर सिंह क्यों रुचि ले रहे थे। जबकि सिन्हा ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि उसने परमबीर सिंह के दफ्तर में बैठकर नया मसौदा तैयार किया था।

अदालत ने कहा कि इशान सिन्हा ने अपने बयान में कहा है कि पहले उसने जो रिपोर्ट तैयार की थी उसमें टेलीग्राम चैनल जैश-उल-हिंद का कोई जिक्र नहीं था। पहली रिपोर्ट बहुत छोटी थी। लेकिन परमबीर सिंह के कहने पर उसने उनके दफ्तर में बैठकर नई रिपोर्ट तैयार की। इसके लिए पुलिस कमिश्नर ने उसे पांच लाख रुपये भी दिए। हालांकि उसने पैसे लेने से इन्कार कर दिया था। लेकिन परमबीर ने जब जोर दिया तो पैसे ले लिए।

पीएम मोदी 28 जनवरी को पहुंचेंगे मालासेरी धाम

आसींद में धार्मिक कॉरिडोर के लिए केंद्र की रिसर्च व सर्वे टीम पहुंची

भीलवाड़ा, 25 जनवरी (एजेंसियां)। राजस्थान के आसींद (भीलवाड़ा) क्षेत्र स्थित मालासेरी डूंगरी में गुर्जर समाज के विश्व प्रसिद्ध तीर्थ भगवान देवनारायण की प्रकट स्थली पर 28 जनवरी को पीएम नरेंद्र मोदी पहुंचेंगे। उनकी सभा में करीब 2 लाख लोगों को जुटाने के लक्ष्य में भाजपा जुटी हुई है।

आसींद क्षेत्र में पीएम मोदी महाकाल कॉरिडोर (उज्जैन) की तर्ज पर भगवान देवनारायण कॉरिडोर बनाने की घोषणा कर सकते हैं। इसके लिए क्षेत्र में केन्द्र की रिसर्च व सर्वे टीम पहुंची है। यह टीम वहां भगवान देवनारायण से जुड़े ऐतिहासिक प्रमाणों, साक्ष्यों, साहित्य, धार्मिक आख्यानों का अवलोकन कर रही है। बहुत से संगठनों और स्थानीय लोगों व विशेषज्ञों से भी टीम के सदस्य सम्पर्क कर रहे हैं। मंत्रालय इस रिसर्च के माध्यम से क्षेत्र में बहुत सी शैक्षणिक, पर्यटन, विकास संबंधी गतिविधियां जल्द ही वहां शुरू करेगा। संस्कृति मंत्रालय की ओर से बहुत से विश्वविद्यालयों से भी सम्पर्क किया जा रहा है, ताकि क्षेत्र के बारे में अधिकृत जानकारी मिल सके।

पीएम मोदी की सभा के लिए मालासेरी डूंगरी से करीब 300 मीटर दूर एक नया हेलिपैड भी बनाया जा रहा है, जहां हेलिकॉप्टर से पीएम मोदी लैंड करेंगे। उसके बाद वे कार द्वारा एक नये रास्ते से मालासेरी डूंगरी पहुंचेंगे और अंत में 20 सीढ़ियों के एक नए बन रहे रास्ते से चढ़ कर मंदिर परिसर में पहुंचेंगे। वर्तमान में जो आम रास्ता है, वो करीब 130 सीढ़ियों का है।

पीएम मोदी की सुरक्षा व सुविधा संबंधी विषय को ध्यान में रखते हुए यह नया रास्ता बनाया गया है। पीएम मोदी मंदिर पहुंचकर वहां चल रहे विष्णु यज्ञ में पूर्णाहुति देंगे। इसके बाद उनकी सभा होगी जहां वो भगवान देवनारायण के प्रति अपना संदेश लोगों को देंगे।

पीएम मोदी की इस यात्रा के लिए केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय को इसकी जिम्मेदारी दी गई है। केन्द्रीय संस्कृति मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने हाल ही भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया के साथ यहां बैठक भी की थी।

इसके लिए राजस्थान की करीब 12 लोकसभा सीटों और 40 विधानसभा सीटों से जुड़े भाजपाई कार्यकर्ताओं को विशेष रूप से सक्रिय किया गया है। गुर्जर समाज से जुड़े संगठनों, संस्थाओं, संघों व प्रभावशाली लोगों को पत्र भेजे जा रहे हैं। भाजपा के राजस्थान में 24 सांसद हैं, वे सभी इस कार्यक्रम में 28 जनवरी को आसींद पहुंचेंगे।

हाल ही भाजपा ने केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय के साथ मिलकर बांसवाड़ा के गुजरात सीमा पर स्थित मानगढ़ पहाड़ पर भी पीएम मोदी की सभा की थी। उस सभा में भी करीब 50 हजार लोगों को

जुटाया था। आसींद क्षेत्र चूंकि मैदानी-पठारी इलाका है और जयपुर, अजमेर, भीलवाड़ा, राजसमंद, चित्तौड़गढ़, कोटा, जोधपुर, बूंदी, टोंक से सड़क और रेल से सीधा जुड़ा हुआ है। जयपुर, उदयपुर और किशनगढ़ के हवाई अड्डे भी यहां से केवल दो-ढाई घंटों के दूरी पर ही हैं। ऐसे में यहां दो लाख लोगों को जुटाने का लक्ष्य रखा गया है। आसींद के विधायक (भाजपा) जब्बर सिंह सांखला ने भास्कर को बताया कि हमारा लक्ष्य दो से तीन लाख लोगों को पीएम मोदी की सभा में जुटाना है। राजस्थान सहित उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, हरियाणा सहित विदेशों में बसे लोगों से भी निरंतर सम्पर्क किया जा रहा है। पीएम मोदी के आने से इस क्षेत्र का निश्चित ही बहुमुखी विकास संभव होगा।

राज्य सरकार के अधिकारियों की भी टीम जुटी है तैयारियों में

पीएम मोदी के स्वागत में राज्य सरकार ने भीलवाड़ा जिले, अजमेर संभाग व सचिवालय स्थित अफसरों को तैयारियों संबंधी निर्देश दे दिए हैं। अधिकारियों की एक बड़ी टीम वहां पहुंच गई है और सभा की तैयारियों में जुटी है।

राज्य सरकार की ओर से मालासेरी डूंगरी के पास एक नया हेलिपैड और नया रास्ता बनाया जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि संभव है कार्यक्रम में सीएम अशोक गहलोत भी शामिल हों।

सांसद जौनापुरिया और बहेड़िया को खास जिम्मेदारी

पीएम मोदी की सभा के लिए टोंक-सवाईमाधोपुर के सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया और भीलवाड़ा के सांसद सुभाष बहेड़िया को विशेष जिम्मेदारी दी गई है। दोनों लगातार दूसरी बार सांसद बने हैं और दोनों के संसदीय क्षेत्र की कुल 16 में से 12 विधानसभा सीटों पर गुर्जर मतदाताओं की संख्या पहले और दूसरे नम्बर पर है।

जौनापुरिया और बहेड़िया पिछले दिनों क्षेत्र का दौरा भी कर चुके। दोनों केन्द्रीय मंत्री मेघवाल के साथ भी बैठक कर चुके हैं। इन दोनों संसदीय क्षेत्रों से गुर्जर समाज के करीब 50 हजार लोग पीएम मोदी की सभा में शामिल होंगे।

केन्द्र सरकार ने जिस तरह से वाराणसी, अयोध्या और महाकाल (उज्जैन) में भव्य धार्मिक कॉरिडोर बनाए हैं, वैसा ही एक कॉरिडोर भगवान देवनारायण के नाम पर आसींद (भीलवाड़ा) में बनाए जाने की कवायद जारी है। इसके लिए केन्द्र सरकार का संस्कृति मंत्रालय तैयारियां कर रहा है। इसकी विस्तृत कार्ययोजना पीएम मोदी की सभा के बाद सामने आएगी।

विश्व स्तर का धार्मिक पर्यटन स्थल बनेगा आसींद

आसींद क्षेत्र में मालासेरी डूंगरी एक पठारी-पवर्तीय स्थल है। जहां पास ही खारी नामक विहंगम नदी भी है। इस क्षेत्र में महाभारत की ही तरह भीषण युद्ध भी हुए थे, जिनका उल्लेख क्षेत्रीय लोक गीतों और गुर्जर समाज के साहित्य में उपलब्ध हैं। यहां कमल के फूल में भगवान देवनारायण प्रकट हुए थे। वर्तमान में उसी मालासेरी डूंगरी पर उनका मंदिर है। चारों तरफ जो भूमि है, उस पर विश्व स्तर का धार्मिक पर्यटन स्थल बनाए जाएगा। ऐसा होने पर देश-विदेश से लोग वहां आएंगे तो रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

वाराणसी, अयोध्या और महाकाल कॉरिडोर ने दुनिया भर का ध्यान अपनी ओर खींचा है, वैसा ही संभवतः राजस्थान में हो सकेगा।

हाथ से हाथ जोड़ो मिशन संभाल रही पुरानी टीम

जिला-ब्लॉक अध्यक्ष की नियुक्ति नहीं; चुनाव और भारत जोड़ो यात्रा ऐसे ही हुई

जयपुर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। कांग्रेस का हाथ से हाथ जोड़ो अभियान पुरानी टीम के भरोसे चल रहा है। अभी तक जिलाध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष की नियुक्ति नहीं हुई है।

राजस्थान कांग्रेस में संगठन विस्तार नहीं हुआ है। 26 जनवरी से कांग्रेस का हाथ से हाथ जोड़ो अभियान शुरू होने जा रहा है। इस अभियान में कांग्रेस बिना संगठन की टीम के उतरने जा रही है। राजस्थान से भारत जोड़ो यात्रा गुजर जाने, नए प्रभारी लग जाने के बाद भी कांग्रेस में नई टीम नहीं बन सकी। कांग्रेस के नए अध्यक्ष बने भी 4 महीने से ज्यादा वक्त बीत चुका है। यहां तक कि पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश में कमल नाथ की नई टीम बन गई है। लेकिन राजस्थान में कांग्रेस इसे लेकर अब भी अधरझूल नजर आती है। कांग्रेस ने इस महीने की शुरुआत 100 ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति के साथ की। 4 जनवरी को 100 ब्लॉक अध्यक्षों की पहली

लिस्ट आई। माना गया कि अब कांग्रेस जल्द ही तमाम संगठनात्मक नियुक्तियां कर दी जाएंगी। लेकिन 20 दिन से ज्यादा का समय होने बाद अब तक भी ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त नहीं हुए हैं। कांग्रेस ने उसके बाद 88 और 47 की संख्या में ब्लॉक अध्यक्षों की दो सूचियां और जारी की। ऐसे में अब तक 235 ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त हुए। 165 ब्लॉक अब भी खाली हैं।

जिलाध्यक्षों की सूची का अब भी इंतजार

दूसरी ओर लम्बा समय बीत जाने के बावजूद अब तक जिलाध्यक्षों की कोई लिस्ट जारी नहीं हुई। कांग्रेस को लगभग 35 नए जिलाध्यक्ष नियुक्त करने हैं। लेकिन अब तक इसकी एक भी सूची नहीं आई है। कुछ जिलों को छोड़कर पूरे प्रदेश में निर्वतमान कार्यकारिणी ही काम कर रही है। जयपुर और कोटा में तो कांग्रेस को तीन-तीन जिलाध्यक्ष लगाने हैं। मगर अब तक एक भी नहीं लग सका है।

डोटासरा बोले थे : 15 दिन में हो जाएंगी नियुक्तियां

कांग्रेस ने उदयपुर में हुए चिंतन शिविर में यह निर्णय लिया था कि प्रदेशों में 90 से 180 दिन के भीतर तमाम संगठनात्मक नियुक्तियां हो जाएंगी। मगर तब से अब तक 250 दिन से ज्यादा हो गए और कांग्रेस में नियुक्तियां आधी भी नहीं हो सकी हैं।

पिछले साल 27 दिसम्बर को कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा था कि अगले 15 दिनों में तमाम नियुक्तियां कर दी जाएंगी। मगर उसे भी लगभग महीना भर पूरा हो गया।

कांग्रेस का हाथ से हाथ जोड़ो अभियान 26 जनवरी से शुरू होने जा रहा है। कांग्रेस इसे भारत जोड़ो यात्रा के एक्सटेंशन के रूप में देख रही है। कांग्रेस ने इसके लिए प्रभारी और पर्यवेक्षक भी बनाए हैं। मगर जिलों में इस अभियान को भी कांग्रेस अपने निवर्तमान पदाधिकारियों के बूते ही करेगी। जिलाध्यक्ष तो ज्यादातर जहां पुराने होंगे ही, वहीं पूरी कार्यकारिणी भी पुरानी होगी। वहीं कई ब्लॉक में तो ब्लॉक अध्यक्ष भी निवर्तमान ही होंगे।

पेपरलीक मास्टरमाइंड का घर तोड़ने में लगे 19 लाख रुपए

9 लाख में तोड़ी गई कोचिंग; वसूला जाएगा पूरा खर्चा

जयपुर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। सीनियर टीचर भर्ती पेपर लीक करने के मास्टरमाइंड भूपेन्द्र सारण को जयपुर जेडीए ने अब एक और नोटिस दिया गया है। सारण के अलावा जेडीए ने जिस बिल्डिंग में अधिगम कोचिंग सेंटर चल रहा था, उस भवन के मालिक अनिल अग्रवाल को भी नोटिस भेजा है। दोनों को करीब 28 लाख रुपए का बिल थमाया गया है।

दोनों से बिल्डिंग तोड़ने पर हुए खर्च की राशि देने के लिए कहा है। खर्च की राशि 7 दिन में जमा करवानी होगी। पैसा जमा नहीं करवाने पर जेडीए ने कानूनी कर्रवाई की चेतावनी दी है।

जेडीए के मुख्य प्रवर्तन नियंत्रक रघुवीर सैनी ने बताया- जेडीए एक्ट में प्रावधान है कि अगर कोई अवैध निर्माण जेडीए की ओर से हटाया जाता है तो उसे हटाने पर खर्च होने वाली राशि अवैध निर्माणकर्ता से वसूली जाए। इसी के तहत ये नोटिस जारी किए गए

है। बता दें कि 9 जनवरी को जेडीए ने पेपर लीक के मास्टरमाइंड भूपेन्द्र सारण, सुरेश ढाका के कोचिंग इंस्टीट्यूट अधिगम पर कार्रवाई की थी। जिस बिल्डिंग में कोचिंग संचालित थी, उसे गिरा दिया था। ये बिल्डिंग बिना जेडीए की अनुमति के आवासीय भूखंड पर बनी थी। इसके बाद जेडीए ने 13 जनवरी भूपेन्द्र सारण के अजमेर रोड रजनी विहार स्थित मकान को तोड़ने की कार्रवाई की थी।

सारण का घर तोड़ने पर जेडीए के लगे 19.11 लाख रुपए

जेडीए की ओर से जो नोटिस जारी किया है। उसमें अजमेर रोड रजनी विहार स्थित घर का अवैध हिस्सा तोड़ा. गया। उसका मलबा हटवाया गया। इसके तहत तीन दिन चली कार्रवाई के दौरान तमाम लेबर, मशीनरी और जाब्ते में तैनात हुए तमाम अधिकारियों-कर्मचारियों के वेतनमान को जोड़कर 19 लाख 11 हजार 355 रुपए का खर्चा आया। इस राशि को जमा करवाने के लिए अब जेडीए ने भूपेन्द्र सारण और उसके भाई गोपाल सारण के नाम नोटिस जारी किया है।

कोचिंग मालिक को देने होंगे 9.24 लाख रुपए

इधर, गुर्जर की थड़ी पर अधिगम कोचिंग की बिल्डिंग पर भी बुलडोजर चला था। उस पर हुए खर्च का पैसा वसूलने के लिए जेडीए ने बिल्डिंग मालिक को अनिल अग्रवाल को नोटिस थमाया है। इस बिल्डिंग को गिराने और यहां से मलबा हटाने पर जेडीए का करीब 9 लाख 23 हजार 905 रुपए का खर्चा आया है। इसका बिल बनाकर जेडीए ने अग्रवाल को भिजवाया है।

कौन है भूपेंद्र सारण

भूपेंद्र सारण साल 2011 में जीएनएम भर्ती पेपर आउट प्रकरण और वर्ष 2022 में पुलिस कॉन्स्टेबल भर्ती पेपर लीक मामले में भी शामिल था। जेल भी जा चुका हे। पुलिस जयपुर से भूपेंद्र सारण की गर्लफ्रेंड और पत्नी को गिरफ्तार कर चुकी है।

पीएम मोदी की चादर हुई 811वें उर्स में पेश

बुलंद दरवाजे पर पढ़ा गया संदेश, कहा- देश की खुशहाली और समृद्धि की कामना करता हूं

अजमेर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। ख्वाजा साहब के 811वें उर्स में बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चादर पेश की गई। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी दिल्ली से चादर लेकर के अजमेर दरगाह में पहुंचे। दरगाह में चादर पेश करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बुलंद दरवाजे पर दरगाह कमेटी के सदर के द्वारा संदेश पढ़ा गया। पीएम ने अपने संदेश में कहा कि ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के 811वें उर्स पर मैं दरगाह अजमेर शरीफ से देश की खुशहाली और समृद्धि की कामना करता हूं।

बुधवार को ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती के 811वें उर्स के मौके पर दोपहर 12:30 बजे के करीब बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के

राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ अजमेर दरगाह में पहुंचे। दरगाह के मुख्य द्वार पर दरगाह कमेटी की ओर से उनका स्वागत किया गया। बाद में सभी पुलिस के घेरे में प्रधानमंत्री की चादर लेकर दरगाह के अंदर प्रवेश हुए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चादर और अकीदत के फूल पेश किए गए। चादर पेश कर भाजपा पदाधिकारियों ने देश में अमन चैन शांति भाईचारा बना रहे इसे लेकर के दुआ की है। इस मौके पर अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी, डिप्टी मेयर नीरज जैन, बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सहित भाजपा के कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। दरगाह कमेटी की ओर से बुलंद दरवाजे पर सभी की दस्तारबंदी भी की गई।

ख्वाजा साहब की मजार पर चादर पेश करने के बाद बुलंद दरवाजे पर दरगाह कमेटी के सदर शाहिद हुसैन रिजवी के द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश पढ़ा गया। पीएम मोदी ने अपने संदेश में कहा की ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के 811वें उर्स के अवसर पर विश्व भर में उनके अनुयायियों को बधाई एवं शुभकामनाएं।

अजमेर पहुंचे पाक जायरीन दोनों मुल्कों के लिए मांगेंगे दुआ

कड़े सुरक्षा बंदोबस्त के बीच सेंट्रल गर्ल्स स्कूल में ठहराया

अजमेर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। दो साल बाद इस बार उर्स में पाकिस्तानी जायरीन का जत्था शामिल हो रहा है। ट्रेन बुधवार सुबह 9 बजकर 5 मिनट पर अजमेर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या एक पर पहुंचनी थी, लेकिन डेढ़ घंटे देरी से पहुंची है। पहले आम यात्री स्टेशन से निकले। पीछे के चार डिब्बों में 240 पाक जायरीन थे, जिनको लास्ट में निकाला गया। इसके बाद सामान की चेकिंग के बाद उनको रोडवेज की पांच बसों में बैठाया। रेलवे स्टेशन पर भी सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त किए गए। उन्हें सेन्ट्रल गर्ल्स स्कूल में ठहराया गया।

मंगलवार को पाक जत्थे में शामिल करीब ढाई सौ पाकिस्तानी नागरिकों ने अटारी बार्डर से देश में प्रवेश किया और दोपहर करीब डेढ़ बजे अमृतसर रेलवे स्टेशन से ट्रेन में सवार होकर अजमेर के लिए रवाना हुए। अजमेर से सीआईडी जोन का दल अमृतसर से ट्रेन में जायरीन जत्थे के साथ अजमेर आए है। अमृतसर से अजमेर के बीच चलने वाली ट्रेन संख्या 19614 में पाक जायरीन जत्थे के लिए चार बोगियां अतिरिक्त लगाई गई हैं। पाक जायरीन जत्थे की सुरक्षा के लिए पुलिस, आरपीएफ, जीआरपी, सीआईडी और आईबी के अधिकारी मय दल के साथ ट्रेन में तैनात हैं। पाक जायरीन जत्थे की वापसी फरवरी को शाम छह बजे ट्रेन संख्या 19613 से अमृतसर के लिए होगी।

बैंक में दिनदहाड़े फायरिंग कर लाखों लूटे

2 नकाबपोश अंदर घुसे, एक बदमाश बाहर खड़ा रहा; मैनेजर की कनपटी पर तानी बंदूक

लालसोट (दौसा), 25 जनवरी (एजेंसियां)। दौसा में बुधवार सुबह तीन नकाबपोश बदमाशों ने हथियारों के बलबूते बैंक से 8 लाख रुपए लूट लिए। लुटेरों ने फायरिंग भी की, गनीमत रही कि किसी कर्मचारी या कस्टमर को गोली लगी नहीं।

लालसोट-कोटा मेगा हाईवे पर स्थित राजस्थान मरुधरा ग्रामीण बैंक में तीनों बदमाश हथियार लेकर आए थे। 2 बदमाश बैंक में घुसे और तीसरा बैंक के बाहर गेट पर ही खड़ा रहा। 2 नकाबपोश बदमाश बैंक मैनेजर के पास पहुंचे और उनकी कनपटी पर बंदूक लगा दी। इसके बाद बैंक मैनेजर को लेकर तिजोरी तक पहुंचे और वहां तिजोरी खुलवा कर करीब 8 लाख रुपए लूटकर फरार हो गए।

वारदात लालसोट के मंडावरी थाना क्षेत्र के बिलोना गांव स्थित राजस्थान मरूधरा ग्रामीण बैंक में हुई। घटना के बाद बैंक में मौजूद ग्राहकों ने बदमाशों का पीछा करने

बैंक की छत पर लगी गोली

की भी कोशिश की, लेकिन तीनों लुटेरे बाइक लेकर फरार हो गए।

बैंक में लूट की सूचना पर एएसपी लालचंद कयाल मौके पर पहुंचे और मैनेजर से घटना की जानकारी ली। एएसपी ने बताया कि सुबह बिना नंबर की बाइक लेकर 3 बदमाश आए और बैंक में फायर किए। बदमाश सुबह 10.55 बजे बैंक में घुसे और 11 बजे लूट कर फरार हो गए। लूट की घटना के दौरान बैंक में 4 कस्टमर थे और 2 कर्मचारी थे। इसके अलावा एक बैंक मित्र था। उन्होंने मैनेजर को धमकाकर 8 लाख रुपए लूट लिए। आरोपी बगड़ी की ओर गए हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर तीनों नकाबपोश बदमाशों की तलाश में जुटी हुई है।

बैंक मैनेजर नेमीचंद मीणा ने कहा कि बैंक में 3 बदमाश मास्क पहनकर आए और गेट में घुसते ही फायरिंग की और मेरे सिर पर बंदूक रखी। इसके बाद कैश काउंटर पर जाकर सारा कैश ले लिया, इसके साथ ही स्ट्रॉन्ग रूम में रखे रुपए भी उठा लिए।

इलाके में दहशत

बैंक के पड़ोस में रहने वाली महिला प्रेम देवी ने बताया कि जब गोली चलने की आवाज आई तो मैं घर में काम कर रही थी। मैंने समझा की बंदर भगाने के लिए नकली बंदूक बेचने वाले आए हैं।

मैं बंदूक लेने के लिए 500 रुपए लेकर घर से बाहर निकलकर देखा तो बैंक की तरफ 2-3 नकाबपोश बदमाश फायरिंग कर रहे थे और लोगों से कह रहे थे कि दूर हट जाओ नहीं तो गोली चला देंगे।

सरपंच व दलाल पति ट्रेप: पंचायत की दुकान व गोदाम को खाली नहीं कराने के एवज में 10 हजार मांगे, 8 हजार लेते गिरफ्तार

कोटा, 25 जनवरी (एजेंसियां)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो कोटा की टीम ने बारां जिले में ट्रेप की कार्रवाई की है। टीम ने ग्राम पंचायत करनाहेड़ा की सरपंच निर्मला मेघवाल व उसके पति (दलाल) रामप्रसाद मेघवाल को 8 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। आरोपी सरपंच का दलाल पति सरकारी स्कूल में टीचर है। जो राजकीय उच्च

माध्यमिक विद्यालय संबलपुर जिला बारा में पोस्टेड है। फिलहाल एसीबी की टीम आरोपियों के आवास व अन्य ठिकानों की तलाश में जुटी हुई है। एसीबी के एडिशनल एसपी विजय स्वर्णकार ने बताया परिवादी ने कोटा एसीबी चौकी में शिकायत दी थी। जिसमें बताया था कि उसके द्वारा ग्राम पंचायत करनाहेडा की दुकान व गोदाम किराए पर ले रखा है।गोदाम को खाली नहीं कराने व नियमानुसार किराया जमा नहीं होने की एवज में किराए के अलावा 2 हजार रूपए प्रतिमाह की डिमांड कर रहे है। सरपंच निर्मला मेघवाल व उसका पति रामप्रसाद मेघवाल 10 हजार की रिश्वत मांग कर परेशान कर रहा है। शिकायत का एसीबी ने सत्यापन करवाया। जिसके बाद सीआई अजीत बगडोलिया व ताराचंद की अगुवाई में ट्रेप की कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

2 सगी बहनों सहित 3 बच्चियां नाडी में डूबीं

26 जनवरी के फंक्शन की तैयारी में जुटी थीं तीनों, खेलने निकली थीं घर से

देवली, 25 जनवरी (एजेंसियां)। टोंक के देवली थाना क्षेत्र में मंगलवार देर शाम 2 सगी बहनों सहित तीन मासूम बच्चियां नाडी में डूब गईं। तीनों खेलने निकली थीं और यह हादसा हो गया। बच्चियों की मौत की खबर से पूरे गांव में मातम का माहौल हो गया। अंधेरा होने के कारण गांववालों को तालाब से शव निकालने में मशक्कत करनी पड़ी।

ये बच्चियां 26 जनवरी को स्कूल के फंक्शन में भाग ले रही थीं। तीनों उसकी तैयारी भी कर रही थीं। इत्तेफाक देखिए कि कल ही देशभर में बालिका दिवस मनाया गया, यहां राजस्थान में दो परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। देवली

थानाधिकारी जगदीश प्रसाद ने बताया कि कल्याणपुरा गांव निवासी दो सगी बहने किरण मीणा (9), रिया मीणा (7) पुत्री नंदकिशोर मीणा और टीना (10) पुत्री मुकेश धाकड़ गांव के स्कूल में पढ़ती थीं। स्कूल से लौटने के बाद तीनों बच्चियां परिजनों को बाहर खेलने की बात कहकर निकली थी, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटकर नहीं आईं। इस पर परिजन उनको तलाशते हुए सरकारी स्कूल के पास बनी नाडी के पास पहुंचे तो उनकी चप्पलें पानी में तैरती मिलीं। इस पर परिजनों और ग्रामीणों को शक हुआ। जब तलाश की तो रिया और किरण के शव नजर आए, लेकिन टीना का शव नहीं मिला।

नहरों के जीर्णोद्धार पर सरकार का विशेष ध्यान : तलसानी

मंत्री ने किया चकनावाड़ी नाले के निर्माण कार्य का निरीक्षण

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पशुसंवर्धन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने आज गोशामहल विधानसभा क्षेत्र स्थित चकनवाड़ी नाले के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया, जिसका एक बड़ा हिस्सा पिछले महीने के दौरान ढह गया था। मंत्री के पहुंचते ही स्थानीय वरिष्ठ बीआरएस नेता नंदकिशोर व्यास बिलाल ने उनका स्वागत किया। बाद में मंत्री ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि जीएचएमसी के अधिकार क्षेत्र में आने वाली नहरों के जीर्णोद्धार के लिए राज्य सरकार ने 6700 करोड़ की धनराशि आवंटित की है। उन्होंने इस नहर के निर्माण के लिए एक करोड़ 27 लाख रुपये आवंटित करने की बात कही। मंत्री तलसानी ने कहा कि बेगमबाजार और उस्मानगंज से 2.5 किलोमीटर दूर बने इस नाले के गुणवत्ता मानकों की जल्द समीक्षा की जाएगी। गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के नेताओं को सलाह दी जाती है कि वे लोगों की समस्याओं पर ध्यान दें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे बीआरएस नेताओं, पूर्व पार्षदों, पार्टी कार्यकर्ताओं और अन्य लोगों के साथ तत्काल कार्रवाई करें। मंत्री के दौरे के दौरानस्थानीय नेता एम. आनंद कुमार गौड़, गद्दाम श्रीनिवास यादव, रामचंदर राजू, महेंद्र, अले पुरुषोत्तम, संतोष गुप्ता, प्रिया गुप्ता, लतक्का, परमेश्वरी सिंह, शशिराज सिंह, श्रीनिवास गौड़, क्रांति कुमार, धनराज, प्रकाश शामिल थे।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र कर्मचारी संघ कल करेगा हड़ताल

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य रूप से सभी संवर्गों में पर्याप्त भर्ती के मुद्दे पर बैंक ऑफ महाराष्ट्र में कार्यरत सभी यूनियनों ने मिलकर 27 जनवरी को एक दिन की देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। बैंक ने अंशकालिक उप-कर्मचारियों और उप-कर्मचारियों के संवर्ग को समाप्त कर दिया है और नियमित, बारहमासी नौकरियों को भी आउटसोर्स कर दिया गया है।

क्लर्कों और अधिकारियों के मामले में, बैंक ने मृत्यु, सेवानिवृत्ति, इस्तीफे या पदोन्नति के कारण उत्पन्न होने वाली रिक्तियों को नहीं भरा है, व्यवसाय में वृद्धि के कारण रिक्तियों को छोड़ दें। पिछले 10 वर्षों के दौरान, बैंक के व्यवसाय में 250% की वृद्धि हुई है जबकि कर्मचारियों की संख्या 20% कम हो गई है और इस प्रकार कर्मचारियों पर बहुत दबाव है। कर्मचारियों को लगभग सभी दिनों में सामान्य कामकाजी घंटों से परे काम करना पड़ता है और साप्ताहिक अवकाश और छुट्टियों पर ड्यूटी पर रिपोर्ट करना आवश्यक होता है। कर्मचारी अत्यावश्यकता के लिए भी अपने खाते में अवकाश नहीं ले पा रहे हैं और इस प्रकार उन्होंने कार्य जीवन संतुलन खो दिया है। कर्मचारियों की भारी कमी के कारण कर्मचारियों के ईमानदार प्रयासों के बावजूद कुशल ग्राहक सेवा प्रदान करने में असमर्थ हैं। कर्मचारी अत्यधिक दबाव में काम कर रहे हैं और शारीरिक और मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं।

यूनियनें व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से भर्ती का मुद्दा उठाती रही हैं, लेकिन प्रबंधन अडिग और अडिग रहा। इसलिए 27 जनवरी की हड़ताल अपरिहार्य हो गई है। यूनियनों ने ग्राहकों से खेद व्यक्त किया है क्योंकि हड़ताल के कारण उन्हें असुविधा होगी, लेकिन यूनियनों ने स्पष्ट किया है कि हड़ताल का उद्देश्य भर्ती करना भी है ताकि ग्राहकों को बेहतर और कुशल सेवाएं प्रदान करने में सक्षम हो सकें जो मुख्य रूप से उपलब्ध कराने में असमर्थ हैं। यूनियनों ने ग्राहकों से उनके कारण का समर्थन करने की अपील की है।

केंद्रीय सिविल सेवा अधिकारियों के लिए स्पेशल फाउंडेशन कोर्स शुरू

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ एसके जोशी, आईएएस (सेवानिवृत्त) ने डॉ एमसीआर एचआरडी संस्थान में केंद्रीय सिविल सेवा अधिकारियों के लिए स्पेशल फाउंडेशन कोर्स का शुभारंभ किया। डॉ. एसके जोशी, आईएएस (सेवानिवृत्त), सरकार के सलाहकार (सिंचाई) ने डॉ एमसीआर एचआरडी संस्थान में 86 भारतीय सांख्यिकी सेवा (आईएसएस) अधिकारियों और 26 भारतीय आर्थिक सेवा (आईईएस) अधिकारियों के लिए स्पेशल फाउंडेशन कोर्स - 2023 का शुभारंभ किया। प्रशिक्षु अधिकारी देश भर से 13 राज्यों का प्रतिनिधित्व करते हैं। डॉ. जोशी ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि आईएसएस और आईईएस अधिकारियों के पास समकालीन परिदृश्य में योगदान करने के महान अवसर होंगे, जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, संचारी महामारी और जलवायु परिवर्तन की विशेषता है। उन्होंने आईएसएस और आईईएस अधिकारियों से हमेशा सतर्क रहने और इस तरह के विघटनकारी परिवर्तनों से निपटने के लिए हमेशा तैयार रहने का आह्वान किया।

बेन्हुर महेश दत्त एक्का, आईएएस, संस्थान के डीजी और सरकार के प्रधान सचिव ने कहा कि आईएसएस और आईईएस अधिकारी अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी सरकार के विभिन्न अंगों को प्रदान करते हैं और इस प्रकार उनके शासन की गुणवत्ता को समृद्ध करने में उनकी मदद करते हैं। उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण के प्रति सरकार की बढ़ती प्रतिबद्धता को देखते हुए आईएसएस और आईईएस की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। श्रीमती अनीता राजेंद्र, आईएएस, संस्थान के एडीजी और सरकार के प्रमुख सचिव ने कहा कि फाउंडेशन कोर्स में भाग लेने वाली महिला अधिकारी प्रशिक्षुओं का प्रतिशत आश्चर्यजनक रूप से लगभग 50% है। उन्होंने कहा कि यह एक स्वस्थ प्रवृत्ति है और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महिला उम्मीदवारों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहिए और विभिन्न सेवाओं में बड़ा हिस्सा लेना चाहिए। डॉ. के तिरुपतिह, आईएफएस (सेवानिवृत्त), मुख्य सलाहकार, प्रशिक्षण, ने सभा का स्वागत किया, डॉ. माधवी रावुलापति, पाठ्यक्रम निदेशक ने फाउंडेशन कोर्स के बारे में बात की, और संस्थान के तकनीकी सलाहकार अभिषेक कुमार ने समारोह की कार्यवाही का संचालन किया।

हिन्दी महाविद्यालय में राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हिन्दी महाविद्यालय के राजनीति शास्त्र विभाग द्वारा राष्ट्रीय मतदाता दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य डॉ. अविनाश जायसवाल के संबोधन से हुआ। उन्होंने सभी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस की बधाई देते हुए उसके महत्व को बताया। तत्पश्चात राजनीति शास्त्र विभागध्यक्ष अर्चना पांडेय ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय मतदाता दिवस का महत्व समझाते हुए उन्हें उसके अधिकारों और देश के प्रति कर्त्तव्यों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक देश में अपना प्रतिनिधि चुनने का अधिकार जनता के पास होता हैं। अतः सभी वयस्क नागरिकों का यह कर्त्तव्य हैं कि वे अपने इस अधिकार का प्रयोग सोच-समझ कर स्वविवेक से करें। नागरिकों द्वारा किए गए उचित मत के प्रयोग से ही देश का भविष्य उज्ज्वल होगा और देश विकास के पथ पर अग्रसर होगा। इस अवसर पर अर्चना पांडे द्वारा सभी को प्रतिज्ञाबद्ध भी कराया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अविनाश जायसवाल, उप-प्राचार्य डॉ. बी. श्रीदेवी, श्रीमती अश्विनी सनपूरकर, वकील पांडे के अलावा सभी प्राध्यापकगण, एनसीसी अधिकारी आकाश थापा व एनएसएस अधिकारी कन्हैया तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।

एसबीआई ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष के लिए 33.78 लाख दान दिये

राज्यपाल ने की एसबीआई कर्मचारियों की सराहना

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय स्टेट बैंक, हैदराबाद सर्कल (तेलंगाना राज्य) के कर्मचारियों ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष, तेलंगाना के लिए 33,78,200 रुपये का योगदान दिया है। एसबीआई, हैदराबाद सर्किल के मुख्य महाप्रबंधक अमित झिंगरन ने कर्नल रमेश कुमार, निदेशक, सैनिक कल्याण (तेलंगाना) की उपस्थिति में राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन, जो सशस्त्र सेना झंडा दिवस कोष के अध्यक्ष हैं, को मंजू शर्मा जीएम-1, जितेंद्र कुमार शर्मा डीजीएम और सीडीओ, मेजर जेके सिसुगोस्वामी एजीएम और सीएसओ और एसबीआई के पल्लम राजू एजीएम (एम एंड सी) की उपस्थिति में उक्त राशि का एक चेक सौंपा। बैंक की सराहना करते हुए, गवर्नर ने कहा कि योगदान नेक काम के लिए है और इशारा अन्य संगठनों और नागरिकों को अनुकरण करने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने युद्ध के दिग्गजों, पूर्व सैनिकों, युद्ध विधवाओं और उनके आश्रितों के कल्याण के समर्थन में एसबीआई के निरंतर और मूल्यवान योगदान को भी स्वीकार किया। श्री झिंगरन ने कहा कि एसबीआई बड़े पैमाने पर सैनिकों और नागरिकों का समर्थन करने में सबसे आगे है। यह रक्षा कर्मियों की सेवा के लिए कई योजनाओं की पेशकश करता है और पूर्व सैनिकों के पुनर्वास और पुनर्वास के लिए विभिन्न योजनाओं में योगदान देने के लिए तत्पर है। उन्होंने कहा कि एसबीआई पूर्व सैनिकों को रोजगार देने वाली अग्रणी संस्था है।

राज्यपाल तमिलिसाई ने दीं गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यपाल तमिलिसाई सुंदरराजन ने आज गणतंत्र दिवस के अवसर पर राज्य के लोगों को हार्दिक बधाई दी। राज्यपाल ने अपने संदेश में कहा कि मैं आप सभी को हमारे 74वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई देती हूं। 1950 में आज ही के दिन भारत का संविधान लागू हुआ था। 73 साल पहले भारत एक गणतंत्र देश बन गया था, जहां लोगों के पास अपने भाग्य को डिजाइन करने की सामूहिक शक्ति होती है। यह हमारे लोकतांत्रिक और गणतंत्र देश का जश्न मनाने और अपनी संप्रभुता पर गर्व करने का दिन है।

मैं बाबा साहेब डॉ बीआर अंबेडकर और हमारे महान भारतीय संविधान के अन्य शिल्पकारों को अपनी सबसे बड़ी श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं, जिन्होंने स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के महान सिद्धांतों को स्थापित किया।

दमरे के प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। दमरे के प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त राजा राम को उनकी विशिष्ट सेवा के लिए 74वें गणतंत्र दिवस 2023 के अवसर पर प्रतिष्ठित राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया गया। राजा राम भारतीय रेलवे सुरक्षा बल सेवा के 1989 बैच के हैं और कानून में उनकी निपुणता और रेलवे सुरक्षा की विविध चुनौतियों से निपटने के लिए विभिन्न क्षेत्रीय रेलवे में देश के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में काम करने के अपने विशाल अनुभव के लिए जाने जाते हैं। राजाराम को सहायक सुरक्षा आयुक्त के रूप में उनके कार्यकाल से एक उत्कृष्ट अधिकारी के रूप में माना जाता है, जिसके द्वारा व्यापक रणनीतिक योजना और कार्यान्वयन के माध्यम से उनके द्वारा किए गए सिस्टम सुधारों ने 20 रुपये की कोयले की चोरी की रोकथाम जैसे व्यापक परिणाम सामने लाए हैं। रेलवे सुरक्षा के क्षेत्र में उनके व्यापक प्रयासों के लिए उन्हें 2012 में भारतीय पुलिस पदक, 2006 में महानिदेशक के प्रतीक चिन्ह, 05 महाप्रबंधक के पदक, 03 सुरक्षा दक्षता शील्ड, 04 प्रशंसा और डीजी आरपीएफ की ओर से प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया गया है। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दमरे ने प्रतिष्ठित राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित होने पर राजाराम को बधाई दी।

श्री संकट मोचन दक्षिण मुख वीर हनुमान मंदिर, हिमायतसागर पार्क, सीआर नगर में आयोजित नवग्रह स्थापना कार्यक्रम में पूजा-अर्चना करते हुए समाजसेवी गोपाल बल्देवा व अन्य।

नागोल स्थित श्री कुमावत समाज ट्रस्ट बैंगलुरु के श्री राधाकृष्णा एवं श्री आशापुरा माताजी मंदिर की 18 से 22 फरवरी को प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के लिए कुमावत समाज उप्पल काचवानी सिंगारम के संरक्षक अमरचन्द अडाणीया, अध्यक्ष श्रवणकुमार मालीवाड़ व पदाधिकारीयों को निमंत्रण पत्रिका देकर आमंत्रित करते हुए आयोजक मदनलाल भदाणीया, कानाराम अडाणीया व समाज बन्धु।

सरकारी जिला परिषद हाईस्कूल में जागरूकता कार्यक्रम

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के अनुपालन में, अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 के भाग के रूप में, राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद द्वारा सरकारी जिला परिषद हाईस्कूल, सरूरनगर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ.जी.पी. प्रसाद प्रभारी सहायक निदेशक, डॉ. वी. श्रीदेवी अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद) के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद की एक टीम के. श्रीनिवास राव, पुस्तकालयध्यक्ष, डॉ. एम. शिवकृष्ण, डॉ. एल.वी. श्रीवाणी, रवि बाबू ,छायाचित्रकार एवं प्रधानाध्यापिका श्रीमती उमा देवी ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान, रागुलु (फिंगर मिलेट), अरेकालू (कोदो मिलेट), कोरालू (फॉक्सटेल मिलेट), समालू (लिटिल मिलेट), ओडालू (बार्नयार्ड मिलेट),सज्जलू (मोती बाजरा), ज्वार (सोरघम), वरिगालु (प्रोसो बाजरा) जैसे पोषक अनाज प्रदर्शित किए गए हैं और छात्रों को दैनिक आहार में उनके महत्व को समझाया गया है। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया और विद्यालय में पोषक अनाज की बातचीत में शामिल हो गए ।

ब्रह्मर्षि समाज हैदराबाद का वार्षिकोत्सव आज

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। ब्रह्मर्षि समाज हैदराबाद का वार्षिकोत्सव कल 26 जनवरी 2023, बृहस्पतिवार को रामकोट स्थित सरोजिनी देवी हॉल में अपराह्न 2 बजे से आयोजित की जायेगी। ब्रह्मर्षि के परंपरानुसार प्रातः 10:30 बजे जगतगीरगुट्टा स्थित परशुराम मंदिर में झंडात्तोलन भी किया जाएगा। आयोजन की तैयारियों से संबंधित समीक्षा एवं चर्चा हेतु कार्यकारिणी ने एक विशेष बैठक ऑनलाइन की, जिसमें अध्यक्ष के अतिरिक्त कोषाध्यक्ष पंकज कुमार सीए, पूर्व अध्यक्ष गोविंद राय, मानवेंद्र मिश्रा, सुनील सिंह, मोहन सिंह, मनोज शाही, तिरुपति राय, अमर सिंह, प्रेमशंकर सिंह, पूर्व महिला अध्यक्ष डॉ. आशा मिश्रा और श्रीमती अनीता राय ने भाग लिया। इस दौरान वार्षिकोत्सव की तैयारी पर समीक्षा की गई। अवसर पर सम्मानित किए जानेवाले मेधावी छात्र, प्रतिभाशाली बच्चे, समाज के विशेष व्यक्तित्व, वरिष्ठ एवं बुजुर्ग सदस्य आदि के नाम गोविंद राय, मनोज शाही, अमर सिंह और प्रेमशंकर सिंह के सुझावानुसार लिखे गये। आर्थिक अनुदान हेतु बच्चों एवं उनके माता पिता का नामांकन भी किया गया। मानवेंद्र मिश्र ने समारोह स्थल की जानकारी दी।

ज्ञानशाला की नववर्ष पिकनिक सम्पन्न

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा सिकन्दराबाद के तत्वावधान में नगर में संचालित 21 ज्ञानशालाओं के ज्ञानार्थियो व प्रशिक्षिकाओं के लिए अकेडमिक वर्ष 2022 के सफलतापूर्वक परिसम्पन्नता के उपलक्ष्य में पिकनिक रखी गई। इसमें लगभग 225 की संख्या में उपस्थिति रही। यह पिकनिक समर ग्रीन रेसोर्ट में रखी गई। जहां पर बच्चों के लिए बहुत ही मनोरंजक इनडोर व आउटडोर गेम्स थे। सब ने काफी आनन्दित होकर भाग लिया। आंचलिक संयोजक श्रीमती सीमा दस्साणी सह संयोजक श्रीमती सरोज लोढ़ा, क्षेत्रीय संयोजक श्रीमती संगीता गोलछा, सह संयोजक सरिता नखत व यशोदा कोठारी के नेतृत्व में शानदार पिकनिक का सुंदर व्यवस्थित आयोजन रहा। अध्यक्ष श्रीमान बाबुलाल बैद, मंत्री सुशील संचेती, ज्ञानशाला विभाग संयोजक सुनील बोहरा, परामर्शक लक्ष्मीपत बैद व सभी पदाधिकारियों ने बसों के स्टोप के पास पंहुचकर सब का उत्साह वर्धन किया सभी का तहे-दिल आभार। पिकनिक दो चरणों में आयोजित की गई। दोपहर लंच के बाद पुरस्कार वितरण व सम्मान समारोह रखा गया। ज्ञानार्थी परीक्षा 2021 व 2022 के हैदराबाद स्तरीय सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले सभी ज्ञानार्थीयों को ट्राफी प्रदान की गई।

गिरिराज अन्नक्षेत्र द्वारा पुरुषोत्तम मास में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन, हुई बैठक

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। गिरिराज अन्नक्षेत्र द्वारा पुरुषोत्तम मास में आगामी 20 से 26 जुलाई तक श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। व्यास पीठ पर श्री राधा मोहनदासजी महाराज बिराजमान होकर अपनी अमृतमयी वाणी में कथा सुनाएँगे। विज्ञप्ति में आगे बतलाया गया कि गिरिराज अन्नक्षेत्र की एक विशेष बैठक में निर्णय लिया गया कि कथा बेगमबाजार स्थित माहेश्वरी भवन में आयोजित की जाएगी। विस्तृत रूप रेखा अगली बैठक में की जाएगी। उपरोक्त बैठक में प्रदीप संघी, बृजगोपाल बल्दवा, चम्पालाल जाजू, किशनप्रकाश अग्रवाल, बालकिशन अग्रवाल, दीनबंधु अग्रवाल, राजगोपाल बल्दवा, प्रेम बल्दवा आदि उपस्थित थे।

मतदान एक महान शस्त्र : कलेक्टर

कमारेड्डी, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। जिलाधिकारी जितेश वी. पाटिल ने कहा कि मतदान एक महान अस्त्र है। कामारेड्डी कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में बुधवार को 13वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर एक सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने संबोधित करते हुए बताया कि वोट बहुत पवित्र होता है। इसका लाभ सभी को उठाना चाहिए। उन्होंने नागरिकों से ईमानदार उम्मीदवारों को वोट देने की अपील की। उन्होंने 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवा, महिलाओं और युवकों को मतदाता के रूप में पंजीकरण कराने की सलाह दी। इस मौके पर जिला राजस्व अपर समाहर्ता चंद्रमोहन ने मतदाताओं को शपथ दिलाई। इस मौके पर नए मतदाताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर किन्नरों और दिव्यांगों को सम्मानित किया गया। नए मतदाताओं को पहचान पत्र दिए गए। बैठक में अपर एसपी अन्योन्या, प्रशिक्षण कलेक्टर शिवेंद्र प्रताप, आरडीओ श्रीनिवास रेड्डी, समाहरणालय चुनाव पर्यवेक्षक साई भुजंगराव, एओ रविंदर, राजकीय डिग्री कॉलेज के प्राचार्य डॉ. किश्तैया, वाइस प्रिंसिपल चंद्रकांत, तेलुगु प्रोफेसर शंकर, तहसीलदार वेंकटराव, चुनाव विभाग के अधिकारी नरेंद्र, श्रावणी, इंद्र प्रियदर्शिनी मौजूद थे।

वीर सावरकर चौक, काचीगुड़ा पर शाहरुख खान की फिल्म पठान के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए बजरंग सेना के अध्यक्ष शिवप्रसाद, उपाध्यक्ष एनआर लक्ष्मण राव, रजनी, सूर्या शुक्ला, श्रीनिवास गुप्ता, महेश कुमार, प्रवीण दुबे, महेंद्र, सुदर्शन तिवारी व अन्य।

बसवापुर के विस्थापित की दिल का दौरा पड़ने से मौत, ग्रामीणों ने शव लेकर किया विरोध

यदाद्री-भोंगिर, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। बीएम थिम्मापुर के लोगों ने बसवापुर-भोंगिर रोड पर एक धरने का आयोजन किया, जब एक ग्रामीण जुपल्ली नरसिम्हा की दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई, जब वह बसवापुर जलाशय के विस्थापितों द्वारा विरोध शिविर के लिए जा रहे थे। पिछले 57 दिनों से मुआवजे की मांग कर रहे हैं।

नरसिम्हा, जो पिछले 57 दिनों से विरोध प्रदर्शन में भाग ले रहे थे, शिविर के रास्ते में गिर गए और उनकी मृत्यु हो गई, जो विरोध शिविर से लगभग आधा किलोमीटर दूर था। विरोध करने के लिए ग्रामीणों ने ट्रैक्टर में उसका शव रायगीर जिला कलेक्ट्रेट लाने की कोशिश की,पुलिस ने उन्हें रोका, जिसके बाद उन्होंने नरसिम्हा के परिवार को न्याय दिलाने की मांग को लेकर सड़क पर धरना दिया। संयोग से, नरसिम्हा की पत्नी अनीता भी प्रदर्शन के दौरान सीने में दर्द की शिकायत पर गिर पड़ीं। उसे भोंगिर क्षेत्र के अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां उसकी हालत स्थिर बताई गई है।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

'नीतीश जी! बाप ...

और क्या उपेंद्र कुशवाहा महाराष्ट्र के शिवसेना की तरह जनता दल यूनाइटेड को तोड़कर बिहार के एकनाथ शिंदे बनना चाहते हैं ? उपेंद्र कुशवाहा क्या कुछ करते हैं और जनता दल यूनाइटेड का क्या होता है, यह देखना दिलचस्प होगा।

दरअसल, कुछ दिनों पहले उपेंद्र कुशवाहा दिल्ली गए थे। उसी वक्त से बिहार के सियासी गलियारों में चर्चा है कि कुशवाहा जेडीयू छोड़ेंगे। इसी से जुड़े सवाल जब सीएम नीतीश से पूछा गया था,तो उन्होंने कहा था कि वे (कुशवाहा) आते-जाते रहते हैं। उपेंद्र कुशवाहा जब दिल्ली से पटना आए तो सीएम नीतीश के बयान को लेकर सवाल किया गया। तब कुशवाहा ने कहा कि हम दिल्ली में इलाज करा रहे थे और पटना में पोस्टमार्टम किया जा रहा था। आगे उन्होंने कहा था कि जेडीयू के सभी बड़े नेता बीजेपी के संपर्क में हैं। हालांकि कुशवाहा ने किसी का नाम नहीं लिया था। इशारा तो सभी समझ ही गए। उसके बाद से ही नीतीश कुमार और उपेंद्र कुशवाहा के बीच बयानबाजी तेज है, जो अब बाप-दादा तक आ गई है।

सूर्यकुमार यादव साल के सर्वश्रेष्ठ पुरुष टी20 क्रिकेटर, महिलाओं में मैक्ग्रा को मिला पुरस्कार

दुबई, 25 जनवरी (एजेंसियां)। सूर्यकुमार एक साल के अंदर टी20 में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज भी बने। उन्होंने पिछले साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इस फॉर्मेट में दो शतक और नौ अर्धशतक लगाए।

भारत के स्टार क्रिकेटर सूर्यकुमार यादव को आईसीसी ने साल 2022 का सर्वश्रेष्ठ टी20 क्रिकेटर चुना है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया की ताहिला मैक्ग्रा को 2022 की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर का पुरस्कार मिला है।साल 2022 में सूर्यकुमार ने 31 टी20 मैच में 46.56 के औसत और 187.43 के स्ट्राइक रेट से 1164 रन बनाए थे।

वह एक साल के अंदर टी20 में एक हजार से ज्यादा रन बनाने वाले सिर्फ दूसरे बल्लेबाज हैं। इस साल उनके बल्ले से 68 छक्के निकले। सूर्यकुमार एक साल के अंदर टी20 में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज भी बने। उन्होंने पिछले साल दो शतक और नौ अर्धशतक लगाए।

सूर्यकुमार ऑस्ट्रेलिया में पिछले साल हुए आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप के दौरान शानदार फॉर्म में दिखे थे। टूर्नामेंट के दौरान उन्होंने छह पारियों में तीन अर्धशतक और लगभग 60 की औसत से रन बनाए थे। इतना ही नहीं, इस दौरान सूर्या का स्ट्राइक रेट 189.68 का रहा था।

सूर्यकुमार ने टी20 में पहला शतक भी पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ इंग्लिश जमीन पर जड़ा था। इंग्लैंड ने 216 रन का लक्ष्य दिया था। जवाब में भारतीय टीम ने 31 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद सूर्यकुमार ने एक यादगार पारी खेली थी। उन्होंने 55 गेंदों पर 117 रन बनाए थे और भारत को जीत के करीब ला दिया था। हालांकि, उनके आउट होते ही टीम इंडिया मैच हार गई थी।

वहीं, टी20 वर्ल्ड कप के तुरंत बाद न्यूजीलैंड दौरे पर टी20 में सूर्या ने इस फॉर्मेट में अपना दूसरा अंतरराष्ट्रीय शतक जड़ा। टी20 वर्ल्ड कप के दौरान ही सूर्यकुमार आईसीसी टी20 मेंस बैटर रैंकिंग में पहले स्थान पर पहुंचे। उनकी इन्हीं उपलब्धियों की वजह से आईसीसी ने उन्हें आईसीसी टी20 मेंस क्रिकेटर ऑफ द ईयर पुरस्कार से नवाजा है।

विमेंस आईपीएल की टीमों की नीलामी

5 टीमों की बिक्री 4670 करोड़ में हुई; दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, बेंगलुरु और लखनऊ की टीमें खेलेंगी

मुंबई, 25 जनवरी (एजेंसियां)। 5मिंस आईपीएल की 5 टीमों की नीलामी हो गई है। बुधवार को बोर्ड ने नीलामी में सफलता हासिल करने वाली कंपनियों के नाम की घोषणा की। इस नीलामी से बोर्ड को कुल 4669.99 करोड़ रुपए की रकम मिलेगी। सबसे ज्यादा बोली अहमदाबाद फ्रेंचाइजी के लिए लगी है। इस फ्रेंचाइजी के एवज में अडाणी ग्रुप 1289 करोड़ रुपए बोर्ड को देगा।

अहमदाबाद के अलावा मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु और लखनऊ की फ्रेंचाइजी पर बोली लगी है। यानी यही पांच टीमें विमेंस आईपीएल में शिरकत करेंगी। विमेंस आईपीएल का पहला सीजन इस साल मार्च में होना है। फरवरी में खिलाड़ियों की नीलामी होगी।

पुरुष आईपीएल टीमों की शुरुआती कीमत से महंगी है महिला टीमें

15 साल पहले 2008 में बीसीसीआई ने पुरुष आईपीएल के लिए 8 टीमों की नीलामी की थी। इससे बोर्ड को तब 72.35 करोड़ डॉलर मिले थे। अगर डॉलर के मौजूदा भाव के हिसाब से कैलकुलेट करें तो आंकड़ा 5,907 करोड़ रुपए का आता है। 2008 में 1 डॉलर करीब 40 रुपए का था। उस हिसाब बोर्ड को पुरुष IPL फ्रेंचाइजीज की नीलामी से करीब 2900 करोड़ रुपए ही मिले थे। यानी हर टीम के लिए 362.5 करोड़ रुपए। वहीं, विमेंस IPL के लिए बोर्ड को 4670 करोड़ रुपए मिले हैं। यानी 1 टीम की कीमत 934 करोड़ रुपए है।

30 से ज्यादा कंपनियों ने खरीदे थे टेंडर, 17 मैदान पर उतरीं

टीम खरीदने के लिए 17 कंपनियां मैदान पर हैं, हालांकि 30 से ज्यादा कंपनियों ने इसके लिए टेंडर खरीदे थे। टीमें खरीदने के लिए पुरुष आईपीएल की 7 टीमों मुंबई इंडियंस, कोलकाता नाइट राइडर्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, राजस्थान रॉयल्स, पंजाब किंग्स, सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स ने रुचि दिखाई। साथ ही देश के बड़े औद्योगिक घराने अडाणी ग्रुप, कैप्री ग्लोबल, हल्दीराम ग्रुप, टोरेंट फार्मा, अपोलो पाइप्स, अमृतलीला इंटरप्राइजेस, श्रीराम ग्रुप और स्लिंगशॉट 369 वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड भी आगे आए।

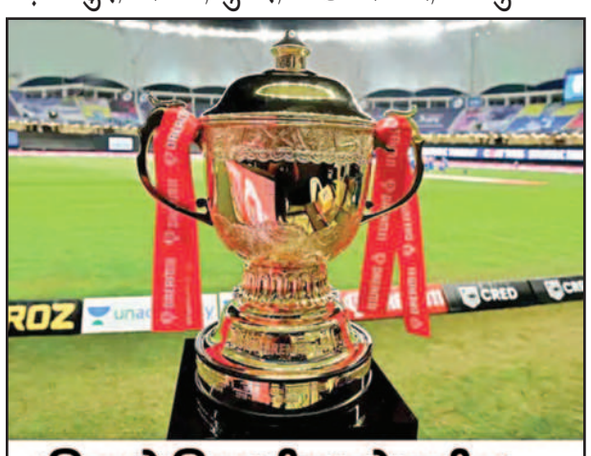

किसने किस टीम को खरीदा...

अहमदाबाद	मुंबई	बेंगलुरु
अडाणी स्पोर्टलाइन प्राइवेट लिमिटेड ₹1289 करोड़	इंडियाविन स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड ₹912.99 करोड़	रॉयल चैलेंजर्स स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड ₹901 करोड़

दिल्ली	लखनऊ
JSW GMR क्रिकेट प्राइवेट लिमिटेड ₹810करोड़	कापरी ग्लोबल होल्डिंग प्राइवेट लिमिटेड ₹757 करोड़

मीडिया राइट्स में टीमों की 80% हिस्सेदारी

बोर्ड ने कुछ दिनों पहले विमेंस आईपीएल के 5 साल के मीडिया राइट्स 951 करोड़ रुपए में बेचे हैं। यानी एक मैच 7 करोड़ रुपए का होगा। बोर्ड पहले पांच साल तक मीडिया राइट्स से हुई कमाई का 80% हिस्सा टीमों में डिस्ट्रीब्यूट करेगा। इसके बाद 5 साल 60% और उसके बाद 50% हिस्सा टीमों के खाते में जाएगा। इसके अलावा, फ्रेंचाइजी को सेंट्रल लाइसेंसिंग राइट्स से प्राप्त राशि का 80 फीसदी भी मिलेगा। बाकी का रेवेन्यू स्पॉंसरर्स, सेल्स और टिकट से मिलेगा।

इस साल मार्च में होगा पहला सीजन

विमेंस आईपीएल का पहला सीजन इस साल मार्च में खेला जाएगा। 5 टीमों के बीच कुल 22 मैच मुंबई के डीवाय पाटील और ब्रेबोर्न स्टेडियम में ही होंगे। वानखेड़े स्टेडियम को पुरुष आईपीएल के लिए तैयार किया जाएगा।

टीमों को ऑक्शन के लिए मिलेंगे 12 करोड़

एक महिला आईपीएल टीम को ऑक्शन में खिलाड़ी खरीदने के लिए 12 करोड़ रुपए का पर्स मिलेगा। हर साल पर्स में 1.5 करोड़ रुपए का इजाफा होगा। 25 जनवरी को 5 टीमों के नाम सामने के बाद ऑक्शन होगा।

एक टीम में खेलेंगी 5 विदेशी प्लेयर

महिला आईपीएल की एक टीम में 5 विदेशी खिलाड़ी खेल सकेंगी। टेस्ट प्लेइंग देशों से 4 और एक खिलाड़ी एसोसिएट देश से रखना होगा। अगर एसोसिएट देश की खिलाड़ी टीम में नहीं रहीं, तो एक टीम में 4 ही विदेशी खिलाड़ी खेलेंगी। पुरुष आईपीएल की एक टीम में 4 विदेश खिलाड़ी खेल सकते हैं। इनमें असोसिएट देश के खिलाड़ियों का होना जरूरी नहीं है।

10 करोड़ की प्राइज मनी मिलेगी

महिला आईपीएल जीतने वाली टीम को 6 करोड़ रुपए, रनर-अप को 3 करोड़ और तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम को 1 करोड़ रुपए मिलेंगे। इस तरह प्राइज मनी के रूप में कुल 10 करोड़ रुपए बांटे जाएंगे।

यह होगा लीग का फॉर्मेट

5 टीमों के टूर्नामेंट में 20 लीग मैच होंगे। हर टीम बाकी टीमों से 2-2 मैच खेलेगी। पॉइंट्स टेबल में टॉप पर रहने वाली टीम फाइनल में पहुंचेगी। पॉइंट्स टेबल में दूसरे और तीसरे नंबर की टीम एलिमिनेटर खेलेगी। एलिमिनेटर जीतने वाली टीम फाइनल में जाएगी और हारने वाली टीम तीसरे स्थान पर फिनिश करेगी।

पुरुष आईपीएल की प्राइज मनी 4.6 गुना ज्यादा

महिला आईपीएल की टोटल प्राइज मनी के मुकाबले पुरुष आईपीएल की प्राइज मनी 4.6 गुना तक कम है। पुरुष आईपीएल जीतने वाली टीम को 20 करोड़ और रनर-अप टीम को 13 करोड़ रुपए मिलते हैं। तीसरे और चौथे स्थान की टीमों की प्राइज मनी मिलाकर कुल रकम 46.5 करोड़ रुपए हो जाती है। वहीं, पाकिस्तान की पुरुष फ्रेंचाइजी लीग के विनर को 3.4 करोड़ रुपए मिलते हैं। जो विमेंस आईपीएल चैंपियन की प्राइज मनी से 2.6 करोड़ रुपए कम है।

अंडर-19 विमेंस वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंचा भारत

ग्रुप पॉइंट्स टेबल के टॉप पर, न्यूजीलैंड या इंग्लैंड के खिलाफ हो सकता है मुकाबला

पोटचेफस्ट्रम, 24 जनवरी (एजेंसियां)। भारत ने मंगलवार को विमेंस अंडर-19 टी-20 वर्ल्ड कप के पहले एडिशन में सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। भारत पॉइंट्स टेबल के टॉप पर है। भारत अब शुक्रवार को सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड या इंग्लैंड से भिड़ेगा।

बांग्लादेश के भी 6 पॉइंट हो गए तो क्या होगा?

भारत ग्रुप 1 में था। इसमें भारत के साथ ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, साउथ अफ्रीका, बांग्लादेश और यूएई थे। फॉर्मेट के अनुसार हर टीम को ग्रुप में 4 मैच खेलने थे। सभी टीमों ने ग्रुप में काम से काम 1 मुकाबला हारा है। टेबल में बांग्लादेश और यूएई के अलावा सभी अपने ग्रुप के पूरे मैच खेल चुके हैं।

भारत और यूएई फिलहाल 6 पॉइंट्स के साथ क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर हैं। अगर आज बांग्लादेश जीतता है तो उसके भी 6 पॉइंट्स हो जाएंगे।

अगर उसका बेहतर रनरेट हुआ तो भी वो ऑस्ट्रेलिया को बाहर करेगा न कि भारत को। ऐसा हो सकता है कि भारत पहले से दूसरे पायदान पर आ जाए। इस स्थिति में भी भारत का सेमीफाइनल खेलना तय है।

मेजबान रन रेट के कारण बाहर

मेजबान साउथ अफ्रीका सेमीफाइनल के पास जाकर भी उससे दूर हो गया। साउथ अफ्रीका के भी पॉइंट्स टेबल में 6 पॉइंट हैं, लेकिन उसे सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए श्रीलंका को बड़े अंतर से हराना था। मैच में उसे 1 रन से जीत मिली।

ग्रुप 2 में न्यूजीलैंड और इंग्लैंड सेमीफाइनल में

ग्रुप 2 में न्यूजीलैंड और इंग्लैंड सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। ग्रुप में न्यूजीलैंड अपने सभी मैच जीत कर 8 अंक के साथ टॉप पर है। वहीं इंग्लैंड ने भी अब तक अपने सारे मैच जीते हैं। उसके 6 अंक हैं। इंग्लैंड का आखिरी मुकाबला वेस्टइंडीज से है। अगर इंग्लैंड जीता तो पॉइंट्स टेबल में वो न्यूजीलैंड के ऊपर आ जाएगा।

ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल में सानिया-बोपन्ना की जोड़ी

करियर का आखिरी ग्रैंड स्लैम जीतने उतरेंगी सानिया मिर्जा

मेलबर्न, 24 जनवरी (एजेंसियां)। आखिरी ग्रैंड स्लैम खेली रहीं भारतीय स्टार सानिया मिर्जा और रोहन बोपन्ना की जोड़ी ने ऑस्ट्रेलियन ओपन की मिक्स्ड कैटेगरी के फाइनल में प्रवेश कर लिया है।

मेलबर्न में बुधवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले के तीसरे सेट से ब्रिटेन के नील स्कूपस्की और अमेरिकी की डेसिरै क्रॉक्जिक की जोड़ी हट गई। ऐसे में भारतीय जोड़ी को विजेता घोषित कर दिया गया। जब तीसरी सीड जोड़ी हटी तब मुकाबला एक-एक की बराबरी पर था। इस मैच का पहला सेट भारतीय जोड़ी ने 7-6 से जीता। उसके बाद ब्रिटिश-अमेरिकी जोड़ी ने दूसरा सेट 7-6 से अपने नाम कर मुकाबले को रोमांचक बना दिया। भारतीय खिलाड़ी आखिरी सेट के दस गेम जीत चुके थे। कॉम्प्टीटर के हिस्से 6 गेम की जीत आई थी।

इस भारतीय जोड़ी ने 6 साल पहले 2017 में फ्रेंच ओपन का मिक्स्ड डबल्स खिताब जीता था। साल के पहले ग्रैंड स्लैम की बात करें तो ऑस्ट्रेलियन ओपन में मिर्जा महेश भूपति के साथ 2009 में चैंपियन बनी थीं।

क्वार्टर फाइनल मुकाबले में मिला वॉकओवर

सानिया मिर्जा और रोहन बोपन्ना की भारतीय जोड़ी को क्वार्टर फाइनल मुकाबले में स्पेन के वेगा हर्नांडेज और लाटविया के जेनेना ओस्तापेंको ने वॉकओवर दिया था। इस जोड़ी ने प्री क्वार्टरफाइनल मुकाबले में उरुग्वे के एरियल बेहर और माकोटो निनोमिया की जोड़ी 6-4 7-6 से हरा कर टॉप-8 में जगह बनाई थी।

विमेंस डबल्स में गैरवरीय जोड़ी से हारीं

सानिया मिर्जा अपनी जोड़ीदार एना डानिलिना के साथ विमेंस डबल्स के दूसरे दौर में उलटफेर का शिकार हुई। भारत-कजाख की 8वीं सीड जोड़ी को बेल्जियम की एलिसन वान उइतवैंक और यूक्रेन की एनहेलिना कलिनिना की गैरवरीय जोड़ी ने 4-6, 6-4, 2-6 से हराया। यह मुकाबला करीब 2 घंटे तक चला।

रायबकिना विमेंस सिंगल्स के टॉप-4 में

एलिना रायबकिना ने विमेंस सिंगल्स के सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली हैं। वे पहली बार साल के पहले ग्रैंड स्लैम के टॉप-4 में पहुंची हैं। रायबकिना पिछले साल के दूसरे राउंड से हार का बाहर हो गई थीं।

23 साल की रायबकिना ने लातविया की येलेना ओस्टापेंको को लगातार सेट में 6-2, 6-4 से हराया। अब उनका सामना 24वीं सीड विक्टोरिया अजारेंका से होगा। टॉप सीड ईगा स्वातेक और दूसरी सीड ओंस जुबेर पहले ही बाहर हो चुकी हैं।

सितसिपास लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल में

स्टीफानोस सितसिपास ने लगातार तीसरी बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। वे रोजर फेडरर (2004 से 2006 तक) के बाद ऑस्ट्रेलियन ओपन में लगातार तीन बार सेमीफाइनल में पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। मेंस सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में तीसरी सीड सितसिपास ने चेक रिपब्लिक के जिरी लेहेका को लगातार तीन सेट में 6-3, 7-6, 6-4 से मात दी। अब उनका सामना कारेन खचानोव से होगा। वहीं, कारेन ने सेबेस्टियन कोर्डा को 7-6, 6-3, 3-0(रिटायर्ड हर्ट) से हराया।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में खेल सकते हैं बुमराह

कप्तान रोहित शर्मा ने कहा - उम्मीद करता हूं की बुमराह सीरीज में वापसी करें

खेल डेस्क, 25 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा उम्मीद कर रहे है की जसप्रीत बुमराह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के आखिरी दो टेस्ट मैचों में वापसी कर सकते हैं। बुमराह पहले दो टेस्ट के लिए टीम में नहीं हैं, लेकिन, हाल ही में बुमराह ने प्रैक्टिस फिर चालू कर दी है। वे नेशनल क्रिकेट अकादमी के नेट्स में गेंदबाजी कर रहे है। उनकी वापसी की उम्मीद जताई जा रही है। रोहित शर्मा ने मंगलवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज जीतने के बाद कहा, 'हम इस समय बुमराह के लिए निश्चित नहीं हैं। मैं उम्मीद कर रहा हूं की वे आखिरी दो टेस्ट खेलेंगे। इस समय टीम मैनेजमेंट किसी भी प्रकार का रिस्क नहीं लेना चाहता, क्योंकि इसके बाद भी हमे कई बड़े मैच और टूर्नामेंट खेलना है। इस समय हम नेशनल क्रिकेट अकादमी के टच में हैं।

सिराज बने दुनिया के नंबर-1 वनडे गेंदबाज

ताजा आईसीसी रैंकिंग में बोल्ट और हेजलवुड को पछाड़ा, बैटिंग रैंकिंग में विराट से आगे गिल

दुबई, 25 जनवरी (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट फैंस के लिए दो दिन में दूसरी बड़ी खुशखबरी सामने आई है। न्यूजीलैंड के खिलाफ 3-0 से क्लीन स्वीप कर टीम इंडिया मंगलवार को दुनिया की नंबर-1 वनडे टीम बनी थी। आज भारत के मोहम्मद सिराज दुनिया के नंबर-1 वनडे गेंदबाज बन गए हैं। बुधवार को जारी ताजा रैंकिंग में सिराज 729 पॉइंट्स के साथ पहले स्थान पर पहुंच गए। ऑस्ट्रेलिया के जोश हेजलवुड (727 पॉइंट्स) दूसरे स्थान पर और न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट (708 पॉइंट्स) तीसरे स्थान पर हैं।

बल्लेबाजी में जोरदार फॉर्म में चल रहे शुभमन गिल अब वनडे में सबसे ऊंची रैंकिंग वाले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। पिछले चार वनडे में तीन शतक जमाने वाले गिल अब 734 पॉइंट्स के साथ छठे स्थान पर हैं। उन्होंने 20 स्थान की छलांग लगाई है। वहीं विराट कोहली 727 पॉइंट्स के साथ सातवें और कप्तान रोहित शर्मा 719 पॉइंट्स के साथ नौवें नंबर पर हैं।

पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम 887 पॉइंट्स के साथ पहले स्थान पर बने हुए हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ सिराज-गिल का शानदार प्रदर्शन

न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 वनडे मैचों की सीरीज में शुभमन गिल ने बल्लेबाजी से शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 180 की औसत से 360 रन बनाए। वे सीरीज में भारत के टॉप स्कोरर के साथ ही ओवर ऑल भी सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। गिल ने अपनी पारी में 2 सेंचुरी भी जड़ी। वहीं मोहम्मद सिराज ने 2 मैचों में 3.50 की इकोनॉमी रेट से 3 विकेट लिए।

आईसीसी मेंस वनडे टीम ऑफ द ईयर में सिराज भी शामिल

तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की 2022 में वनडे टीम ऑफ द ईयर में जगह दी गई है। इस टीम में उनके अलावा मिडिल ऑर्डर बैटर श्रेयस अय्यर को भी शामिल किया गया है। आईसीसी ने मंगलवार को टीम की घोषणा की थी। मेंस टीम में दो और विमेंस टीम में तीन भारतीय खिलाड़ियों को जगह मिली है।

डेब्यू के तीन साल बाद सिराज को मिला था मौका

मोहम्मद सिराज अब तक 21 वनडे मैच खेल चुके हैं और उन्होंने 38 विकेट लिए हैं। सिराज को अपना पहला वनडे खेलने के तीन साल बाद दूसरा वनडे खेलने का मौका मिला था। सिराज ने 15 जनवरी 2019 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड मैच से वनडे में डेब्यू किया था। इस मैच में सिराज को विकेट नहीं मिले। उसके बाद उन्हें दूसरे वनडे मैच खेलने का मौका 6 फरवरी 2022 को मिला।

रोहित शर्मा को 2 स्थान का फायदा

बल्लेबाजों की वनडे रैंकिंग में शुभमन गिल के अलावा भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को भी 2 स्थानों का फायदा मिला है। वह 11वें से 9वें स्थान पर पहुंच गए हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 वनडे मैचों की सीरीज में रोहित, शुभमन गिल के बाद भारत के दूसरे टॉप स्कोरर रहे। उन्होंने 3 मैचों में 62 की औसत से 186 रन बनाए। रोहित ने अपनी पारी में एक सेंचुरी और एक हाफ सेंचुरी जड़ी।

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में 6 रिकॉर्ड टूटे

गिल ने इमाम उल हक को पीछे छोड़ा, टीम इंडिया ने एक वनडे में सबसे ज्यादा 19 छक्के लगाए

इंदौर, 25 जनवरी (एजेंसियां)। टीम इंडिया ने तीसरे वनडे में न्यूजीलैंड को 90 रन से हराकर सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप कर लिया। इंदौर के होलकर स्टेडियम में हुए इस मुकाबले में भारतीय ओपनर शुभमन गिल, कप्तान रोहित शर्मा और पूरी टीम ने एक से बढ़कर एक 6 बड़े रिकॉर्ड बनाए। गिल तो लगता है कि पाकिस्तान बल्लेबाजों के पीछे ही पड़ गए हैं। ऐसा हम क्यों कह रहे हैं यह आप स्टोरी में आगे अच्छी तरह से जान लेंगे। तो चलिए अब आंकड़ेबाजी का आनंद उठाते हैं।

1. शुरुआती 21 पारियों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने गिल

भारत के 23 वर्षीय सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल वनडे क्रिकेट में शुरुआती 21 पारियों के बाद दुनिया में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने अब तक 21 वनडे खेले और 21 पारियों में 73.76 की औसत से 1,254 रन बना लिए हैं। गिल से पहले यह रिकॉर्ड पाकिस्तान के इमाम उल हक के नाम था। इमाम ने अपने करियर की पहली 21 पारियों में 60.56 की औसत से 1,090 रन बनाए थे।

इतना ही नहीं 22, 23 और 24 पारियों के बाद भी गिल का सबसे ज्यादा रन बनाने वाला बल्लेबाज बनना तय हो गया है। ऐसा इसलिए है क्योंकि 24 पारियों बाद सबसे ज्यादा रन का रिकॉर्ड 1,194 रन (जोनाथन ट्रॉट, इंग्लैंड) का है। गिल इससे ज्यादा रन अभी बना चुके हैं। 2

2. बाबर के 7 साल पुराने रिकॉर्ड की बराबरी की

गिल ने इस शानदार शतकीय पारी की मदद से बाबर आजम के सात साल पुराने एक रिकॉर्ड की बराबरी भी कर ली है। यह रिकॉर्ड है तीन वनडे मैचों की सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने का। बाबर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 2016 में तीन वनडे मैचों की सीरीज में 360 रन बनाए थे। गिल ने भी न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में 360 रन ही बनाए हैं।

3. न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरा सबसे बड़ा स्कोर

टीम इंडिया इस मैच में अगर 8 रन और बनाती तो वह न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे में अपना सबसे बड़ा स्कोर बना लेती। भारत ने 2009 में क्राइस्टचर्च वनडे में कीवी टीम के खिलाफ 392/4 का स्कोर बनाया था।

4. कीवियों के खिलाफ सबसे बड़ी ओपनिंग पार्टनरशिप

रोहित शर्मा और शुभमन गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे क्रिकेट में सबसे बड़ी ओपनिंग पार्टनर शिप का रिकॉर्ड बना दिया। इन दोनों ने पहले विकेट की साझेदारी में 212 रन जोड़े। पिछला रिकॉर्ड वीरेंद्र सहवाग और गौतम गंभीर के नाम था। इन दोनों ने 2009 में हैमिल्टन में 201 रन की पार्टनरशिप की थी।

5. भारत की ओर से एक वनडे में सबसे ज्यादा छक्के

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में भारत के सभी बल्लेबाजों ने मिलकर 19 छक्के जमाए। यह किसी वनडे मैच में सबसे ज्यादा सिक्स के पिछले भारतीय रिकॉर्ड की बराबरी है। भारतीय टीम ने 2013 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बेंगलुरु में भी 19 छक्के जमाए थे। तब 16 छक्के अकेले रोहित शर्मा ने जड़े थे।

6. सचिन और विराट के बाद रोहित

रोहित शर्मा ने वनडे करियर की 30वीं सेंचुरी जमाई है। इसके साथ ही उन्होंने रिकी पोंटिंग की बराबरी कर ली है। उनसे आगे सिर्फ सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली ही मौजूद हैं।

बढ़ते शहर में लोगों की सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण : केटीआर

अग्नि दुर्घटना में मृतकों के परिजनों को मिलेगी 5-5 लाख की अनुग्रह राशि

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सहित राज्य के सभी प्रमुख शहरों में सभी भारी/लंबी इमारतों, व्यावसायिक, वाणिज्यिक भवनों, अस्पतालों, स्कूलों, हाई-राइज अपार्टमेंट्स का सितंबर तक ऑडिट करना और तीनों मृतकों के परिवारों को 5-5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने का फैसला किया गया। रामगोपालपेट, सिकंदराबाद में अग्नि दुर्घटना में मरने वाले परिवारों के लिए आज सचिवालय में आयोजित एक उच्च स्तरीय बैठक में यह निर्णय लिया गया। सिकंदराबाद में हाल ही में हुई भीषण आग की घटना के मद्देनजर आग से बचाव परमिट के बिना विशाल इमारतों के खिलाफ उठाए जाने वाले उपायों पर बीआरकेआर भवन में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। राज्य के नगरपालिका मंत्री केटी रामाराव, पशुपालन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव, गृह मंत्री महमूद अली, जीएचएमसी उप महापौर मोठे श्रीलता रेड्डी, सीएस शांति कुमारी, डीजीपी अंजनी कुमार, नगर निगम के विशेष प्रधान सचिव अरविंद कुमार, ऊर्जा, आवास निर्माण विभाग के विशेष मुख्य सचिव सुनील शर्मा, जीएचएमसी कमिश्नर लोकेश कुमार, जलमंडली के एमडी दाना किशोर, हैदराबाद पुलिस कमिश्नर सीवी आनंद, साइबराबाद पुलिस कमिश्नर स्टीफन रवींद्र, राचकोंडा कमिश्नर डी.एस. चौहान, हैदराबाद के कलेक्टर अमय कुमार आदि अन्य उच्चाधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर, राज्य के नगरपालिका मंत्री के टी रामाराव ने कहा कि हैदराबाद और राज्य के अन्य प्रमुख शहरों में सभी बड़ी/ऊँची इमारतों के लिए अग्नि सुरक्षा ऑडिट किया जाना चाहिए और इसे नगर निगम, पुलिस, अग्निशमन विभाग के अधिकारियों के साथ नियमित रूप से पूरा किया जाना चाहिए। इसके अलावा सभी अस्पतालों, स्कूल भवनों, पेट्रोल स्टेशनों, गैस गोदामों, व्यापारिक व व्यावसायिक भवनों और हाईराइज अपार्टमेंट्स में सेप्टी ऑडिट कराने का आदेश दिया है। हालांकि, यह स्पष्ट किया गया कि फायर सेफ्टी ऑडिट के नाम पर उपाय किए जाएं ताकि लोगों को परेशानी न हो।

मंत्री ने सुझाव दिया कि बढ़ते शहर के लोगों की सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है और इस संबंध में यदि आवश्यक हो तो 1999 में बनाए गए अग्नि सुरक्षा कानूनों में संशोधन के लिए उपयुक्त प्रस्ताव भेजे जाने चाहिए। सीएस शांति कुमारी को आवश्यक प्रस्ताव तत्काल भिजवाने के लिए कहा गया कि सरकार पुरानी बस्ती में पुलिस विभाग को उपलब्ध कराए गए दमकल विभाग को आधुनिक वाहन और दमकल विभाग के साथ ही गगनचुंबी अपार्टमेंट उपलब्ध कराने के लिए तैयार है। मंत्री केटीआर ने सिकंदराबाद में हाल ही में आग लगने की घटना पर समय पर प्रतिक्रिया देने और जानमाल के नुकसान को रोकने के लिए कदम उठाने के लिए सरकारी तंत्र की सराहना की। मंत्री ने कहा कि इस आग में मरने वाले परिवार के तीन सदस्यों के प्रत्येक परिवार को 5 लाख की दर से अनुग्रह राशि दी जाएगी। राज्य के पशुपालन और छायांकन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि शहर के साथ-साथ अन्य शहरों में भी बड़ी आग दुर्घटनाओं को रोकने के लिए दिशानिर्देश सुझाने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हैदराबाद शहर में लगभग 25 लाख व्यावसायिक और वाणिज्यिक परिसर हैं, जिनमें से सभी को अपनी स्वयं की अग्नि सुरक्षा सावधानी बरतने के लिए उचित दिशा-निर्देश जारी करने चाहिए। गृह मंत्री महमूद अली ने कहा कि भवन निर्माण के समय अग्नि सुरक्षा पर कड़े नियम लागू किए जाने चाहिए। सीएस शांति कुमारी ने कहा कि बड़ी अग्नि दुर्घटनाओं को रोकने के लिए किए जाने वाले उपायों पर उपयुक्त प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए उच्च स्तरीय अधिकारियों की एक समिति गठित की जा रही है। बताया गया है कि अग्निशमन विभाग द्वारा आवश्यक आधुनिक उपकरणों की खरीद के लिए उपयुक्त प्रस्ताव प्रस्तुत करने के साथ ही अग्निशमन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आधुनिक प्रक्रियाओं का समुचित प्रशिक्षण देने के लिए कदम उठाए जाएंगे। डीजीपी अंजनी कुमार ने सुझाव दिया है कि जिन व्यवसायों और संस्थानों में आग लगती है, उन पर विशेष उपाय किए जाने चाहिए।

साइबराबाद के 154 पुलिसकर्मी सेवा पदक से सम्मानित

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सरकार ने कर्तव्य के प्रदर्शन में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले पुलिस अधिकारियों को विशेष सेवा पदक देने की घोषणा की है। इसके लिए केंद्र सरकार द्वारा घोषित वीरता पुरस्कारों की तरह तेलंगाना राज्य सरकार भी पिछले कुछ वर्षों से बेहतरीन सेवा करने वाले पुलिस अधिकारियों को ये पुरस्कार दे रही है। हालाँकि, तेलंगाना राज्य सरकार द्वारा वर्ष 2015-2022 के लिए घोषित इन पुरस्कारों में, सरकार ने साइबराबाद आयुक्तालय से 154 पुलिस अधिकारियों को पदक देने की घोषणा की है। इस अवसर पर साइबराबाद के पुलिस आयुक्त स्टीफन रवींद्र ने उत्तम सेवा मेडल, अति उत्कृष्ट मेडल और उत्कृष्ट मेडल के लिए चयनित पुलिस अधिकारियों को बधाई दी। सीपी ने कहा कि साइबराबाद पुलिस को ड्यूटी के बेहतरीन प्रदर्शन के लिए मेडल मिलने पर गर्व है। तेलंगाना सरकार और तेलंगाना पुलिस की ओर से, उन्होंने छात्रों को पदक पाने के लिए दिन-रात मेहनत करने, अपने परिवार के सदस्यों और त्योहारों को त्यागने के लिए बधाई दी। बैठक में ज्वाइंट सीपी अविनाश महंती, ट्रैफिक ज्वाइंट सीपी नारायण नाइक, ट्रैफिक डीसीपी टी. श्रीनिवास राव, सीएआर एडीसीपी रियाज, एसीपी और अन्य पुलिस कर्मी उपस्थित थे।

परेड मैदान में गणतंत्र दिवस आयोजित न करने के सरकार का फैसला निंदनीय : बंडी

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने बुधवार को सिकंदराबाद परेड मैदान में हर साल होने वाले औपचारिक गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन नहीं करने के राज्य सरकार के फैसले की निंदा की। सरकार के फैसले को अलोकतांत्रिक और संविधान की भावना के खिलाफ बताते हुए संजय ने एक बयान में कहा कि यह संविधान निर्माता डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर का अपमान करने जैसा है। उन्होंने कहा कि यह राज्यपाल की संवैधानिक जिम्मेदारियों को कम करने की साजिश का एक स्पष्ट मामला है।

बंडी संजय ने कहा कि के चंद्रशेखर राव सरकार उस प्रोटोकॉल का विस्तार नहीं कर रही है, जिसके लिए राज्यपाल बजट सत्र शुरू होने से पहले राज्य विधानमंडल के संयुक्त सत्र को संबोधित करने के अवसर से इनकार कर रहे थे। उन्होंने कहा कि केसीआर ने महिलाओं के प्रति पूरी तरह से अवमानना की है। यही कारण है कि वह बार-बार महिला राज्यपाल को अपमानित कर रहे हैं। लोगों को यह महसूस करना चाहिए कि मुख्यमंत्री, जो राज्य में सर्वोच्च संवैधानिक पद पर एक महिला का सम्मान नहीं कर सकते, कैसे महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण लागू करेंगे।

संजय ने कहा कि लोग सरकार पर यह कहने के लिए हंस रहे हैं कि वह इस साल कोरोना महामारी के बहाने गणतंत्र दिवस नहीं मना सकती है। उन्होंने कहा कि यह शर्मनाक है कि कोरोना वायरस के नाम पर प्रतिबंध केवल गणतंत्र दिवस समारोह पर लागू हो सकता है, न कि मुख्यमंत्री और उनके मंत्रियों की सार्वजनिक सभाओं के लिए।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह का उद्देश्य यह संदेश देना है कि हम एक लोकतांत्रिक देश में रह रहे हैं, न कि एक राजशाही और वंशवादी शासन में। लेकिन केसीआर, जो एक राजा की तरह राज्य पर शासन कर रहे हैं, भारतीय संविधान की महानता के बारे में लोगों को ज्ञान से वंचित करने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने कहा कि केसीआर लोकतंत्र और संविधान में विश्वास नहीं करते हैं। वह राज्य में केवल कल्वाकुंतला संविधान को लागू करना चाहते हैं। यही कारण है कि वह राज्यपाल की संस्था को समाप्त करने और संविधान के पुनर्लेखन की वकालत कर रहे थे।

हाईकोर्ट ने केसीआर सरकार को दिया गणतंत्र दिवस कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने बुधवार को निर्देश दिया कि बीआरएस सरकार केंद्र सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार राज्य में गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित करे। उच्च न्यायालय ने गणतंत्र दिवस समारोह को लेकर दायर एक रिट याचिका पर अंतरिम आदेश जारी किया और स्पष्ट किया कि सरकार को आधिकारिक रूप से सभी मानदंडों का पालन करना चाहिए। उच्च न्यायालय ने अपने निर्देश में कहा कि कार्यक्रम के तहत परेड का भी आयोजन किया जाना चाहिए। केंद्र सरकार द्वारा राज्य सरकारों को उत्सव आयोजित करने का निर्देश देने के लिए एक परिपत्र जारी किए जाने के बाद भी तेलंगाना सरकार द्वारा कार्यक्रम आयोजित नहीं करने पर उच्च न्यायालय में एक लंच प्रस्ताव के दौरान एक रिट याचिका दायर की गई थी।

न्यायमूर्ति पी. माधवी देवी की अध्यक्षता वाली पीठ ने अपनी टिप्पणियों में कार्यक्रम आयोजित नहीं करने के बहाने कोविड-19 का उपयोग करने के लिए राज्य सरकार को फटकार लगाई। परंपरा के अनुसार, गणतंत्र दिवस का आयोजन हर साल शहर के परेड ग्राउंड में राज्यपाल और मुख्यमंत्री दोनों के साथ होता है। हालांकि, बीआरएस सरकार और राज्यपाल तमिलिसाई साउंदराजन के बीच तनावपूर्ण संबंधों के कारण, इस साल गणतंत्र दिवस के आयोजन के बारे में कोई खबर नहीं आई। बताया गया कि तेलंगाना के राज्यपाल गुरुवार को राजभवन में राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे। 19 जनवरी को, राज्यपाल ने आरोप लगाया कि प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया जा रहा है और उन्हें गणतंत्र दिवस कार्यक्रम आयोजित करने के बारे में सरकार से कोई संचार नहीं मिला, जिससे पता चला कि शहर में कोई कार्यक्रम आयोजित नहीं किया जा रहा है।

53.15 लाख रुपये का गांजा जब्त, दो गिरफ्तार

कोत्तागुडेम, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने बुधवार को जिले के बरगमपड मंडल के जिन्कलागुडेम में 53.15 लाख रुपये का सूखा गांजा जब्त किया और दो तस्करों को गिरफ्तार किया। पुलिस के एक बयान में कहा गया है कि मोरमपल्ली बंजार जंक्शन पर वाहन निरीक्षण के दौरान स्थानीय एसआई, पी. संतोष और कर्मचारियों ने भद्राचलम से निरीक्षण करने के लिए आ रही एक माल वैन को रोकने की कोशिश की, लेकिन वैन चालक ने वाहन नहीं रोका और तेजी से भाग निकला।

पुलिस ने जिंकलागुडेम एसआरएलआईपी पुल पर वाहन का पीछा किया और रोका और वैन में लगभग 265.74 किलोग्राम वजन का गांजा मिला। पूछताछ के दौरान, वैन चालक और उसके क्लीनर ने पुलिस के सामने कबूल किया कि वे आंध्र प्रदेश के चित्तूर से महाराष्ट्र के उस्मानाबाद में गांजे की तस्करी कर रहे थे। गोवर्धनवाड़ी के ड्राइवर महादेव मोहन और उस्मानाबाद तालुक के तेर गांव के क्लीनर किशन कालिदास पवार ने खुलासा किया कि उनके नियोक्ता पप्पू मामा और भूम तालुक के सोनगिरी के उनके साथी सत्यजीत ने चित्तूर में गांजा खरीदा और उनसे पहले उस्मानाबाद चले गए। पुलिस ने पप्पू मामा, सत्यजीह और वैन मालिक अभिराम पवार के साथ ड्राइवर और क्लीनर के खिलाफ मामला दर्ज किया है. पुलिस ने कहा कि वैन और दो मोबाइल फोन जब्त कर लिए गए हैं और गिरफ्तार लोगों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया जाएगा।

अमीरपेट मेट्रो स्टेशन के प्लेटफॉर्म का आकार बढ़ाया जाएगा

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मेट्रो की लाल और नीली लाइनों पर लगातार तकनीकी खराबी के बीच, प्रबंध निदेशक एनवीएस रेड्डी ने बुधवार को कहा कि अधिक ट्रेनों की खरीद के लिए एलएंडटी के शीर्ष प्रबंधन के साथ बातचीत चल रही है। हमने एलएंडटी के शीर्ष प्रबंधन से और ट्रेनें खरीदने के लिए कहा है। लेकिन, यह समय लेने वाला व्यायाम है। अंतरिम राहत के रूप में, पीक आवर्स के दौरान ट्रेन की आवृत्ति को तीन मिनट से भी कम समय तक बढ़ाया जा रहा है, और शॉर्ट लूप सेवाएं शुरू की गई हैं।

चेन स्नेचर ने महिला को बनाया निशाना, सोने की चेन लेकर फरार

हैदराबाद, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। चंदानगर में बुधवार को बाइक सवार दो बदमाशों ने एक महिला से सोने की चेन छीन ली। पीड़ित राजश्री सड़क पर टहल रही थी तभी बदमाशों ने उसके गले से चेन छीन कर फरार हो गए। सूचना पर चंदनगर पुलिस मौके पर पहुंची और अपराधियों की गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिये। इनकी पहचान और गिरफ्तारी के लिए तीन विशेष टीमें बनाई गई हैं।

बिजली चोरी के 19,744 मामले दर्ज

वारंगल, 5 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। 1 जनवरी, 2022 से 31 दिसंबर, 2022 तक बिजली चोरी या चोरी के कुल 19,744 मामले दर्ज किए गए। 17,427,500 रुपये का जुर्माना वसूला गया। अपराधियों से बिजली शुल्क के रूप में 12,507,988 रुपये की राशि वसूल की गई। बिजली चोरी के आरोप में 17 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मंचेरियल, निर्मल, कुमराम भीम आसिफाबाद, कामारेड्डी, पेड्डापल्ली, जगतियाल, राजन्ना, हनामकोंडा, वारंगल, महबूबाबाद, प्रोफेसर जयशंकर भूपालपल्ली, जनगांव, भद्राद्री कोत्तागुडेम, आदिलाबाद सहित एनपीडीसीएल सीमा के तहत मीटर से छेड़छाड़ के कुल 162 मामले दर्ज किए गए थे। निजामाबाद, करीमनगर और खम्मम जिले। एनपीडीसीएल के अधिकारियों के अनुसार, बिजली बिलों सहित 2.03 करोड़ रुपये की राशि एकत्र की गई थी।

सीबीआई का वाईएस विवेका हत्याकांड में सांसद अविनाश रेड्डी को नोटिस

विजयवाड़ा, 25 जनवरी (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने वाईएसआरसीपी के कडपा सांसद (एमपी) वाईएस अविनाश रेड्डी को उनके मामा और पूर्व सांसद वाईएस विवेकानंद रेड्डी की हत्या के मामले में नया समन जारी किया है। सीबीआई ने पूछताछ के लिए उपस्थित होने के लिए कहा है। सीबीआई ने सोमवार को सांसद को पहला नोटिस दिया और उन्हें मंगलवार को अपने कार्यालय में पेश होने को कहा है। हालांकि, अविनाश रेड्डी ने पूर्व की व्यस्तताओं का हवाला दिया और सीबीआई के सामने पेश होने के लिए पांच दिन का समय देने का अनुरोध किया। जवाब में, सीबीआई ने बुधवार को दूसरा नोटिस दिया, सांसद को 28 जनवरी को अपने हैदराबाद कार्यालय में उपस्थिति के लिए बुलाया। विवेकानंद रेड्डी की हत्या की जांच अभी भी जारी है और सीबीआई सबूत इकट्ठा करना जारी रखती है और मामले के संबंध में संभावित गवाहों से पूछताछ करती है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.